वर्ष-31, अंक- 280, पृष्ठ-12 | श्रावण शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
रविवार
27जुलाई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

एक नजर

खरसावां में चेकडैम में 4 युवकों की डूबने से मौत

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां में शनिवार की सुबह चेक डैम में नहाने के दौरान चार युवकों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना खरसावां थाना क्षेत्र के दलाईकला गांव के पास दराइकेला पंचायत में स्थित एक चेकडैम में सुबह करीब 9:00 बजे हुई। मृतकों की पहचान गौरव मंडल, हरिवास दास, सुनील साहू और मनोज साहू के रूप में हुई है। चारों युवक 18 से 20 वर्ष की आयु के थे और दलाईकला गांव के निवासी थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गांव के छह युवक चेक डैम में नहाने गए थे। इनमें से चार युवकों ने डैम में छलांग लगाई, जबकि दो युवक बाहर खड़े रहे। जानकारी के अनुसार, छलांग लगाने के दौरान चारों युवकों का सिर पानी के अंदर मौजूद किसी पत्थर से टकरा गया, जिससे वे बेहोश हो गए और डूब गए। बाहर खड़े दोनों युवकों ने तुरंत ग्रामीणों को बुलाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से चारों शवों को डैम से निकाला गया। सरायकेला के एसपी के अनुसार, सभी युवक नहाने के दौरान गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी डूबने से मौत हुई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से शवों को बाहर निकाला और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। साथ ही, आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

फिर से बजा विश्व में डंका

पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी लोकप्रियता का परचम लहराया है। बिजनेस इंटेलिजेंस और डाटा एनालिटिक्स कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट के जुलाई के एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी को 75 प्रतिशत लोगों की 'अप्रूवल रेटिंग' प्राप्त हुई है, जो उन्हें दुनिया के अन्य सभी नेताओं से आगे खड़ा करती है। यह सर्वेक्षण दुनिया के प्रमुख 20 नेताओं की लोकप्रियता पर आधारित है, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री ने अमेरिका, जर्मनी, इटली, ब्राजील और नीदरलैंड्स जैसे देशों के नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी को जहां 75 प्रतिशत जनता का समर्थन मिला है, वहीं सिर्फ 18 प्रतिशत लोगों ने उनके कार्यों को लेकर असहमति जताई और 7 प्रतिशत लोगों ने कोई राय नहीं दी। यह आंकड़ा पीएम मोदी को उनके समकक्षों में सबसे ऊपर रखता है। पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-मयोंग (59 प्रतिशत) और तीसरे नंबर पर के राष्ट्रपति जेवियर मिली (57 प्रतिशत) हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी (56 प्रतिशत) और ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज (54 प्रतिशत) भी शीर्ष पांच में शामिल हैं।

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है और 50 प्रतिशत लोगों ने उनसे असहमति जताई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दक्षिण अफ्रीका के सिरिल रामाफोसा को 54 प्रतिशत नकारात्मक राय झेलनी पड़ी। स्विट्जरलैंड, पोलैंड, और बेल्जियम जैसे देशों में नेताओं की लोकप्रियता का स्तर 50 प्रतिशत से नीचे रहा। सबसे निचले पायदान पर ब्राजील के लूला दा सिल्वा और नॉर्वे के जोनास गाहर स्टोरे रहे, जिन्हें 60 प्रतिशत लोगों ने अस्वीकार किया।

टॉप -5

1. नरेंद्र मोदी - भारत - 75 प्रतिशत
2. ली जे-मयोंग - द. कोरिया - 59 प्रतिशत
3. जेवियर मिली - अर्जेंटीना - 57 प्रतिशत
4. मार्क कार्नी - कनाडा - 56 प्रतिशत
5. एंथनी अल्बानीज - ऑस्ट्रेलिया - 54 प्रतिशत

रात 9 बजे सीओ ने आकर पंचायत प्रतिनिधियों से लिए ज्ञापन

5 घंटे तक बंद रहे विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के सभी कर्मी

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। धरनास्थल पर बीडीओ व सीओ के नहीं पहुंचने से आक्रोशित पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय का मुख्य द्वार जाम कर दिया। लगभग 5 घंटे विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के 35 कर्मी कार्यालय में बंद रहे। प्रतिनिधियों ने विश्रामपुर थाना पुलिस की भी नहीं सुनी। त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि विश्रामपुर सीओ को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। जिसके बाद मेदिनीनगर से रात 9 बजे सीओ प्रखंड कार्यालय पहुंचकर जन प्रतिनिधियों से मागं पत्र लिया। इसके बाद जन प्रतिनिधियों का धरना समाप्त हुआ। त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघर्ष मोर्चा ने छह सूत्री मांगों के समर्थन में शनिवार को विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धारणा का कार्यक्रम आयोजित था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पार्षद विजय रविदास ने किया था। जिला पार्षद विजय रविदास का कहना था कि पूर्व की रघुवर सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों का हक मारकर उनकी शक्तियों को कम किया था। जिसका सीधा असर ग्राम पंचायतों के विकास पर पड़ा। वर्तमान राज्य सरकार त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को उनका हक वापस दें,ताकि ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम पर है। नाराज पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रखंड कार्यालय के मुख्य द्वार को जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पदाधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

गुमला पुलिस की बड़ी सफलता

जेजेएमपी कमांडर दिलीप लोहरा समेत 3 उग्रवादी ढेर

- एक एके-47, दो इंसास राइफल और बड़ी संख्या में कारतूस बरामद

नवीन मेल संवाददाता

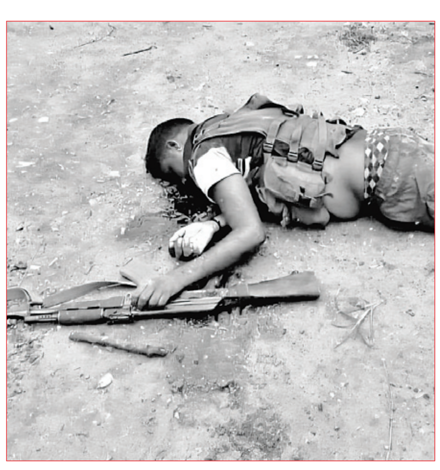

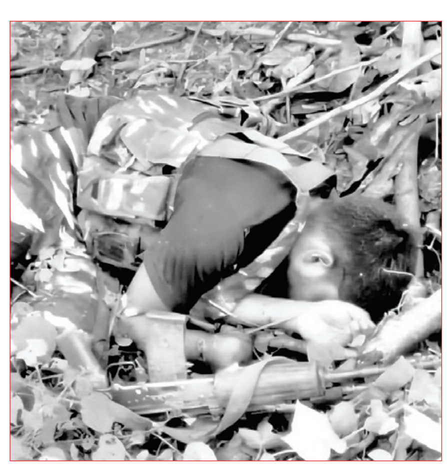

गुमला। गुमला पुलिस को शनिवार को बड़ी सफलता मिली है। घाघरा थाना क्षेत्र स्थित लावादाग जंगल में शनिवार की सुबह झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के उग्रवादियों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने जेजेएमपी के कुख्यात कमांडर दिलीप लोहरा समेत तीन उग्रवादियों को मार गिराया। दो अन्य उग्रवादी मौके से भाग निकले, जिनकी तलाश में जंगल में सघन सर्च ऑपरेशन जारी है। बताया गया कि मुठभेड़ करीब आधे घंटे तक चली, जिसके बाद पुलिस ने क्षेत्र को घेरते हुए तलाशी अभियान तेज कर दिया है। सुरक्षा बलों का जंगल में सर्च अभियान जारी था। मारे गए उग्रवादियों के पास से एक एके-47, दो इंसास राइफल और बड़ी संख्या में कारतूस बरामद किए गए हैं। मारे गए अन्य दो उग्रवादियों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। सूत्रों के अनुसार, गुमला के एसपी हरीश बिन जमा को इनपुट मिला था कि जेजेएमपी कमांडर दिलीप लोहरा अपने दस्ते के साथ लावादाग जंगल में सक्रिय है। सूचना मिलते ही घाघरा, बिशुनपुर और गुमला थानों की संयुक्त पुलिस टीम ने रणनीतिक घेराबंदी कर जंगल में दबिश दी। जैसे ही सुरक्षाबलों ने उग्रवादियों के ठिकाने की ओर कूच किया, उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में तीन उग्रवादी ढेर कर दिए गए। पुलिस को आशंका है कि जंगल में अभी भी कुछ उग्रवादी छिपे हो सकते हैं। इसलिए सर्च अभियान को और अधिक विस्तार दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को राज्य में उग्रवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

उग्रवाद के सफाए के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : एसपी

गुमला के एसपी हरीश बिन जमा ने कहा की गुप्त सूचना के आधार पर हमारी टीम ने त्वरित कार्रवाई की। मुठभेड़ में जेजेएमपी का कमांडर दिलीप लोहरा मारा गया, साथ ही दो अन्य उग्रवादी भी ढेर हुए हैं। जंगल में सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। हम उग्रवाद के सफाए को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

राज्य में नक्सलवाद खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है हेमंत सोरेन सरकार

हेमंत सोरेन सरकार राज्य में नक्सलवाद खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

झारखंड पुलिस ने भी इस वर्ष राज्य को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य तय कर लिया है। राज्य में 2025 की शुरुआत से अब तक पुलिस ने 22 नक्सलियों को मार गिराया है। इस दौरान 115 हथियार, 8591 गोलियां, 176.5 किलो विस्फोटक करामद किए गए हैं। नक्सलियों से 4,51,047 रुपए भी जब्त किए गए हैं, जो उन्होंने लेवी के रूप में वसूले थे। 179 आईईडी को खोजकर निष्क्रिय किए गए हैं।

कुडू में पीएलएफआई के दो उग्रवादी लेवी की रकम के साथ गिरफ्तार

- 15 हजार नकद, दो मोबाइल और एक बाइक बरामद

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। कुडू में पीएलएफआई के दो उग्रवादी लेवी की रकम के साथ गिरफ्तार प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) से जुड़े दो सक्रिय उग्रवादियों को कुडू पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मदरसा चौक स्थित हनहट रोड पर छापेमारी कर रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन उग्रवादियों के पास से 15 हजार रुपए नकद, दो मोबाइल फोन और एक टीवीएस अपाचे बाइक जब्त किया है। दोनों उग्रवादी ककरगढ़ एड़ा दोन में एक निमार्णाधीन सड़क परियोजना से लेवी वसूली करने पहुंचे थे। कुडू थाने में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वेदांत शंकर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को सूचना मिली थी कि पीएलएफआई उग्रवादी एक ठेकेदार से 5 लाख रुपए की लेवी वसूलने आने वाले हैं। इसके बाद विशेष टीम गठित की गई, जिसमें उनके आलावा कुडू थाना प्रभारी मनोज कुमार, पुअनि अश्विनी कुमार राणा, दिनेश कुमार, तकनीकी शाखा के नीरज कुमार मिश्र, जयमंगल सिंह, अंगरक्षक विपिन हजाम, आवास गार्ड बुधराम सिंह मुंडा, चालक संजय कच्छप और सैट-78 के सशस्त्र बल शामिल थे। टीम ने वादी मनीष कुमार से लेवी की वसूली करते वक्त दोनों आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान रांची जिले के मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र के दुल्ली गांव निवासी रूपेश मुंडा (पिता झरी पाहन) और चान्हो थाना क्षेत्र के चामा रमदगा निवासी भरत कुमार साहु (पिता अजय साव उर्फ अजय साहु) के रूप में हुई है।

रक्षा राज्य मंत्री सेठ को जान से मारने की मिली धमकी

- पुलिस ने शुरू की जांच, कॉल का लोकेशन और नंबर किया जा रहा ट्रेस

रांची/नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और रांची से सांसद संजय सेठ को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें शुक्रवार को फोन कॉल के जरिए दी गई, जब वे लद्दाख के द्रास में आयोजित कारगिल विजय दिवस के कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। मिली जानकारी के अनुसार, किसी अज्ञात व्यक्ति ने द्रास में उन्हें फोन कर धमकी दी। कॉल कहां से और किसके द्वारा किया गया, इसका अब तक पता नहीं चल सका है। मंत्री ने इस धमकी की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारी कॉल का लोकेशन और नंबर ट्रेस करने में जुटे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि जल्द ही कॉल करने वाले की पहचान कर ली जाएगी और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है, जब संजय सेठ को इस तरह की धमकी मिली हो। इससे पहले दिसंबर 2024 में भी उन्हें धमकी दी गई थी। उस समय उनसे एक टेक्स्ट मैसेज के जरिए 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी और जान से मारने की धमकी दी गई थी। धमकी भरे मैसेज में 'लाल सलाम' लिखकर धमकी देने वाले ने अपना संदेश खत्म किया था। जिस वक्त उन्हें यह धमकी दी गई थी, उस वक्त संसद का सत्र चल रहा था। संजय सेठ ने इसे लेकर दिल्ली पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद दिल्ली और रांची पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से इस मामले में रांची के कांके निवासी मिन्हाजुल अंसारी को गिरफ्तार किया था। जांच में पता चला था कि अंसारी ने यह साजिश अपनी बेटी के प्रेमी को फंसाने के इरादे से रची थी और मंत्री को निशाना बनाया था। सात महीने में दूसरी बार धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

रामगढ़ थाना प्रभारी पीके सिंह निलंबित

रामगढ़। जिले के चर्चित थाना प्रभारी इंस्पेक्टर पीके सिंह को उनके पद से हटा दिया गया है। यह कार्रवाई बोकारो रेंज के आईजी के निर्देश पर की गई, जिसके तहत रामगढ़ एसपी ने उन्हें थाना प्रभारी के पद से हटाकर पुलिस लाइन में योगदान देने का आदेश दिया है। साथ ही, आईजी ने मामले की पूरी जांच कर दोषी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों की पहचान कर रिपोर्ट शीघ्र भेजने को कहा है। मामला एक युवती के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किए गए अभियुक्त गुड्डू उर्फ आफताब अंसारी से जुड़ा है। आफताब को रामगढ़ महिला थाना में दर्ज कांड संख्या 14/2025 के तहत पकड़ा गया था। गिरफ्तारी के बाद उसे रामगढ़ थाना लाया गया था' लेकिन उसे न तो हथकड़ी लगाई गई थी और न ही उचित निगरानी में रखा गया। इसी का फायदा उठाकर वह थाना परिसर से फरार हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आफताब ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा दिया और थाना परिसर से दामोदर नदी की ओर निकल भागा। उसकी फरारी के बाद पुलिस ने कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी की, मगर अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। यहां तक कि वह अपने घर भी नहीं लौटा' जिससे उसके साथ किसी अनहोनी की आशंका भी जताई जा रही है। जांच में सामने आया कि अभियुक्त को उचित तरीके से न तो हथकड़ी लगाई गई थी और न ही उसकी गिरफ्तारी में गंभीरता बरती गई थी।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप प्रसाद को मिली दो साल की सजा

- 28.66 लाख के राजस्व का नुकसान पहुंचाने के मामले में सुधीर और सुरेंद्र जैन को भी दो-दो वर्ष की सजा
- कोर्ट ने एक-एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया, सजा सुनाने के बाद कोर्ट ने सभी को जमानत दे दी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने धोखाधड़ी और साजिश कर 28.66 लाख के राजस्व का नुकसान पहुंचाने के 21 साल पुराने मामले में शनिवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष दिलीप प्रसाद, सुधीर जैन और सुरेंद्र जैन को दोषी करार देते हुए दो-दो वर्ष की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने सभी दोषियों पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाने के बाद कोर्ट ने सभी को जमानत दे दी, जिसके बाद वे अपने-अपने घर चले गए। कोर्ट द्वारा किसी मामले में तीन साल तक की सजा देने पर उसी कोर्ट को जमानत देने का अधिकार है। इसलिए कोर्ट ने तीनों को जमानत दे दी। ज्ञात हो कि वर्ष 2004 में हुए घोटाले को लेकर सीबीआई ने वर्ष 2013 में एफआईआर दर्ज की थी। इसमें दिलीप प्रसाद पर अध्यक्ष रहते कई नियुक्तियों में अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप है। सीबीआई ने नियुक्ति घोटाले में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। यह पहला मामला (आरसी 6/2013) है, जिसमें सीबीआई कोर्ट ने फैसला सुनाया है।

इंडिया

क्यों युवा जीना चाहते हैं मरने की कोशिश करने के बाद ?

देश-विदेश में आत्महत्या अब कोई समाचार नहीं क्योंकि हमने इसे लगभग एक सामान्य प्रक्रिया मान लिया है जबकि अनेक चिकित्सकों ने बताया कि आत्महत्या का प्रयास करने वाले अनेक युवाओं ने अपने परिजन या प्रशासन से बातचीत के बाद जीने की अदम्य इच्छा व्यक्त की। युवा से लेकर वृद्ध तक हर किसी को अपने जीवन से बहुत प्रेम होता है और इसीलिए आर्थिक या सामाजिक सीमाएं सीमित ही क्यों न हों हर कोई उसे सर्वोत्तम बनाने की इच्छा रखता है फिर आत्महत्या जैसा घातक कदम उठाने के पीछे कारण क्या है ? क्यों वही जीवन उसे डराने लगता है और मौत डर के बजाय राहत दिखने लगती है ? झारखंड के लातेहार की आठवीं की एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन ने गांव के स्कूल के शिक्षक पर छात्रा को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है जिसे हिरासत में ले लिया गया है। कोलकाता के स्कूल में एक छात्रा से कथित छेड़छाड़ के आरोप में भरे बाजार पिटाई से अपमानित नौवीं के छात्र ने आत्महत्या कर ली। मई में पूर्व मेदिनीपुर के ही पांशकुड़ा इलाके में सातवीं कक्षा के एक छात्र के आत्महत्या में दुकानदार ने उस पर चिप्स का पैकेट चुराने का आरोप लगाया था। छोटे से बड़े स्कूल या कॉलेज एक महत्वपूर्ण बदलाव का समय होता है। कई छात्र पहली बार घर से दूर रह रहे होते हैं और उन्हें बढ़ती आज़ादी और स्वायत्तता के साथ-साथ कई तरह के तनावों का सामना करना पड़ता है, बढ़ी हुई शैक्षणिक क्रियाशीलता, नए माहौल में कई बार कॉलेज में शराब और अन्य नशीले पदार्थों या विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण बढ़ता है जिसमें धोखा या अपमान से आत्महत्या का जोखिम बढ़ सकता है। जम्मू कश्मीर की रहने वाली 25 साल की उदयपुर के डेंटल कॉलेज की छात्रा श्वे ता सिंह ने सुसाइड कर लिया। डॉक्ट5र बनने का सपना देखने वाली श्वे ता ने ऐसा क्यों किया? सुसाइड नोट में कई बातें सामने आई हैं कि पैसे लेकर न जाने कितने बच्चों को पास कर दिया गया जिन्होंने कभी कॉलेज में मुंह नहीं देखा था। श्वेता ने लिखा है कि हमारा बैचमेट दो तीन महीने पहले इंटर्न बन चुका है और हमारे करियर की ऐसी तैसी कर दी अपने मन से फेल कर देते हैं और नया बैच बनाते हैं। बच्चाऐ पैसा दे तो ठीक वरना उनका खून पीते रहें ! हाल के दिनों की ये घटनाएं बता रहीं कि समाज कितना क्रूर हो चुका है और उन परिवारों का दर्द शायद ही कोई समझ सके जिनके लाडले चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि शिक्षा की मूल आत्मा ही विकृत हो गई है। छात्रों को एक दूसरे से आगे बढ़ने की अंधाधुंध दौड़ में धकेला जा रहा है। उन पर लगातार मनोवैज्ञानिक दबाव डाला जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप आत्महत्या के मामलों की संख्या बढ़ रही है। शीर्ष अदालत ने कोचिंग सेंटरों सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों को छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जिनमें योग्य काउंसलर्स या मनोवैज्ञानिकों की नियुक्ति, शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर बैचों में विभाजन से बचना शामिल है । साथ ही सर्टिफाइट मेंटल हेल्थ एक्सपट्र्स की तरफ से अपने कर्मचारियों को वर्ष में दो बार अनिवार्य रूप से ट्रेनिंग दिलाना भी शामिल है।शैक्षणिक संस्थानों के लिए 15 बाध्यकारी दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनका पालन तब तक अनिवार्य रहेगा, जब तक सरकार देशभर के स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों और उनके मानसिक छात्रों की आत्महत्याओं को रोकने के लिए कोई कानून या नियामक ढांचा नहीं बनाती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आत्महत्याओं की वजह से लगातार जा रहीं युवाओं की जानें व्यवस्थागत विफलता को उजागर करती हैं। इस मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि युवाओं की लगातार जा रही जानें एक व्यवस्थागत विफलता को दर्शाती है । ऐसे मामले अक्सर मनोवैज्ञानिक तनाव, पढ़ाई के बोझ, सामाजिक कलंक और संस्थागत असंवेदनशीलता जैसे रोके जा सकने वाले कारणों से होती हैं । इससे पहले शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को शैक्षणिक संस्थानों के लिए 15 बाध्यकारी दिशानिर्देश जारी किए। इनका पालन तब तक अनिवार्य रहेगा, जब तक सरकार छात्रों की आत्महत्याओं को रोकने के लिए कोई कानून या नियामक ढांचा नहीं बनाती। केंद्र और राज्य सरकारों को 90 दिनों में इस पर पालन रिपोर्ट पेश करनी होगी। पीठ ने विशाखापट्टनम में अपने छात्रावास की छत से गिरने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मरने वाली 17 वर्षीय नीट उम्मीदवार के मामले की सीबीआई से जांच कराने का आदेश भी दिया। पीठ ने जोर देते हुए कहा कि इनमें से 2,248 मौतें सीधे तौर पर परीक्षा में सफल न हो पाने की वजह से हुईं। एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले दो दशकों में छात्रों की ओर से आत्महत्या के मामले 2001 में 5,425 से बढ़कर 2022 में 13,044 हो गए जिनमें से 7.6 प्रतिशत छात्र थे।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

स्कूल व बैंक के पास जलजमाव बनी परेशानी का कारण

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। दैनिक बाजार क्षेत्र में स्थित पीएमश्री राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय व भारतीय स्टेट बैंक परिसर के आसपास जलजमाव परेशानी का कारण बन गई है। लोगों का कहना है कि इस समस्या के समाधान को लेकर ध्यान आकृष्ट कराने के बाद भी स्थिति यथावत है। जलजमाव की वजह लोगों ने बारिश के पानी के प्रवाह के लिए नाली का निर्माण नहीं किया जाना बताया है। उन्होंने बताया कि बारिश का पानी वन विभाग और बाजार की ओर से बहता हुआ आकर बैंक और विद्यालय के आसपास जमा हो जाता है। इससे स्कूल और बैंक के साथ ही उत्तर दिशा के रिहायशी इलाके में भी आवागमन मुश्किल भरा बन गया है। पहले के वर्षों में कभी-कभार की बारिश का पानी सूख जाया करता था। लेकिन इस साल लगातार बारिश के कारण करीब एक माह से स्थाई रूप से जलजमाव हो गया। ऐसे स्थिति में लोगों को होने वाली परेशानी को सहज रूप से समझा जा सकता है।

कारगिल विजय दिवस पर पूर्व सैनिकों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करना मुख्य उद्देश्य : कर्नल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व सैनिक कार्यालय के प्रांगण में शनिवार को कारगिल विजय दिवस मनाईं गई। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एसडीओ ओम प्रकाश गुप्ता एवं विशिष्ठ अतिथि थाना सब इंस्पेक्टर एसएन शर्मा, कर्नल डॉ. संजय कुमार सिंह रेलवे इंस्पेक्टर राजेश कुमार मीना नगर पंचायत प्रबंधक राकेश कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित पुष्प अर्पित एवं वंदे मातरम के साथ वीर जांबाज शहिदों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को फूल माला एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही वीर नारी प्रेमलता कुंवर एवं मनोरमा कुंवर को भी मुख्य अतिथि द्वारा अंग वस्त्र देकर

सम्मानित किया गय। स्कूली बच्चों ने देश भक्ति गीत एवं अन्य कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर क्षेत्र के और कई वक्ताओं ने अपने विचार रखें और संगठन के साथ चलने का भरोसा दिलाया। संगठन के संरक्षक कर्नल डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि अभी इस कार्यालय से बहुत कुछ करना है। एक सैनिक के कार्यक्षमता को दिखाते हुए नवजवान बच्चों को प्रेरित करना है जो अपनी राह से भटक कर गुमराह हो रहे हैं, उन्हें मुख्य धारा से जोड़ना है। साथ ही उन्होंने कहा कि आज हमारे सीमाएं सुरक्षित है, तो धर्म है और जाती है। हमें इन सबसे ऊपर उठकर देश हित के बारे में सोचना होगा। ऑपरेशन सिन्दूर के द्वारा हमने पूरे विश्व से अपनी शक्ति का लोहा मनवाया है। कार्यक्रम में पूर्व सैनिक सुधीर कुमार सिंह, लेफ्टिनेंट प्रेमतोष प्रसाद, कैप्टन दुखन सिंह, सूबेदार सत्येंद्र ठाकुर,अशरफी पाल, रामटहल मेहता, दिलीप मेहता, यदुनंदन ठाकुर, गौरी शंकर ठाकुर, अक्षय सिंह, प्रसाद सिंह, राजेंद्र प्रसाद, सुरेश प्रसाद, लोको सिंह, गोरी शंकर ठाकुर, संगठन संरक्षक लोकनाथ केशरी, पूर्व शिक्षक जनेश्वर सिंह, राम प्रवेश सिंह, सुभाष कुमार मनोज कुमार सिंह डॉ. विनय कुमार, मनोज कुमार सिंह सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त, प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज अंचल पदाधिकारी मनीष कुमार सिन्हा ने बालू लाद कर जा रहे दो ट्रैक्टर को जब्त कर थाना को सुपुर्द कर दिया। सीओ और पुलिस को देखकर दोनों ट्रैक्टर चालक चाबी छोड़कर फरार हो गया। इस संबंध में हरिहरगंज थाना में प्राथमिकी कांड संख्या 95/2025 दर्ज की गई है। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि बगैर वैध कागजात व रजिस्ट्रेशन नंबर के ट्रैक्टर पर करीब 100 सीएफटी बालू का परिवहन किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि अवैध तरीके से बालू का उत्खनन तथा परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगा।

मोहम्मदगंज के पशु चिकित्सालय में टपक रहा बारिश का पानी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड परिसर स्थित प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय भवन कई समस्याओं से ग्रसित है। जो चिकित्सालय होते हुए भी खुद के बीमार होने का कारण बन गई है। अव्वल, तो जब से इसका निर्माण हुआ है, उसके बाद से एक बार भी उसकी मरम्मत की कौन कहे, रंगाई-पुताई भी नहीं हुई है। थोड़ी सी बारिश में छत टपकने लगता है। सीलिंग का प्लास्टर भी गिरने लगा है। यह स्थिति इस चिकित्सालय भवन के जर्जर हालत को बयां करती है। यह कहना गलत नहीं होगा। शौचालय की सुविधा तो है। लेकिन पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। बताया गया कि बिजली ऊर्जा के अभाव में फ्रीजर की व्यवस्था नहीं हुई है। इस कारण जरूरी दवाओं का भंडारण नहीं है। ऐसे में जरूरी दवाओं को लेकर पशुपालकों को बाजार अथवा अन्य दूसरे पशु चिकित्सालय पर निर्भर रहना पड़ता है। बिजली व्यवस्था के अभाव में रोशनी और पंखा की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे चिकित्साकर्मियों को होने वाली परेशानी सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। इस पशु चिकित्सालय की समस्याओं की फेहरिस्त में आश्चर्यजनक तथ्य तो यह है कि प्रखंड कार्यालय से कम दूरी पर स्थित होने के बावजूद इस तक पहुंच पथ का भी निर्माण नहीं हुआ है। इस वजह से बरसात में बीच रास्ते में जलजमाव की वजह से पशु चिकित्सालय तक सहज रूप से आवागमन मुश्किल हो जाता है।

देवी धाम हैदरनगर में महाआरती का आयोजन

सच्चे मन से पूजा करने से पूरी होती है मनोकामना

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रसिद्ध देवी धाम हैदरनगर में पारंपरिक रुप से भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होकर मां भगवती की पूजा अर्चना का आशीर्वाद प्राप्त किया है। इस मौके पर मालाकार निलेश कुमार ने मंदिर को आकर्षक ढंग से फूलमाला से सजावट की। इसी बीच मां भगवती से आधारित महिला श्रद्धालुओं ने भजन, संगीत गायन कर भक्तिमय माहौल बनाया। यहां महाआरती में सैकड़ों श्रद्धालु शमिल होकर मां भगवती से कष्ट निवारण की मिन्नतें भी करते आएं हैं। इसमें हैदरनगर शहर के श्रद्धालु विजय जयसवाल के पुत्र विवेक कुमार ने सपत्नी महाआरती में भाग लिया। मौके पर पं. सत्येन्द्र दुबे ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधि विधान से यजमान को पूजा अर्चना कराई। इस आयोजन को सफल बनाने में मंजीत बाबा का काफी सहरानीय योगदान रहा है। पं. सत्येन्द्र दुबे का कहना है कि जो श्रद्धालु सच्चे मन से पूजा अर्चना मां भगवती को करते हैं। उनकी मनोकामना पूर्ण होती है। प्रत्येक शुक्रवार को महाआरती के आयोजन के लिए यजमान की लाइन लगी रहती है। उन्हे प्राथमिकता के आधार पर मौका दी जाती है।

इस आयोजन में कौशलेंद्र कुमार सिंह उर्फ रिंकू सिंह, अंकित अग्रवाल, दिलीप जयसवाल, अशोक कुमार गुप्ता, संध्या देवी, प्रीति कुमारी सहित काफी संख्या में महिला शामिल हुए।

उर्दवार उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शिक्षकों की कमी, पठन-पाठन का कार्य प्रभावित

संजय ओझा

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड के उर्दवार-मंजुराहा पंचायत के उर्दवार उत्क्रमित मध्य विद्यालय मे शिक्षकों की कमी के कारण छात्रों का पठन-पाठन का कार्य प्रभावित हो रहा है।वहीं विषय वार शिक्षक नहीं रहने से भी छात्रों की स्थिति काफी दयनीय हो गई है। उक्त विद्यालय में एक से लेकर आठवीं कक्षा तक की पढाई होती हैं। इसमें छात्रों की कुल संख्या 148 हैं। इसके लिए शिक्षकों का छह पद स्वीकृत है। जबकि कार्यरत शिक्षकों की संख्या मात्र दो ही है। यहां आने वाले बच्चे अधूरा ज्ञान प्राप्त कर घर लौटने को मजबूर हैं। छात्राओं ने बताया कि वे लोग दूर दराज से विद्यालय पहुंचते हैं, लेकिन यहां पर कई विषयों के शिक्षक नहीं होने के कारण उन्हें समय काटकर घर लौटने को विवश होना पड़ रहा है।

एक शिक्षक को लेना पड़ रहा हैं छह क्लास

इस विद्यालय में वर्तमान में शिक्षकों की घोर कमी है। जिसके कारण परेशानी और बढ़ गई है। यहां तक जरूरत के अनुसार कई विषयों के एक भी शिक्षक नहीं हैं। ऐसे में सभी विषयों की पढाई की बात तो दूर एमडीएम लाने या अन्य कार्यो से एक शिक्षक के बाहर चले जाने पर विद्यालय में केवल बैठकर बच्चे घर आ जाते है। उन्हें स्कूल के बजाय निजी ट्यूशन पर ज्यादा भरोसा करना पड़ रहा है। शिक्षकों की कमी दूर करने की कोशिश की जाएगी। इस मामले में वरीय अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। वैसे विद्यालय के वर्तमान शिक्षकों के द्वारा पठन- पाठन संचालित किया जा रहा है। इसके लिए बच्चों की पढ़ाई में किसी भी प्रकार की कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी।

कृष्णकांत कुमार सिंह, प्रधानाध्यापक

आने वाले दिनों में जांच परीक्षा होनेवाली है, जिसकी तैयारी अब तक शुरू भी नहीं हो पाई है। अगर और कुछ दिन ऐसा ही रहा तो इसका सीधा असर उनके रिजल्ट पर पड़ेगा।

हुसैनाबाद क्षेत्र में चल रहे हैं कई अवैध क्लीनिक, जांच के नाम पर खानापूर्ति

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल क्षेत्र में कई झोला छाप डॉक्टर क्लीनिक खोलकर मरीजों के जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। झोला छाप डॉक्टर के चलते कई मरीज काल के गाल में समा चुके हैं। वहीं कई मुन्ना भाई एमबीबीएस क्लिनिक खोल कर कई रोगों के विशेषज्ञ का बोर्ड लगाए हुए है। ताकि कोई मरीज आसानी से झांसे में आ जाए, कई क्लीनिकों में जिन डॉक्टरों का नाम अंकित रहता है, शायद ही कोई डॉक्टर इस क्लीनिक में झांकने आते हो। वहीं कई ऐसे भी क्लीनिक है, जहां बिना लाइसेंस के भारी मात्रा में दवा रहती है। जो बेखौफ होकर मरीजों को दवा देते है, वहीं इस क्षेत्र में फर्जी महिला व पुरूष चिकित्सक भी अपने अपने क्लीनिकों के सामने विशेषज्ञ का बोर्ड लगाकर अपने क्लीनिकों में नॉर्मल डिलेवरी से ऑपरेशन तक करने से गुरेज नहीं करती। जानकारों की बातें माने तो कुछ स्वास्थ्य सहियों की साठगांठ कई क्लीनिकों से रहता है। जिस गर्भवती महिलाओं को अनुमंडलीय अस्पताल से रेफर कर दिया जाता है, उसके परिजनों को बहला फुसलाकर संबंधित क्लीनिकों में प्रसव के लिऐ भेज दिया जाता है।

मरीजों पर करते हैं नए-नए प्रयोग

झोला छाप डॉक्टर फोड़ा फुंसी या सर दर्द जैसी बीमारी के लिये भी अधिकृत नहीं है। लेकिन यह मुन्नाभाई एमबीबीएस मलेरिया, बुखार, खांसी, ड्रिप चढ़ाने, घायलों को पट्टी, टांके लगाने का काम तो उनके यहां रहने वाले स्टॉफ भी करते हैं, वही कई झोला छाप चिकित्सक मरीजों के ऊपर नए-नए प्रयोग इनके द्वारा किया जाता है। जिला से स्वास्थ विभाग की टीम पहुंचने के पूर्व लोगों को जानकारी मिल जाती है, वैसे लोग अपनी अपनी क्लीनिकों के सामने से लगा बोर्ड हटा देते हैं।

स्वास्थ्य विभाग टीम का रेट रहता है फिक्स

सूत्रों का कहना है की स्वास्थ्य विभाग टीम वहां नहीं जाती। जहां से एक बांधी बंधाई रकम फिक्सि हो, कुछ माह पूर्व लोगों की शिकायत पर तीन क्लिनिक में स्वास्थ्य उपाधीक्षक डॉ. विनेश कुमार, अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार, डॉक्टर शशि भूषण ने कार्रवाई कर इस क्लीनिक को सील कर दिया था। लेकिन पैसा और पैरवी के बल पर फिर से सभी क्लिनिक खुल गया। स्वास्थ्य उपाधीक्षक डॉ. विनेश कुमार ने चार दिन पूर्व एक बैठक में कहा था कि क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों और अस्पतालों पर कार्रवाई की जाएगी। अब देखना है की इस बार स्वास्थ्य विभाग की टीम कोई ठोस कार्रवाई करती है। या इनका आदेश सिर्फ कागजों में सिमट कर रह जाएगा। हुसैनाबाद की जनता ने अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद से मांग की है कि अनुमंडल क्षेत्र में चल रहे अवैध क्लीनिकों और अस्पतालों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करें, ताकि गरीब मरीजों का आर्थिक दोहन व जान के साथ खिलवाड़ ना हो सकें।

सिंचाई कॉलोनी रेल फाटक से भारी वाहनों का आवागमन शुरू

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्थानीय सिंचाई कॉलोनी रोड के सील किए गए रेल फाटक संख्या-50(ए) से भारी वाहनों के आवागमन की एक बार फिर से अनुमति मिल गई। इस मामले में राष्ट्रीय नवीन मेल में गत दिन सिंचाई कॉलोनी की ओर जाने वाले रेल फाटक बंद, बड़े व भारी वाहनों का आवागमन हो गया बाधित शीर्षक से प्रकाशित खबर का असर बताया गया। साथ ही बताया इस गया कि इस फाटक के स्थाई रूप से बंद करने की जानकारी मिलने पर उपायुक्त की इस मामले में पहल के कारण इससे भारी वाहनों के आवागमन की अनुमति मिल गई। दरअसल, सिंचाई कॉलनी परिसर में ही सरकारी खाद्यान्न गोदाम सहित प्रखंड सह अंचल कार्यालय, विद्युत सब स्टेशन, थाना, बराज प्रमंडल कार्यालय, सीएचसी, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, एनकेपी हाई स्कूल, पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण पर्वतीय निरीक्षण भवन सहित मोहम्मदगंज-महुडंड मुख्य मार्ग पर स्थित दर्जन भर पठारी गांव तक इसी रेल फाटक से आवागमन का माध्यम था। लेकिन अंडरपास ब्रिज बनने के बाद इस गेट से विशेष परिस्थिति में ही बड़े व भारी वाहनों के आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है। जिसे भी सील कर दिया गया था। इससे खासकर, सरकारी गोदाम तक खाद्यान्न ढुलाई के आगे भारी मुश्किल खड़ी हो गई थी। प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी नौशाद आलम ने बताया कि उपायुक्त को इस संबंध में दी गई जानकारी के बाद इस फाटक से भारी वाहन के आवागमन की अनुमति मिलने के साथ ही इस रोड के गड्डों को भी भरकर सरपट भी बना दिया गया। मगर सुविधा अस्थाई है। ऐसे में बड़े और भारी वाहनों के आवागमन के योग्य अंडरपास ब्रिज अथवा ओवरब्रिज निर्माण ही स्थाई विकल्प हो सकता है।

राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार में छपी खबर का दिखा असर

बीडब्ल्यूसी प्रेमतोष 21 सालों से जा रहे बाबा नगरी

मोहम्मदगंज। ब्लॉक वाश कॉर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय ने इस श्रावण मास में अनियमित रूप से 21 वें वर्ष बैजनाथ धाम (देवघर) की यात्रा सपत्नीक पूरी की। उन्होंने बताया कि भोलेनाथ से की गई मन्नत के बाद भाई को पुत्र रत्न की प्राप्ति होने के साथ पहली बार श्रावण मास में बैजनाथ धाम की यात्रा शुरू कर दी थी। जिसका अनियमित रूप से 21वां साल इस वर्ष पूरा कर दिए। पत्नी के साथ उनकी यह पहली यात्रा थी। उन्होंने कहा कि सावन के पवित्र माह में भगवान शिव के प्रति आस्था के प्रकटीकरण के साथ ही प्राकृतिक के रंग-रूप और पैदल चालन के अनुभव से अगली पीढ़ी को संस्कारवान बनाना उनकी इस यात्रा का उद्देश्य है।

पलामू का 'मलय डैम' बना पर्यटन का नया केंद्र

सतबरवा। अगर आप पहाड़, पानी और हरियाली की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो आपको दूर दार्जिलिंग या मनाली जाने की जरूरत नहीं – झारखंड के पलामू जिले में बसा मलय डैम अब लोगों के बीच छोटा दार्जिलिंग के नाम जैसा मशहूर होता दिखाई दे रहा है। चारों ओर फैले हरयाली, पहाड़ों के बीच बहता निर्मल पानी, बोटिंग की सुविधा और ठंडी हवा–यह सब कुछ मलय डैम को झारखंड का नया हॉट टूरिज्म डेस्टिनेशन बना रहा है। पर्यटकों के लिए यहां 6 पैडल बोट और 10 मोटर बोट उपलब्ध हैं। मोटर बोट राइडः 100 प्रति व्यक्तिपैडल बोट राइडः 50 प्रति व्यक्ति सभी यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट अनिवार्य है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर खास ध्यान दिया गया है।मेदिनीनगर से दूरीः 30 किमीतुंबागड़ा से दूरीः 2 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग 39 से सीधी कनेक्टिविटी है इस डैम का निर्माण 1970 के दशक में शुरू हुआ था और आज यह सिर्फ सिंचाई ही नहीं, पर्यटन में भी अहम भूमिका निभा रहा है। सदर, सतबरवा और लेस्लीगंज के 105 गांवों की सिंचाई भी इसी डैम से होती है।

त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघर्ष मोर्चा का धरना

पंचायत प्रतिनिधियों को उनका हक वापस दे सरकार : विजय

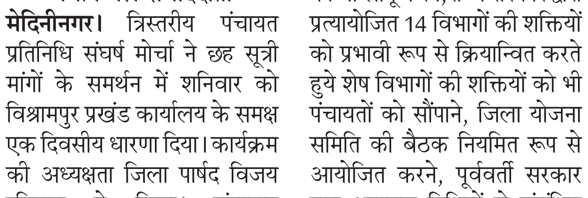

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघर्ष मोर्चा ने छह सूत्री मांगों के समर्थन में शनिवार को विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धारणा दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पार्षद विजय रविदास ने किया। संचालन रविशंकर चौबे ने किया। जिला पार्षद विजय रविदास ने कहा कि पूर्व की रघुवर सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों का हक मारकर उनकी शक्तियों को कम किया था। जिसका सीधा असर ग्राम पंचायतों के विकास पर पड़ा। वर्तमान राज्य सरकार त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को उनका हक वापस दें,ताकि ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम पर है। नाराज पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रखंड कार्यालय के मुख्य द्वार को जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। मोर्चा के प्रमुख मांगों में केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 की 15वीं वित्त आयोग की बकाया राशि का अविलंब भुगतान करने,राज्य वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित राशि का शीघ्र भुगतान करते हुये अन्य अनुशंसाओं को भी लागू करने,राज्य सरकार द्वारा प्रत्यायोजित 14 विभागों की शक्तियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करते हुये शेष विभागों की शक्तियों को भी पंचायतों को सौंपाने, जिला योजना समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने, पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अनाबद्ध निधियों से संबंधित लिए गए गलत निर्णय को रद्द करने, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को केरल राज्य की तर्ज पर मानदेय प्रदान करने,वार्ड सदस्यों को प्रत्येक सरकारी योजना का लाभ देने और पंचायती प्रतिनिधियों को सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना बीमा का लाभ देना शामिल है। मौके पर प्रमुख रम्भा कुमारी, उप प्रमुख सतेंद्र नारायण सिंह,मुखिया संघ के अध्यक्ष रोहित तिवारी, मुखिया मंजू देवी,अंजू देवी, संजू चौबे,रंभा मिश्रा, किरण देवी, रोशिला देवी, धर्मेंद्र चौधरी, पंसस सूरजमल राम, दयाल विश्वकर्मा, प्रेमलाल पासवान, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी, समाजसेवी गोपाल राम, मनीष गुप्ता, प्रवीण मिश्रा, किशोर कुमार, पंकज सिंह, ओम प्रकाश पांडेय, गुड्डू सहित कई पंचायत प्रतिनिधि व स्थानीय लोग मौजूद थे।

मलय डैम से नहर में आया पानी, धनरोपनी शुरू

सतबरवा। सतबरवा प्रखंड एवं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में मलय डैम का फाटक खुलते ही खेतों में हरियाली की उमंग लौट आई है। नहरों में पानी पहुंचते ही किसान धान की रोपाई में पूरी तरह जुट गए हैं। खेतों में ट्रैक्टर की गड़गड़ाहट और हल-बैलों की चाल से इलाके की फिजा एक बार फिर मेहनत और उम्मीदों से भर गई है। किसानों की मानें तो इस बार मानसून की मेहरबानी से खेतों में समय पर पानी मिल गया है, जिससे रोपाई का कार्य जोरों पर है। किसान अपने-अपने संसाधनों के अनुसार खेत तैयार कर रहे हैं। कहीं ट्रैक्टर की मदद ली जा रही है तो कहीं परंपरागत बैल और हल के सहारे खेत जोते जा रहे हैं। इस मेहनत के बीच खेतों की हरियाली और किसानों के चेहरों की मुस्कान यह संकेत दे रही है कि आने वाली फसल अच्छी होने की उम्मीद है।

उदासीनता

प्रचार-प्रसार के अभाव में राजस्व शिविर में नहीं पहुंचे स्थानीय लोग

अंचल की उदासीनता के कारण जवाहर पथ से नहीं हटा अतिक्रमण

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रशासनिक दिशा निर्देश के तहत हैदरनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित बाजार क्षेत्र के शुक्रबाजार मुहल्ले में हैदरनगर पूर्वी पुराना पंचायत सचिवालय में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इससे पूर्व अधिकांश लोगों को उपस्थिति सुनिश्चित कराने को लेकर कोई प्रचार प्रसार किसी भी स्तर से नहीं कराई गई। इससे स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी और उदासीनता है। लोगों का मानना है कि इस शिविर में उनकी समस्या को निपटारे की आंतरिक चाहत ही नहीं है। सामाजिक युवा कार्यकर्ता अंकू सिंह राणा ने कहा कि ग्रामीणों का सब काम शिविर में ही हो जाए,

तो अंचल में पारंपरिक रुप में की जा रही चढ़ावा को कौन पूरा करेगा। हालांकि इस शिविर में उपसमाहर्ता गौरांग महतो की उपस्थिति में अंचल अधिकारी संतोष कुमार, अंचल निरीक्षक सुनील कुमार भी शामिल थे। इसके बावजूद इस शिविर ने लंबित मामलों के दर्जन भर लोगों को मोबाइल से कॉल कर उपस्थिति भी दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि इस शिविर आयोजन की खानापूर्ति कर जिला प्रशासन को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी अंचल में बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया विगत छह वर्ष पूर्व से ही चल रही है। किंतु अब तक इस अभियान में दस प्रतिशत भी जनहित में अंचल को सफलता नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि अंचल से संबंधित अधिकारी और कर्मियों में निष्पक्ष और निर्वाद्ध कार्य करने की न तो जज्बा है और न ही लगन। अतिक्रमणकारियों के बजाय संबंधित अधिकारी ही वारा न्यारा कर टाल मटोल करती रही है। प्रथम चरण में बाजार क्षेत्र के जवाहर पथ में तीन माह ही पूर्व ही शुरू किए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान को भी अंतिम रुप नहीं दिया गया। जिससे स्थानीय लोगों में अंचल प्रशासन के प्रति रोष है।

नाम परिवर्तन को बताया राष्ट्रनायकों का अपमान, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ की नारेबाजी

"अटल क्लिनिक" का नाम बदलने के विरोध में भाजयुमो का प्रदर्शन, पुतला दहन कर जताया आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार द्वारा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्थापित "अटल क्लिनिक" का नाम बदलकर "मदर टेरेसा क्लिनिक" किए जाने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) पलामू ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। गीता भवन से पैदल मार्च निकालकर छवमुहान चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया।

भाजयुमो के जिला अध्यक्ष विपुल गुप्ता ने इस निर्णय को तुष्टिकरण की राजनीति करार देते हुए कहा कि यह बहुसंख्यक समाज के आत्मसम्मान और राष्ट्रनिर्माताओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यदि चाहते तो मदर टेरेसा के नाम से अलग क्लिनिक या योजना शुरू कर सकते थे, परंतु उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसे व्यक्तित्व का नाम हटाकर जनभावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

पुतला दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रमुख रूप से परशुराम ओझा, नरेंद्र पांडे, मंगल सिंह, उदय शुक्ला, दुर्गा जौहरी, अभिमन्यु तिवारी, रीना किशोर, ज्योति पांडे, शिवकुमार मिश्र, सोमेश सिंह, प्रदीप सिंह, श्याम चौधरी, ओमप्रकाश पप्पू, जितेंद्र तिवारी, श्रवण गुप्ता, सतीश पासवान, विश्वजीत पाठक, सत्यवान तिवारी, मनीष पांडे, आनंद कुमार, अजीत तिवारी, अभिषेक सिंह, दीपक कुमार, सौरभ किशोर, प्रकाश राय, अमिताभ मिश्रा, अजय सिंह, वेद प्रकाश सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर डीसी ने की बैठक, पुलिस लाइन स्टेडियम में होगा मुख्य समारोह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागों के पदाधिकारियों को 15 अगस्त को धूमधाम व गरिमामयी तरीके से आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने बताया कि मुख्य समारोह का आयोजन प्रातः 9:05 बजे पुलिस लाइन स्टेडियम में होगा, जिसमें अर्धसैनिक बलों की विभिन्न टुकड़ियां परेड में भाग लेंगी। परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टुकड़ियों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर नगर निगम, प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय, समाहरणालय, जिला परिषद, रेड क्रॉस भवन समेत सभी कार्यालयों में झंडोत्तोलन किया जाएगा। 14 अगस्त की शाम टाउन हॉल में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। समारोह की तैयारियों के तहत स्टेडियम में व्यापक साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, मेडिकल टीम की तैनाती, और शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर स्थापित मूर्तियों की साफ-सफाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही 15 अगस्त को जिले में मांस व शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी। बैठक में उप विकास आयुक्त, एएसपी, सदर एसडीएम, सहायक समाहर्ता सहित कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

एमकेडीएवी में संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता का समापन, डालटनगंज विजेता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल, डालटेनगंज में दो दिवसीय संभाग स्तरीय डीएवी खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में झारखंड के 7 जिलों के 10 विद्यालयों से 265 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कराटे, ताइक्वांडो, कुश्ती, बॉक्सिंग और भारोत्तोलन में प्रदर्शन किया। एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल, डालटेनगंज ने 90 अंक प्राप्त कर ओवरऑल चैंपियनशिप जीती, जबकि बीपीडीएवी पब्लिक स्कूल, गढ़वा ने 65 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसे स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) से मान्यता प्राप्त है। इस मान्यता के आधार पर खिलाड़ियों को शिक्षा और रोजगार में आरक्षण का लाभ मिलता है। समापन समारोह में उपाध्यक्ष, स्थानीय प्रबंधन समिति ने विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण-पत्र प्रदान किया। उन्होंने कहा कि छात्र खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं और भविष्य में इनमें से कुछ खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं में तैयारी के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अनुशासन और खेल भावना की सराहना की। समारोह में प्रबंधन समिति के सदस्य, डीएवी पब्लिक स्कूल सिमडेगा के पर्यवेक्षक प्राचार्य सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि : हजारों छात्रों ने निकाली मार्च, वीर जवानों को किया नमन

- झारखंड स्टेट स्कूल एसोसिएशन के बैनर तले नगर भवन से पुलिस लाइन तक तिरंगा रैली
- शिक्षकों और शहीद परिवार को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को झारखंड स्टेट स्कूल एसोसिएशन की ओर से मेदिनीनगर में विशाल श्रद्धांजलि मार्च का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे नगर भवन टाउन हॉल से प्रारंभ हुई इस रैली में हजारों स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और शहीद जवानों के सम्मान में पूरे शहर में तिरंगा मार्च निकाला। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा नगर गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएशन के अध्यक्ष अविनाश देव, संरक्षक रामाकांत मेहता, सचिव गिरीश कुमार, कोषाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, वरीय उपाध्यक्ष आफताब आलम, सह सचिव राजीव गोयल, उपाध्यक्ष नंदकिशोर भारती, सेंट पॉल एकेडमी रेहला के प्राचार्य साइमन मैथ्यू एश्ले, ओरिएंट पब्लिक स्कूल के निदेशक सुधीर मेहता, समाजसेवी ललन प्रजापति समेत अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से तिरंगा दिखाकर किया।

मार्च नगर भवन से चलकर सद्दीक मंजिल चौक, लता मंगेशकर चौक, शहीद चौक, राजेंद्र प्रसाद चौक, भगत सिंह चौक, भारत माता चौक होते हुए पुलिस लाइन स्टेडियम पहुंचा, जहां श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष अविनाश देव ने कहा कि कारगिल युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तान की कायराना घुसपैठ का मुंहतोड़ जवाब दिया। यह दिवस हमें देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों की याद दिलाता है। ट्रैफिक प्रभारी श्यामल अहमद ने कहा कि दुश्मन की योजना थी कि कारगिल के ऊंचे इलाकों पर कब्जा कर भारत की सामरिक कड़ी को तोड़ा जाए, लेकिन भारतीय सैनिकों ने उनकी एक न चलने दी।

संरक्षक रामाकांत मेहता ने कहा कि यह दिन वीरों को नमन करने का है, जिनकी वजह से हम स्वतंत्र और सुरक्षित हैं। भूतपूर्व सैनिक बृजेश शुक्ला ने भी युद्ध के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को एसोसिएशन द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा पलामू के शहीद जवान युगंबर दीक्षित के पुत्र युद्ध जीत दीक्षित को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में द कराटे एकेडमी के छात्रों ने आत्मरक्षा की विभिन्न कलाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षकगण, पूर्व सैनिक व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, जिनमें पूनम तिवारी, रीता सिन्हा, काजल कुमारी, अर्चना पांडेय, अनु दूबे, प्रिया दूबे, सिमरन कौर, रोहित कुमार, पूजा गुप्ता, आकाश कुमार, स्नेह सुरभि, साक्षी पांडेय, निभा कुमारी, स्वर्णा तिवारी आदि शामिल थे।

न्यूज बॉक्स

एनपीयू पीजी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा संपन्न

मेदिनीनगर। नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय (एनपीयू) द्वारा आयोजित पीजी सत्र 2023–25 की द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो गई। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा की गई कड़ी निगरानी व्यवस्था के कारण परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अनुचित गतिविधि की कोई सूचना नहीं मिली। परीक्षा सभी निर्धारित केंद्रों पर शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई। परीक्षार्थियों ने पूर्ण अनुशासन के साथ सभी विषयों की परीक्षाएं दीं। विश्वविद्यालय अब समयबद्ध मूल्यांकन प्रक्रिया की तैयारी में जुट गया है। परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे विद्यार्थियों को जल्द ही राहत मिलने की संभावना है। परीक्षा ओएसडी डॉ. गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि परिणाम शीघ्र ही प्रकाशित किए जाएंगे, ताकि स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों का शैक्षणिक सत्र नियमित रूप से संचालित हो सके। उन्होंने कहा कि परीक्षा विभाग लगातार प्रयासरत है कि आगामी सत्र के लिए विद्यार्थियों का नामांकन समय पर शुरू हो सके।

हेलमेट, लाइसेंस व नो एंट्री उल्लंघन पर कार्रवाई

मेदिनीनगर। कचहरी चौक के पास शुक्रवार को परिवहन विभाग और पुलिस की ओर से संयुक्त रूप से वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले कई वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान दोपहिया वाहनों की जांच में 11 चालकों को बिना हेलमेट व लाइसेंस पकड़ा गया। इनमें कुछ ट्रिपल लोडिंग कर रहे थे। एक मोटरसाइकिल चालक शराब के नशे में वाहन चला रहा था, जिसे ब्रेथ एनालाइजर से जांच कर पकड़ा गया। वहीं, 3 ई-रिक्शा चालकों के पास लाइसेंस नहीं था और कुछ चालक जबरन सड़क के बीच टेंपो खड़ा कर सवारी बैठा रहे थे। इसके अलावा एक ट्रक को नो एंट्री जोन में पकड़ा गया, जिसे दो नंबर टीओपी, शहर में रोका गया। सभी जप्त वाहनों को शहर थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है और चालान की प्रक्रिया के लिए जिला परिवहन कार्यालय, पलामू भेजा गया है। जिला परिवहन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 जुलाई 2025 को कुल 12,500 का चालान फाइन काटा गया है। इसमें 3 दोपहिया मोटरसाइकिलों पर 3450, 5 ई-रिक्शा सवारी वाहनों पर 6750 और 2 टेंपो सवारी वाहनों पर 2300 का जुर्माना शामिल है।

वार्ड 6 के लोगों ने आहर से पानी निकास की लगाई गुहार

मेदिनीनगर। निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 6 में क्रिसेंट स्कूल की गली में स्थित आहार में पानी भर जाने के कारण आवागमन बाधित हो गया है। इस तालाब से लगे सड़क पर कई फीट पानी भरा हुआ है। जिससे लोग इस रास्ते का प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। बताते चलें कि बीते कई वर्षों से बारिश नहीं होने से इस तालाब में अधिक पानी नहीं होता था, परंतु इस वर्ष जमकर बारिश होने से यह तालाब पूरी तरह लबालब भर गया है। बताते चलें कि पूर्व में इस आहार के पानी का निकासी इससे लगे खेतों में होता था, परंतु उन खेतों में कई घरों का निर्माण होने के बाद आहर से पानी की निकासी संभव नहीं हो पा रही है। सड़क पर पानी भर जाने के कारण इस क्षेत्र में रहने वाले लोग दूसरे रास्ते से मुख्य पथ पर जा रहे हैं। वहीं लगातार बारिश होने पर आहार का पानी घरों तक भी पहुंच जाता है जिससे लोग अपने घर से नहीं निकल पाते। लोग आहार में पानी भरने से खेल-खेल में बच्चों को लेकर होने वाली दुर्घटना से भी आशंकित हैं। इसे लेकर इस मोहल्ले में रहने वाले दिलीप शुक्ला समेत अन्य लोगों ने लोगों ने नगर निगम से उचित व्यवस्था कर आहार के पानी के निकास हेतु गुहार लगाई है।

कृत्रिम गभार्धान कार्यकर्ताओं का एकमुश्त मानदेय का होगा भुगतान

मेदिनीनगर। जेएसआईए के तहत पशुपालन विभाग में अपनी सेवा दे रहे हैं संविदा कर्मियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 का एकमुश्त मानदेय का भुगतान जल्द ही किया जाएगा। बताते चलें कि जिले में करीब डेढ़ सौ एआई कर्मी कार्यरत है जो गाय एवं भैंस के कृत्रिम गभार्धान समिति अन्य कार्य में सहयोग करते हैं। इनमें करीब 115 एक्टिव कर्मियों को अप्रैल 2024 से लेकर मार्च 2025 तक पूरे वर्ष का भुगतान किया जा रहा है। इन्हें एक महीने में मानदेय के रूप में 1500 रुपए दिए जाते हैं। एआई कर्मियों द्वारा अपने द्वारा किए गए कृत्रिम गभार्धान, वैक्सीनेशन सहित अन्य कार्यों का लेखा भारत पशुधन ऐप पर अपलोड करना होता है। जिसके आधार पर उन्हें मानदेय का भुगतान किया जाता है। बताते चलें कि इन 115 कर्मियों का बीते एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी भुगतान नहीं हुआ था। जिसके बाद कर्मियों ने कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की से मुलाकात कर भुगतान करने की मांग की थी। मंत्री के आदेश पर विभाग द्वारा इन कर्मियों के मानदेय भुगतान हेतु 13,96,500 रुपए जिले को प्राप्त हुआ। जिला पशुपालन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार तक संबंधित कर्मियों के खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। कर्मियों ने भुगतान हेतु मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

लोक अदालत में 82 मामलों का निपटारा 31 लाख से अधिक की राशि का सेटलमेंट

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडेय के निर्देश पर आयोजित इस अदालत में सुलह-समझौते के आधार पर कुल 82 मामलों का निपटारा किया गया, जिसमें 31 लाख एक हजार 360 रुपये की राशि सेटल हुई। लोक अदालत में मामलों के शीघ्र निस्तारण हेतु कुल 10 पीठों का गठन किया गया था। पीठ संख्या एक में कुटुंब न्यायालय से जुड़े मामलों का निस्तारण प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार दास एवं अधिवक्ता वीणा मिश्रा द्वारा किया गया। पीठ संख्या दो में एमएसीटी समेत जिला एवं सत्र न्यायालय के लंबित मामलों की सुनवाई डीजे-6 राजकुमार मिश्रा व एलएडीसी चीफ अमिताभ चंद्र सिंह द्वारा की गई। इसमें चार मामलों का निपटारा कर 20 लाख 30 हजार रुपये का सेटलमेंट किया गया। पीठ संख्या तीन में विद्युत विभाग के 26 मामलों का निष्पादन जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम अखिलेश कुमार व डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने किया। इससे तीन लाख 12 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। पीठ संख्या चार में एसीजेएम सुशीला सोरेंग एवं अधिवक्ता सतीश कुमार दुबे ने 32 आपराधिक मामलों का निपटारा किया, जिसमें दो लाख 10 हजार 800 रुपये की राशि सेटल की गई।

पीठ संख्या पांच में सिविल जज सीनियर डिवीजन निशिकांत एवं अधिवक्ता कुमार शिवाजी सिंह ने, जबकि पीठ संख्या छह में सिविल जज जूनियर डिवीजन निर्भय प्रकाश एवं अधिवक्ता वीर विक्रम वक्स राय ने अपने-अपने न्यायालयों से संबंधित मामलों का निपटारा किया। एनआई एक्ट से जुड़े मामलों की सुनवाई पीठ संख्या सात में जेएम रोजलिना बारा एवं अधिवक्ता संतोष तिवारी ने की। रेलवे कोर्ट के 10 मामलों का निस्तारण पीठ संख्या आठ में रेलवे जेएम प्रज्ञेष निगम एवं अधिवक्ता संजय कुमार सिन्हा ने किया, जिससे 4 हजार 300 रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। पीठ संख्या नौ में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता एवं सदस्य महिमा श्रीवास्तव ने प्री-लिटिगेशन से संबंधित 10 मामलों का निस्तारण किया। पीठ संख्या दस में सदर एसडीएम सुलोचना मीना एवं अधिवक्ता नीतू सिंह ने राजस्व और निष्पादन मामलों की सुनवाई की। लोक अदालत में वादकारियों की सहायता हेतु एक हेल्प डेस्क की भी स्थापना की गई थी, जिसमें अधिवक्ता पुष्कर राज एवंयू पी.एल.वी. (पैरा लीगल वॉलंटियर) कृपा शंकर दुबे ने मदद प्रदान की। इस अवसर पर आधार कार्ड बनवाने और सुधार से संबंधित एक विशेष स्टॉल भी लगाया गया था। वहां वात्सल्यधाम में रह रहे बच्चों के आधार कार्ड बनाए गए, वहीं आम नागरिकों के कार्ड में संशोधन भी किया गया। लोगों ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आधार से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान हो गया।लोक अदालत में वन विभाग, उत्पाद विभाग, टेलीफोन विभाग के अधिकारी, अधिवक्ता और बड़ी संख्या में वादकारी उपस्थित थे।

उन्नति योजना के तहत रामगढ़ प्रखंड में 4 अगस्त को विशेष शिविर

मेदिनीनगर। उन्नति दूरस्थ आदिवासी योजना के तहत पलामू जिला प्रशासन द्वारा 4 अगस्त को रामगढ़ प्रखंड के उलडंडा और नवाडीह पंचायतों में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में पीवीटीजी समूह के लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। उपायुक्त समीरा एस ने पीवीटीजी समुदाय के सभी लाभुकों से अपील की है कि वे शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसका लाभ उठाएं। संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे शिविर का सफल आयोजन सुनिश्चित करें और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से करें। शिविर में आधार कार्ड, जॉब कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता, जन्म प्रमाण पत्र, आयुष्मान भारत कार्ड, उज्ज्वला योजना, आवास योजना, जाति/निवास प्रमाण पत्र, वन पट्टा, टीकाकरण, लैंड होल्डिंग सर्टिफिकेट आदि से जुड़ी योजनाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे। गौरतलब है कि लाभुकों की पहचान और सर्वे का कार्य पहले ही संपन्न किया जा चुका है।

सिविल सर्जन ने किया चैनपुर क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण

- कमियों को दूर करने का निर्देश, बेहतर कार्यों की सराहना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सिविल सर्जन अनिल कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को चैनपुर प्रखंड के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नरसिंहपुर पथरा, आयुष्मान आरोग्य केंद्र महूगांवा, आयुष्मान आरोग्य केंद्र बभनडी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने संबंधित संस्थानों में पाई गई कमियों को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चैनपुर को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई, दवा भंडारण, मरीजों की सुविधा तथा चिकित्सकों की उपस्थिति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की।

सिविल सर्जन ने जहां खामियों को दूर करने की बात कही, वहीं जिन क्षेत्रों में स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा था, उनकी सराहना भी की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए समय-समय पर इस तरह के निरीक्षण जारी रहेंगे।

लापरवाही | न जांच न कार्रवाई, बच्चों की सुरक्षा से कोई मतलब नहीं परिवहन विभाग को

बिना फिटनेस और इंश्योरेंस के सड़कों पर बेखौफ दौड़ रही स्कूली बसें

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए नियमों को ताक पर रखते हुए कई स्कूल की बसें मेदिनीनगर की सड़कों पर फरार्टा भर रही हैं। जिम्मेदार अधिकारी द्वारा स्कूली वाहनों का चालान नहीं होने से निजी स्कूलों की मनमानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को विभिन्न स्कूलों की छुट्टी होते ही कई वर्षों की पड़ताल में अराजकता खोलकर सामने आई। हैरत की बात यह है कि जिला परिवहन विभाग द्वारा कभी भी स्कूली वाहनों की जांच हेतु कोई कार्रवाई नहीं की जाती, जिस कारण उनका मनोबल बढ़ा हुआ रहता है। शहर के निजी विद्यालय छात्रों से पढ़ाई के एवज में मोटी रकम वसूलते हैं परंतु इसके बदले जब सुविधा देने की बारी आती है तो इससे पीछे हट जाते हैं।

केस-1 : शहरी क्षेत्र के पोखराहा स्थित ओरिएंट पब्लिक स्कूल की बस(जेएच 03डब्लू 5468) का इंश्योरेंस 2023 के सितंबर महीने में ही खत्म हो चुका है। परंतु उससे सड़कों पर बिना किसी खौफ के छात्रों को ढोने के काम लाया जा रहा है।

केस-2: सदर प्रखंड के जमुने स्थित माता द्रौपदी नामधारी गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल की बस (जेएच 09एफ 7502) का 2024 के नवंबर महीने में ही पॉलिसी एक्सपायर हो चुकी है। इस वर्ष का रजिस्ट्रेशन भी 2006 का है। नियम के मुताबिक 15 वर्ष से अधिक की रजिस्ट्रेशन की बसों का इस्तेमाल स्कूल में नहीं किया जाना चाहिए।

केस-3: शाहपुर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल की बस (जेएच 03एक्स 2855) का रजिस्ट्रेशन 2019 में हुआ है हालांकि इस बस का इंश्योरेंस 2020 में ही खत्म हो चुका है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा पांच साल बीत जाने के बाद भी बस का दोबारा इंश्योरेंस नहीं कराया गया। बस के ऊपर विद्यालय का मोबाइल नंबर भी दर्ज नहीं है।

केस-4: पांकी रोड स्थित ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों को लाने के लिए प्रयोग किया जा रहे हैं वैन (जेएच 01सीएन 9881) का इंश्योरेंस 2018 के महीने में खत्म हो चुका है। सात साल बीत जाने के बाद भी वहां का इंश्योरेंस दोबारा क्यों नहीं कराया गया। इसकी जांच विभाग द्वारा कभी नहीं की गई।

जान जोखिम में डालकर बच्चे जाते हैं स्कूल

कई नामी गिरामी स्कूलों में वैन और बसों की संख्या लगातार बढ़ा रही है, परंतु नियमों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। स्कूली वाहनों के मालिकों और चालकों को छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और नैतिक रूप से जिम्मेदार होना चाहिए। बीमा के स्कूली वाहनों का संचालन छात्रों के लिए एक बड़ा जोखिम है। यदि कोई दुर्घटना होती है, तो छात्रों को उचित मुआवजा या चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। इसके अलावा अभिभावक भी बच्चों के स्कूल जाने वाले वाहनों की बीमा स्थिति की जांच नहीं करते जिस कारण उनका ध्यान नहीं जाता। प्रशासन और शिक्षा विभाग इस समस्या पर ध्यान दें और बिना बीमा वाले स्कूली वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

गौतम कुमार का जेपीएससी परीक्षा में 335वां रैंक

डंडई। प्रखंड के डंडई गांव देवी धाम टोला निवासी प्यारी सिंह के पुत्र गौतम कुमार ने जेपीएससी के परीक्षा में 335वां रैंक हासिल कर जिला प्रोबेशन पदाधिकारी पद के लिए चयन हुआ है। गौतम कुमार बचपन से ही मेधावी छात्र रहा था। उनके पिता और बड़ा भाई कृषक है। झारखंड पब्लिक सर्विस कमिशन की परीक्षा पास करने पर गौतम के स्वजनों सहित गांव के लोगों में हर्ष का माहौल है। लोग उसे और उसके परिवार के लोगों को बधाइयां दे रहे हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि एक साधारण किसान का बेटा अपनी मेहनत के बदौलत अच्छे मुकाम तक पहुंचा है। इससे लोगों को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। गौतम कुमार ने बताया कि जेपीएससी की परीक्षा की तैयारी पूरी लगन और परिश्रम के साथ की जाए तो निश्चित रूप से तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को सफलता मिलेगी। आज के परिवेश में जेपीएससी के शिक्षकों से ऑनलाइन तैयारी करना सहज है। तैयारी करने वालों को जज्बा और जुनून सकारात्मक रखना होगा।

खरौंधी में प्रखंड स्तरीय गुरुगोष्ठी का आयोजन

पोर्टलों पर सही व अद्यतन डेटा सुनिश्चित करें : विजय पांडेय

खरौंधी (गढ़वा)। शनिवार को प्रखंड संसाधन केंद्र खरौंधी में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सह समन्वयक विजय पांडेय की अध्यक्षता में एक दिवसीय गुरुगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में खरौंधी प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय, प्लस टू विद्यालय, मध्य विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय, नव प्राथमिक विद्यालय तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के सभी प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे। गुरुगोष्ठी में विद्यालयों से संबंधित विभिन्न विभागीय योजनाओं और अद्यतन रिपोर्टों की समीक्षा की गई। इस दौरान बीईईओ पांडेय ने यू-डाइस प्लस में छात्र प्रोफाइल अपडेट एवं नये नामांकन की रिपोर्ट, ई-वीवी पोर्टल पर पुस्तक विवरण, वर्गवार व श्रेणीवार कुल नामांकन, श्रेणीवार आधार कार्ड उपलब्धता, बैंक खाता विवरण, जर्जर भवनों की स्थिति, किचन शेड की मरम्मत, अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता, सभी प्रकार की पुस्तकें,ज्ञानसेतु-एफएलएन पुस्तकों के वितरण, इको-क्लब पोर्टल पर लिंक भरने, एमडीएम एसएमएस, वन-ट्री पोर्टल पर पौधारोपण प्रमाणपत्र अपलोड की स्थिति, विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन की रिपोर्ट, इंस्पायर्ड अवार्ड से संबंधित अद्यतन, प्रशस्त ऐप में स्क्रीनिंग डाटा अपडेट तथा प्रतिनियोजन से जुड़े प्रपत्र आदि पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया कि वे समय पर सभी पोर्टलों पर सही व अद्यतन डेटा सुनिश्चित करें, जिससे विभागीय कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही विभागीय निदेशों का पालन अनिवार्य रूप से करने की बात कही गई। बैठक में बीपीएम नवीन प्रकाश, अकाउंटेंट चंदन कुमार, जेई अनूप कुमार दुवे, बीआरपी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता,पंकज कुमार, संकुल संसाधन सेवी उदय नारायण सिंह, दिनेश कुमार दुवे, अर्चना कुमारी प्रधानाध्यापक अनिल कुमार तिवारी, राजीव रंजन द्विवेदी, दिनेश ठाकुर, कामेश्वर प्रसाद सिंह, गोविंद उरांव, सतेंद्र दास, जितेंद सिंह, अरविंद प्रसाद, अरविंद साह, सुभाष ठाकुर, मिथलेश पाल, एमडीएम सेल से सोनू कुमार चंद्रवंशी सहित अन्य कर्मी भी उपस्थित रहे।

भाजयुमो ने हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया

गढ़वा। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने हेमंत सरकार का पुतला फुंका। हेमंत सरकार ने कैबिनेट बैठक के दौरान अटल क्लिनिक का नाम बदलकर मदर टेरेसा एडवांस क्लिनिक रख दिया गया। जिसका गढ़वा सहित पूरे झारखंड में जोरदार विरोध किया जा रहा है पुतला दहन कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजयुमो जिलाध्यक्ष रामशीष तिवारी ने किया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने कहा कि झारखंड अटल बिहारी वाजपेयी का देन है। झामुमो सरकार अटल क्लिनिक का नाम बदलना तुष्टिकरण मानसिकता को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि मदर टेरेसा एडवांस नाम किस उद्देश्य से रखा गया, झारखंड की जनता में काफी आक्रोश है। गढ़वा विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी ने कहा कि झामुमो सरकार ने महापुरुष का अपमान किया है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी झारखंड के जनक थे। अटल क्लिनिक का नाम बदलने पर जनता में भारी आक्रोश है। भाजपा जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड को बनाने संवारने का काम है वैसे महापुरुष के सम्मान में अटल क्लिनिक नाम दिया गया था जिसे हेमंत सरकार ने मदर टेरेसा एडवांस क्लिनिक नाम रख कर कलंकित करने का काम किया है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रामशीष तिवारी ने कहा कि झामुमो सरकार नाम बदलकर अपनी निम्न मानसिकता को उजागर कर रही है अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंडवासियों को उनका हक अधिकार देने का काम किया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा नेता मुरली श्याम सोनी भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय ठाकुर मीडिया प्रभारी रितेश चौबे, विनोद चंद्रवंशी, उमेश कश्यप, बिनय चौबे, खुर्शीद आलम, सुरेन्द्र विश्वकर्मा, प्रमोद चौबे, जयंत पांडेय, रितेश दुबे, प्रवीण पाल, विकास तिवारी, अशोक विश्वकर्मा, लक्ष्मीकांत पांडेय, डॉ लाल मोहन, आयुष दुबे, पीयूष चौबे, ओमप्रकाश पासवान सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सैनिक प्रकोष्ठ ने मनाया कारगिल विजय दिवस

कारगिल युद्ध में शहीद जवान सदैव पूजनीय : अजय तिवारी

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक अजय तिवारी के नेतृत्व में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने वीर शहीद के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान कारगिल वीर शहीद अमर रहें... भारत माता की जय... वंदे मातरम.. आदि नारे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध में शामिल आर्मी मैन गौरी शंकर तिवारी सहित अन्य सभी दर्जनों पूर्व सैनिक को अंग वस्त्र दे कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सैनिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक फौजी अजय तिवारी ने कहा कि कारगिल युद्ध में शहीद जवान देश के लिए सदैव पूजनीय रहेंगे। कारगिल युद्ध के दौरान देश के जवानों ने मां भारती के आंचल को बचाने के लिए अपनी जान की बाजी लगाकर रक्षा किया। देश के जवान जब सरहद पर दिन रात जागकर रक्षा करते हैं तो पब्लिक सुरक्षित रहती हैं। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के समय देश के तात्कालिन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सेना को खुली छूट दे रखी थी जिसके परिणामस्वरूप भारत को विजय प्राप्त हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान लड़ने वाले सभी फौजी शौर्य पराक्रम के लिए सदैव याद किए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी, जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे, गुड्डू तिवारी, उमेश कश्यप, गोपाल दुबे, सच्चिदानंद दुबे, श्यामा चौबे, ब्रजमोहन ठाकुर, रामराम पांडेय, पप्पू यादव, सुनील कुमार, संजय तिवारी, लक्ष्मीकांत पांडेय, सुबोध पाठक, विकास तिवारी, ओमप्रकाश पासवान, प्रवीण पाल, विशाल गुप्ता, सुदामा प्रजापति, प्रभु टोप्पो सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि

केतार। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लोहिया समता उच्च विद्यालय के प्रांगण में मेरा भारत कार्यक्रम के तहत भाषण प्रतियोगिता आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी रवि कुमार बैद्य ने कारगिल युद्ध में शहीद जवानों और शहीद बिरसा मुंडा के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। भाषण प्रतियोगिता में विद्या कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त की। वहीं जिया कुमारी द्वितीय स्थान, प्रिया सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र -छात्राओं को बीडीओ प्रशांत कुमार और बीपीएम रवि कुमार के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके पश्चात बीडीओ और बीपीएम ने हाईस्कूल प्रांगण में शहीदों के नाम पौधरोपण कर बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बीडीओ प्रशांत कुमार ने कहा कि आज का दिन भारत के वीर सपूतों को याद करने का दिन है। इस दिन भारत ने आपरेशन विजय को पुर्ण कर पाकिस्तान को बुरी तरह युद्ध में पराजित किया था। उन्होंने कहा कि यह दिन भारतीय सेना के शौर्य का प्रतिक है। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक जवाहर दुबे, नेहरु युवा केंद्र प्रखंड समन्वयक दिलीप कुमार, गौतम कुमार पाल, अनिल बैठा, दिनेश गुप्ता, दिलीप मेहता, सोनू कुमार सिंह, राहुल कुमार, सतीश कुमार वैद्य, प्रतिमा कुमारी, अंगद गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

धुरकी पुलिस ने 2 वारंटी को किया गिरफ्तार

धुरकी। पुलिस ने शनिवार को दो वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों वारंटी के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तार करने के लिए वारंट निकला था। जिसके आलोक में थाना प्रभारी जनार्दन राउत के द्वारा टीम गठित कर छापामारी की गई जिस क्रम में दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा गया। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तारी के डर से भागे फिर रहे अपराधी या वारंटी अविलंब करें आत्मसमर्पण करें वरना गिरफ्तारी होगी।

सीओ ने गिट्टी लदे हाइवा को किया जब्त

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। अंचलाधिकारी प्रमोद कुमार ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान गिट्टी लदे हाइवा संख्या जेएचओ 3 यूं /0375 को जब्त कर थाना को सुपूर्द कर दिया है। सीओ प्रमोद कुमार ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण में के दौरान मझिआंव व बिशुनपुरा मुख्य सड़क मार्ग के बीच गोपालपुर गांव के समीप शंका के आधार पर गिट्टी लदे एक हाइवा को रोका गया। साथ ही वाहन चालक से परिवहन से संबंधित कागजात की मांग करने पर तत्काल कोई कागजात चालक द्वारा नहीं दिखाया गया। इसके बाद सीओ द्वारा गिट्टी लदे हाइवा को जब्त कर थाना को सुपुर्द कर दिया गया। जबकि हाइवा चालक बवन राम ने परिवहन से संबंधित किसी भी तरह की कागजात मौके पर प्रस्तुत करने में असफल रहा। इधर हाइवा चालक बबन राम ने बताया कि डिमांड के अनुसार निजी कार्य हेतु गिट्टी पलामू से लोड कर बिक्री करने के लिए बिशनपुरा की ओर जा रहे थे। जबकि अंचलाधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि अवैध तरीके से खनिजों की तस्करी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

झामुमो नेत्री सोगरा बेगम ने की धनरोपनी, किसानों में भरा उत्साह

श्री बंशीधर नगर। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की नेत्री सोगरा बेगम ने शुक्रवार को रमना प्रखंड के बुलका गांव में किसानों के साथ धान रोपाई की। उनके इस पहल से स्थानीय किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला। झामुमो नेत्री सोगरा बेगम ने न केवल खुद खेत में उतरकर रोपाई कार्य में भाग लिया, बल्कि ग्रामीणों से संवाद कर खेती-किसानी से जुड़ी समस्याएं भी सुनी। उन्होंने किसानों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा-झारखंड की असली ताकत इसके खेत और किसान हैं।

विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन

श्री बंशीधर नगर। स्थानीय अनिकेत पैलेस में चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में एक भव्य विदाई एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निवर्तमान थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई, जबकि नवनियुक्त थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समारोह के दौरान चैंबर के सदस्यों ने आदित्य कुमार नायक को अंगवस्त्र व बुके भेंट कर उनका सम्मान किया। वक्ताओं ने नायक के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ किया। उनके नेतृत्व में क्षेत्र की कानून व्यवस्था मजबूत रही और आमजन में विश्वास का माहौल बना रहा। निवर्तमान थाना प्रभारी आदित्य नायक ने भावुकता प्रकट करते हुए कहा कि आपलोगों का प्यार देखकर ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर सेवा में लौटना पड़ेगा। विदाई समारोह वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र चौबे, हृदयानंद कमलापुरी और शंभूनाथ सौदागर समेत अन्य वक्ताओं ने दोनों अधिकारियों के कार्यों की प्रशंसा की।

बकरी चराने के दौरान युवती की पिटाई, हाथ टूटा

नवीन मेल संवाददाता

भंडरिया (गढ़वा)। भंडरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जनेवा गांव में बकरी चराने को लेकर एक 20 वर्षीय युवती के साथ निर्ममता से मारपीट की गई। घटना में युवती का बायां हाथ टूट गया है। परिजनों ने गांव के ही चार से पांच लोगों पर डंडा, लाठी से पीट-पीटकर घायल करने का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रीता कुमारी, पिता रामस्वरूप सिंह, रोज की तरह गांव के समीप बकरी चरा रही थी। इसी दौरान फसल में बकरी घुसने को लेकर गांव के ही कुछ लोगों ने विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते सहदेव सिंह, मनरूप सिंह, बालरूप सिंह, टीपू सिंह और अरुण राम ने मिलकर रीता कुमारी पर डंडे और लाठी से हमला कर दिया और उसे जमीन पर पटक-पटककर मारा। इस हमले में रीता गंभीर रूप से घायल हो गई और उसका बायां हाथ टूट गया। घटना के बाद परिजनों द्वारा घायल अवस्था में उसे भंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना पीड़िता द्वारा भंडरिया थाना को लिखित आवेदन दी गई है। थाना प्रभारी अभिजीत गौतम मिश्रा ने बताया कि पीड़िता द्वारा मारपीट की घटना की आवेदन दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चिनियां थाना परिसर में पौधरोपण का कार्यक्रम

पुलिस व शिक्षा विभाग ने मिलकर दिया हरियाली का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से शनीवार को संच चिनियां के एकल विद्यालय के आचार्य द्वारा चिनिया थाना परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम थाना प्रभारी की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। पौधरोपण के दौरान थाना प्रभारी ने खुद भी पौधा लगाकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से पर्यावरण का असंतुलन बढ़ता जा रहा है, उसे देखते हुए हमें अपने जीवन में पौधरोपण को एक जिम्मेदारी की तरह अपनाना चाहिए। एक व्यक्ति एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुंदर भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। इस अवसर पर एकल विद्यालय के आचार्य ने कहा कि बच्चों में शुरू से ही प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना जरूरी है। विद्यालयों को इस दिशा में लगातार कार्य करते रहना चाहिए ताकि बच्चों के मन में पर्यावरण संरक्षण की गहरी समझ बन सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों को भी बुलाया गया था, जिन्हें पौधों के महत्व, उनकी देखरेख और जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस और शिक्षक के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम ने न केवल थाना परिसर की हरियाली में वृद्धि की, बल्कि आम जनमानस में पर्यावरण संरक्षण को लेकर सकारात्मक संदेश भी दिया। इस अवसर पर चिनिया थाना प्रभारी अमित कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर नवीन कुमार राणा, काशिद हुसैन, राधेश्याम कुमार सहित कई स्थानीय लोग और ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे, जिन्होंने पौधरोपण को उत्सव के रूप में मनाया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने का संकल्प लिया।

जागरूकता

पीएम श्री मध्य विद्यालय में मनाया गया बैगलेस डे

बच्चों को लोकतंत्र के बारे में दी गयी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

केतार। पीएम श्री मध्य विद्यालय केतार में शनिवार को बैगलेस डे मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने बच्चों को लोकतंत्र, चुनावी प्रक्रिया, सरकार गठन, पक्ष -विपक्ष के बारे में प्रेडिकल कराकर बताया गया। बच्चों को बताया की लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया के बाद सरकार का गठन होता है। जिस पार्टी को सबसे ज्यादा बहुमत मिलती है, वो राजनीतिक पार्टी सरकार बनाती है। विद्यालय में प्रधानमंत्री पद हेतु सांसद सदस्य के रूप में छात्रों ने अपना नामांकन पर्चा भरा। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपने विद्यालय के बच्चों के समक्ष भाषण के माध्यम से वोट मांगते हुए चुनावी घोषणा और वादे भी किया। तत्पश्चात बच्चों ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट किया। इसमें कुल 350 वोट पड़े, मतगणना के बाद नूरी सबा को 172 मत, पुष्पा कुमारी को 90 मत, सुजीत कुमार वैद्य को 30 मत, अनीश अंसारी को 25 मत, कृतिका कुमारी को 18 मत, नेहा कुमारी को 15 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार नूरी सब्बा को सबसे ज्यादा वोट प्राप्त हुए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवेंद्र कुमार ने बताया कि झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री की सोच थी कि विद्यालय में एक दिन शनिवार को बच्चे विद्यालय में वगैर बैग के आये और उस दिन बच्चों को खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विशेष जानकारियां दी जाएं। मौके पर अध्यक्ष संजय कुमार ठाकुर, शिक्षक संतोष कुमार, प्रेम कुमार, सुधा कुमारी, राजू कुमार सिंह, अजय कुमार, धनंजय कुमार, मनोरंजन कुमार, दिलीप कुमार उपस्थित रहे।

समाजसेवी लक्ष्मण यादव का निधन

चिनियां(गढ़वा)। चिनियां प्रखंड मुख्यालय निवासी समाजसेवी लक्ष्मण यादव का निधन शनिवार की सुबह हो गया। वे पिछले दो माह से बीमार थे, जिनका इलाज रांची से चल रहा था। उनके निधन की खबर सुनते ही कई लोग परिवार से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। मौके पर समाजसेवी मोहम्मद फरीद, मनोज प्रसाद, बंधु राम, रामसागर यादव, सुरेंद्र प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष अरविंद यादव, शिवलाल सिंह, अंचल निरीक्षक विनय कुमार गुप्ता और कई अंचलकर्मी व प्रखंड कर्मी पहुंचकर परिजनों को ढाढस बंधाया।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

आवेदन आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में विभागीय राज्यादेश संख्या–11 रा0 (वि0) दिनांक 04.07.2025 के द्वारा स्वीकृत लक्ष्य के आलोक में "मत्स्य प्रसार–प्रचार अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना" अन्तर्गत निम्नांकित तालिका में दिये गये विवरणी के अनुरुप कार्यक्रम का क्रियान्वयन हेतु भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य प्राप्त है।

क्र0	कार्यक्रम	लघु शीर्ष	इकाई	भौतिक लक्ष्य	अनुमान्य इकाई लागत	अनुदान	चयन हेतु अर्हता
1	2	3	4	5	6	7	8
1	निजी क्षेत्र के तालाबों में महाझींगा पालन	101	एकड में	2.00	मो0 160000/– मात्र प्रति एकड़	अ0ज0जा0/अ0जा0/महिला कोटि के लिए 80% (मो0 128000/–मात्र अधिकतम) एवं अन्य कोटि के लिए 70% (112000/–अधिकतम)	आवेदक सक्रिय मत्स्य पालक हो जिनके पास मछली पालन हेतु कम से कम 1.00 एकड़ जलक्षेत्र का तालाब हो। प्रषिक्षण एवं पूर्व से झींगा पालन करने वाले मत्स्य पालक को प्राथमिकता दी जाएगी।
2	केज मत्स्य पालकों को लाईफ जैकेट	101	संख्या में	20	मो0 2420/–	केज मत्स्य पालकों के लिए 75 प्रतिषत (अधिकतम 1815 रु0) अनुदान होगा। शेष लाभुक अंषदान होगा।	केज मत्स्य पालकों को इस योजना का लाभ दिया जाना है। अतः इस योजना हेतु सिर्फ केज मत्स्य पालकों के आवेदन स्वीकार किये जायेंगे।
3	पुरस्कार/सम्मान (12 Paddle Wheel Aerator एवं ऑक्सीजन सिलिंडर)	101	संख्या में	02	मो0 30,000/–	प्रति लाभुक को 30000 रु0 राषि देय होगा।	आवेदक मत्स्य पालन/मत्स्य बीज उत्पादक/हैचरी संचालन आदि का प्रषिक्षण प्रमाण पत्र संलग्न अवष्य करें।

एतद् द्वारा उक्त दिये गये विवरणी के आलोक में अहर्ता पूर्ण करने वालों के लिए दिनांक 12.08.2025 अप0 5:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करें –
1. सभी आवेदक आधार कार्ड, बैक पासबुक की छाया प्रति संलग्न करें।
2. निजी क्षेत्र में महाझींगा पालन के आवेदक तालाब का फोटो एवं रसीद संलग्न करें।
3. केज मत्स्य पालकों को लाईफ जैकेट के आवेदक आवेदन के साथ समिति का पंजीयन पत्र एवं सदस्यता सूची संग्लन करें।
4. सभी आवेदक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र संलग्न करें।

नोट :– उक्त योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,गढ़वा

PR 358276 (Fish)25-26*D

जिला दण्डाधिकारी -सह- उपायुक्त, पलामू
(जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)

अल्पकालीन-निविदा

1. विज्ञापनदाता का पदनाम :– उपायुक्त, पलामू।
2. RPF जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :– 12.08.2025 को 01.00 PM बजे तक
3. RPF जमा करने का स्थान :– जिला सा0सु0 कोषांग, पलामू।
4. RPF खोलने का स्थान :– उपायुक्त, पलामू के कार्यालय वेश्म
5. RPF खोलने का तिथि एवं समय :– 12.08.2025 को 03.00 PM बजे

पलामू जिला अंतर्गत सर्वजन पेंशन योजना एवं झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के व्यापक प्रचार एवं प्रसार हेतु सभी 21 प्रखण्डों एवं 07 अंचलों एवं 03 अनुमण्डल कार्यालय एवं जिला मुख्यालय के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर फलैक्स प्रिंटिंग करते हुए उनका अधिश्ठापन किया जाना है।

उपरोक्त फलैक्स प्रिंटिंग व अधिष्ठापन करने हेतु इच्छुक संस्थान/प्रतिस्ठान से दिनांक 12.08.2025 को 01.00 PM बजे तक निम्नांकित शर्तो के अधीन प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक संस्थान/प्रतिष्ठान जिला सामाजिक सुरक्षा कोशांग, पलामू समाहरणालय परिसर, ब्लॉक–ए में अपनी निविदा जमा कर सकते हैं।

Required Items

SL.No.	स्थान	सामग्री
1	265 पंचायत एवं 103 वार्ड में	सर्वजन पेंशन योजना एवं झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना दोनों का अलग–अलग 10"X8" फीट का फलैक्स (368X2= 736 पीस)
2	सभी 21 प्रखण्डों ,07 अंचलों 3 अनुमण्डल कार्यालय एवं जिला मुख्यालय के विभिन्न प्रमुख स्थल हेतु	सर्वजन पेंशन योजना एवं झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना दोनों का अलग–अलग 20"X10" फीट का फलैक्स (40X2= 80 पीस)
3	कुल 2595 आंगनबाड़ी केन्द्रों में से सूदूरवर्ती 460 आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु	सर्वजन पेंशन योजना एवं झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना दोनों का अलग–अलग 10"X8" फीट का फलैक्स (460X2= 920 पीस)

1. उपरोक्त कार्य हेतु इच्छुक फर्म/संस्थान निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा शुल्क के रूप में 10000/– (दस हजार) रू0 का बैंक ड्राफ्ट (असफल संस्थान को Refundable) समर्पित करना होगा, जो उपायुक्त, पलामू के पदनाम से देय होगा।
2. इच्छुक फर्म/संस्थान को Earnest Money (EMD) के रूप में 25,000/– रू0 का डिमांड ड्राफ्ट (उपायुक्त, पलामू के पदनाम से देय) संलग्न करना अनिवार्य होगा, जो असफल संस्थान को वापस कर दिया जाएगा।
3. इच्छुक फर्म/संस्थान के पास झारखण्ड राज्य में निबंधित G.S.T. No. एवं पैन कार्ड का होना अनिवार्य है।
4. फर्म/प्रतिष्ठान के काली सूची में दर्ज नहीं होने संबंधी शपथ पत्र (issued by Executive Magistrate) सलग्न करना होगा।
5. निविदादाता को निविदा के साथ अद्यतन G.S.T. Return (GSTR 3B) एवं अद्यतन आयकर रिटर्न (विर्गत तीन वर्षो का) संलग्न करना अनिवार्य होगा।
6. सफल निविदादाता को फलैक्स का मुद्रण कर इस कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये स्थानों की सूची के अनुरूप अधिश्ठापन करते हुए जीओ टैग हस्ताक्षरयुक्त फोटो के साथ इस कार्यालय को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए किसी भी प्रकार का परिवहन एवं फलैक्स अधिश्ठापन हेतु भत्ता इस कार्यालय द्वारा देय नहीं होगा।
7. सफल फर्म/संस्थान को निर्गत कार्यादेश की तिथि से 07 दिनों के अंदर सामग्रियों का आपूर्ति पूर्ण करना अनिवार्य होगा।
8. इच्छुक फर्म /संस्थान को Technical Proposal एवं Financial Proposal अलग–अलग मुहरबंद लिफाफे में समर्पित करना होगा।
9. तकनीकी प्रस्ताव में सफल संस्थान का ही वित्तीय प्रस्ताव खोला जायेगा, न्यूनतम IPRD Rates पर।
10. RFP की स्वीकृत तथा अस्वीकृत करने एवं किसी भी शर्त को शिथिल करने का अधिकार उपायुक्त, पलामू को सुरक्षित होगा।
11. फलैक्स हेतु दर का निर्धारण GST सहित होगा।
12. भविष्य में आवश्यकता के अनुसार इस दर के अनुरूप सामान का क्रय/भुगतान किया जाएगा।

सहायक निदेशक
सा0सु0 कोषांग, पलामू

PR 358286 Palamu (25-26)_D

उपायुक्त
पलामू

महादेव मठ समिति की गठन को लेकर बैठक 31 को

कुंदा (चतरा)। कुंदा के ऐतिहासिक स्थल महादेव मठ की समिति के गठन को लेकर कवायद शुरू हो गई है। अंचल अधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है कि 31 जुलाई को महादेव मठ प्रांगण में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का उद्देश्य श्री कुंदेश्वर महादेव मठ मंदिर की भूमि एवं अचल संपत्ति की सुरक्षा के निमित्त सक्रिय समिति की गठन करना है। अंचल अधिकारी ने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी-सह-अनुमंडल दंडाधिकारी चतरा निर्देश के आलोक में यह बैठक आयोजित की जा रही है। कुंदा अंचल अंतर्गत सभी ग्रामवासियों से अपील की गई है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर अपनी सहभागिता दर्ज करें। बैठक 31 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे महादेव मठ प्रांगण में आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता अधोहस्ताक्षरी करेंगे। सक्रिय समिति की आवश्यकता को देखते हुए यह बैठक आयोजित की जा रही है, जिससे महादेव मठ मंदिर की भूमि एवं अचल संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अंचल अधिकारी ने बताया कि इस बैठक में ग्रामवासियों की सहभागिता से समिति की गठन की जाएगी।

लातेहार जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव संपन्न

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बने लाल अरविंद नाथ

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला अधिवक्ता संघ लातेहार के सत्र 2025-27 का चुनाव परिणाम की घोषणा शनिवार कर दी गई। लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने अपने प्रतिद्वंदी राजमणी प्रसाद को 20 वोट से हराकर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बने। लाल अरविंद नाथ शाहदेव को 60 और राजमणी प्रसाद 40 मत प्राप्त मिला है। जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए बासुदेव कुमार पांडेय 53 मत मिले हैं। वहीं पंकज कुमार 47 मत प्राप्त हुआ है। बासुदेव कुमार पांडेय ने 6 मतों से विजय मिला हैं। वहीं सचिव पद में संजय कुमार ने अपने प्रतिद्वंदी विक्रांत कुमार सिंह ने 13 वोट से पराजय कर विजयी हुए।

संयुक्त सचिव (प्रशासनिक) में मिथलेश कुमार को 54 वोट मिला जो अपने अपने प्रतिद्वंदी अबदुल सलाम को 20 ही मिला। संयुक्त सचिव (पुस्तकालय अध्यक्ष) के लिए नरोत्तम कुमार पांडेय हुए। उन्हें कुल 59 मत मिले, जबकि अपने प्रतिद्वंदी नवीन कुमार गुप्ता को 39 मत मिले, कोषाध्यक्ष में प्रमोद कुमार पांडेय विजयी हुए। उन्हें कुल 52 मत मिले, जबकि धीरेंद्र कुमार शुक्ला को 49 मत मिले हैं, वहीं सहायक कोषाध्यक्ष स्वपिन कुमार सिंह को 56 वोट से विजय हुए हैं। वे अपने प्रतिद्वंदी विवेक कुमार गुप्ता को 43 वोट मिले हैं। कार्यकारी सदस्य में वृंद बिहारी यादव को 84, निरंजन प्रकाश मल्लान को 81, अरविंद प्रसाद गुप्ता 72 वोट, राजेश यादव को 70, रमन कुमार को 70 वोट से निर्वाचित हुए।

चुनाव पर्यवेक्षक के रुप में झारखंड बार काउंसिल के सदस्य मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव एवं परमेश्वर मंडल मुख्य रूप से उपस्थित हुए। जबकि चुनाव प्रभारी के रूप में जिला अधिवक्ता संघ के अनिल कुमार ठाकुर, संतोष कुमार रंजन, गणेश प्रसाद मौजूद थे। सभी निर्वाचित पदाधिकारी को प्रशस्ति पत्र दिया गया। अधिवक्ताओं ने सभी निर्वाचित अधिकारियों को माला पहनाकर व लड्डू खिलाकर शुभकामनाएं दी। मालूम हो कि शनिवार को अधिवक्ता संघ भवन में अधिवक्ता संघ के सत्र 2025-27 के लिए पदाधिकारियों के चयन के लिए मतदान किया गया। कुल 102 मतदाताओं में से 101 अधिवक्ता मतदाताओं ने चुनाव में भाग लिया।

शिक्षक के प्रताड़ना से तंग आकर छात्रा ने की आत्महत्या

- पुलिस ने पारा शिक्षक को लिया हिरासत में

नवीन मेल संवाददाता

मौत के बाद ग्रामीणों ने किया हंगामा

घटना के बाद शनिवार को मुखिया समेत स्थानीय ग्रामीण व परिजन स्कूल पहुंचे और स्कूल में हंगामा शुरु कर दिया। इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो दल बल के साथ स्कूल पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पुलिस स्वतंत्र रुप से जांच कर रही है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में 13 वर्षीय छात्रा दीपाली (काल्पनिक नाम) ने स्कूल के ही पारा शिक्षक के प्रताड़ना से तंग आकर शुक्रवार की शाम 6 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

मां को भी गाली देकर पारा शिक्षक ने भगाया : छात्रा की मां ने बताया कि विद्यालय के पारा शिक्षक द्वारा उनकी बेटी को गलत तरीके से छूते थे। गलत शब्द के प्रयोग करने से वह आहत रहती थी। इसी कारण उसने यह कदम उठाया। मां ने आगे बताया कि शिक्षक के प्रताड़ना के कारण बेटी पिछले दो-तीन दिनों से परेशान थी और ट्यूशन भी नहीं जा रही थी। उन्होंने बताया कि शिक्षक के प्रताड़ना की शिकायत उनकी बेटी ने दी थी। इसके बाद शिक्षक से जब बातचीत करने स्कूल पहुंचे तो उनके द्वारा गाली गलौज कर भगा दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अन्य पहलुओं पर भी जांच कर रही है। साथ ही प्रेम प्रसंग के एंगल से भी मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने पारा शिक्षक को हिरासत में लेकर थाना ले आई है। इधर, पंचायत के मुखिया ने कहा कि परिजनों द्वारा छात्रा के साथ प्रताड़ना करने की बात कही जा रही है। मामला क्या है, यह जांच का विषय है। पुलिस के द्वारा घटना की जानकारी दे गई है। पुलिस पारा शिक्षक को हिरासत में ले लिया है। वहीं इस घटना के बाद बीजेपी झारखंड प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव लातेहार सदर अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। साथ ही इस घटना पर कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने प्रशासन से दोषी शिक्षक पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। आगे प्रतुल नाथ शाहदेव ने कहा कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि 12 से 14 साल के बच्ची ने आत्महत्या की है। जैसा कि उनके परिजन बता रहे हैं कि सब तरीके से पारा शिक्षक के द्वारा मानसिक प्रताड़ना की जाती थी और तरह-तरह के प्रताड़ना की जाती थी। जिससे आहत होकर बच्ची ने अपनी जान दे दी तो हमारा यही मानना है कि उसे बच्ची को न्याय तभी मिलेगा जब इसमें जो दोषी हैं उसे फांसी की सजा मिले और मुझे पूरी उम्मीद है कि बच्ची को न्याय जरूर मिलेगा। उन्होंने दोषी शिक्षक पर प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में हुआ मॉक ड्रिल का आयोजन

लातेहार। डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को अग्निशमन पदाधिकारी भूपाल कुमार दास, प्रधान अग्निचालक मनोज कुमार सिंह एवं अग्निचालक राम विलास उरांव के द्वारा अग्नि सुरक्षा विषयक पर एक व्याख्यान एवं मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों एवं विद्यालय के समस्त कर्मचारियों को अग्नि आपदा की स्थिति में सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना एवं तत्परता से कार्रवाई करने का अभ्यास कराना था। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रभात रंजन ने अग्नि सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक होते हैं, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों में सजगता एवं साहसिक प्रतिक्रिया देने की क्षमता भी विकसित करते हैं। मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन दल के सदस्यों ने आग लगने की स्थिति में अपनाई जाने वाली प्राथमिक सुरक्षा विधियों, अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग एवं निकासी प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। छात्रों ने इस अभ्यास में रुचिपूर्वक भाग लिया और अनेक जिज्ञासाओं के समाधान भी पाए। इस अवसर पर सैकड़ों छात्र-छात्राएं, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रशासक राजीव रंजन ने किया कई पार्कों का निरीक्षण

लातेहार। प्रशासक राजीव रंजन के द्वारा शनिवार को नगर पंचायत लातेहार के विभिन्न पार्कों का दौरा किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कारगिल पार्क, सिटी पार्क, स्वामी विवेकानंद पार्क चंदनहीह पार्क एवं डूरूआ पार्क का दौरा किया। दौरे के क्रम में नगर प्रशासक ने कनीय अभियंता, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर एवं नगर प्रबंधक को कारगिल पार्क एवं सिटी पार्क में रंग रोगन एवं लाइट लगाने का निर्देश दिया गया। स्वामी विवेकानंद पार्क चंदनडीह मैं रंग रोगन, सभी लाइटों का मरम्मती, कचरा का समय पर उठाव करना, सीसीटीवी कैमरा का अधिस्तापन करना, साफ सफाई करना, बिजली की पुख्ता व्यवस्था करना और फाउंटेन का निर्माण करने का निर्देश कनीय अभियंता एवं स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर तथा सेनेटरी सुपरवाइजर को दिया। उक्त सभी कार्यों का निष्पादन 30 अगस्त तक करने का भी निर्देश उनके द्वारा नप कर्मियों को दिया गया। पार्क भ्रमण कार्यक्रम में नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा, जय लक्ष्मी भगत, सिटी मिशन मैनेजर आनंद किशोर दांगी कनीय अभियंता संदीप कुमार अमित कुमार जयप्रकाश रंजन, विधि सहायक मुकेश कुमार और स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर पिंटू कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

कनीय अभियंता ने किया जगराहा डैम का निरीक्षण

चंदवा। शहर की लाइफ लाइन कहे जानी वाली जगराहा डैम के जीर्णोद्धार को लेकर लातेहार विधायक प्रकाश राम की पहल रंग लाने लगी है। पिछले विधानसभा सत्र के दौरान विधायक प्रकाश राम के द्वारा जगराहा डैम के जीर्णोद्धार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। इसी आलोक में शनिवार को लघु सिंचाई विभाग के कनीय अभियंता विनय कुमार ने जगराहा डैम पहुंच कर डैम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि विभाग के निर्देश पर वे डैम का निरीक्षण करने पहुंचे हैं। फिलवक्त डैम का पूरा एरिया पानी में डूबा हुआ है। साथ ही डैम पूरी तरह से जलीय पौधों से भी ढका हुआ है। जिसके कारण डैम की नापी व गहराई का आंकलन करने में परेशानी हो सकती है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के उपरांत विभाग को डैम से संबंधित रिपोर्ट सौंप दी जायेगी उम्मीद है कि बरसात के बाद डैम की मापी कर इसके जीर्णोद्धार की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। जेई के निरीक्षण करने के बाद ग्रामीणों में डैम के जीर्णोद्धार को लेकर उम्मीद जगी है। निरीक्षण के दौरान विधायक प्रतिनिधि चंदवा इरशाद मुन्ना समेत अन्य मौजूद थे।

डीवीसी ने चंदवा सीएचसी को उपलब्ध कराया गया एक्सरे प्रिंटर

चंदवा। डीवीसी के तुबेद कोल ब्लॉक में डेवलेक्टो माइनिंग लिमिटेड के द्वारा सीएसआर के तहत कल्याणकारी कार्यों की शुरूआत, सामाजिक उत्तरदायित्व निभाया जा रहा है। इसी क्रम में लंबे समय तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा में एक्सरे मशीन उपलब्ध था, लेकिन उसका प्रिंटर नहीं रहने के कारण मरीजों को काफी समस्या हो रही थी। जिसका निवारण डीवीसी तुबेद कोल ब्लॉक के एमडीओ डेवलेक्टो माइनिंग लिमिटेड की सीएसआर टीम के द्वारा किया गया। मौके पर डॉ. तरुण जोश लकड़ा, डॉ. कंचन बाड़ा, रेडियोलाजिस्ट अमित कुमार सिंह और अस्पताल के अन्य कर्मचारी की मौजूदगी में कंपनी के पदाधिकारियों के द्वारा प्रिंटर सौंपा गया। चिकित्सकों ने बताया कि उक्त प्रिंटर मशीन की अस्पताल में उपलब्धता से एक्सरे प्रिंट का कॉपी निकाला जाना संभव हो सकेगा, जिससे जिला समेत प्रखंडवासी लाभान्वित होंगे। उन्होंने कंपनी को इस कार्य हेतु साधुवाद दिया है। मौके पर डीवीसी के कई अधिकारी मौजूद थे।

चिल्ड्रन पैराडाइज स्कूल में कारगिल विजय दिवस उत्साह मना

चंदवा। प्रखंड अंतर्गत अलौदिया पंचायत स्थित चिल्ड्रन पैराडाइज स्कूल में कारगिल विजय दिवस उत्साह मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप ठाकुर ने भारत माता के वीर सपूतों को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया। कार्यक्रम की शुरूआत शहीदों को पुष्प अर्पित कर हुई। विद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे जवानों ने विषम परिस्थितियों में अद्भुत साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए देश की रक्षा की थी। दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। मौके विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप ठाकुर और शिक्षकों में सुभाष डे उर्फ बच्चू सर, मुनेश्वर,रंजीत सिंह, अंजली देवी,अनुराधा कुमारी, राधा कुमारी,स्नेहा वर्मा, श्वेता कुमारी,गुलिस्ता परवीन सहित विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहें।

दंत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन, जिप अध्यक्ष ने कहा-

जरूरी नहीं सब सरकारी नौकरी करें, प्राइवेट नौकरी भी बेहतर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार के द्वारा दंत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन जिला खेल स्टेडियम में किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, सांसद प्रतिनिधि अमलेश सिंह, विधायक प्रतिनिधि मनिका अनिल कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि लातेहार विधानसभा क्षेत्र गौरव कुमार दास और जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार थे। रोजगार मेला 2025 में उपस्थित गणमान्यों का स्वागत पौधा देकर किया गया। इसके उपरांत उपस्थित अतिथयों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया गया। इस रोजगार मेला में लगभग पांच राज्यों से नियोजक विभिन्न पदो के साथ उपस्थित हुए। उनके द्वारा 124 युवक/युवतियों का चयन एवं 129 युवक/युवतियों कोअगले राउंड के लिए किया गया। विभिन्न नियोजक द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को विशिष्ट अतिथि एवं जिला नियोजन पदाधिकारी द्वारा ऑफर लेटर दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि जिला नियोजन पदाधिकारी ने अपने अथक मेहत से अलग-अलग राज्य के कंपनियों को बुलाया है। इसका लाभ सभी नियोजकों को लेना चाहिए। ये जरूरी नहीं कि सभी लोग सरकारी नौकरी ही करें। प्राईवेट नौकरी से भी हम अपने परिवार का भरण पोषण कर सकते हैं। सांसद प्रतिनिधि अमलेश सिंह ने कहा कि जॉब जरूर करें, लेकिन अपने संस्कार अपने परिवार को बांध कर रखने का प्रयास उनके भरण पोषण का प्रयास करते रहना चाहिए। विधायक प्रतिनिधि अनिल कुमार सिंह ने कहा कि जिला नियोजन का यह प्रयास सराहनीय है। रिक्त पदों के विरूद्ध बहुत ही कम अभ्यर्थी यहां मौजूद हैं। इससे उपस्थित सभी अभ्यर्थियों का रोजगार मिलना तय है। जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमारने जिला नियोजनालय द्वारा दी जाने वाली सुवधाओं से अवगत कराया तथा युवक/युवतियों से आग्रह किया कि जिला नियोजनालय में अपना नाम दर्ज करायें, ताकि जिला नियोजनालय से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठायें। साथ ही कुमार ने बताया कि समय-समय पर जिला नियोजनालय द्वारा जिला में रोजगार मेला/भर्ती कैम्प का आयोजन किया जाता है और आगे भी किया जायेगा। श्री कुमार ने यह भी बताया कि युवक/युवतिया कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करके भी अपना रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक वर्ष रोजगार मेला/भर्ती कैम्प के माध्यम से हजारों युवक/युवतियों को रोजगार से जोड़ने में सफल हुए हैं। इस रोजगार मेला में 23 नियोजकों ने भाग लेने की सहमति जताई जिसमें लगभग 3956 रिक्तियाँ प्राप्त हुई हैं।

सिमरिया विधायक को सौंपा पांच सूत्री ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। अपने विभिन्न मांगों को लेकर पुनः प्रस्तावित आंदोलन के आलोक में शनिवार को झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा का एक शिष्टमंडल सिमरिया विधायक उज्जवल दास को पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा।जिसकी जानकारी देते हुवे प्रखंड अध्यक्ष सुमन भारतीय ने बताया कि झामुमो सरकार के घोषणा- पत्रों और सार्वजनिक सभाओं में तीन महीने के भीतर समान वेतन देने के खोखले वादों से क्षुब्ध होकर अब संगठन ने 4 अगस्त से 7 अगस्त तक विधानसभा घेराव करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 25 सालों से सेवा दे रहे शिक्षक बार- बार छले जा रहे हैं जो बहुत हीं दुर्भाग्यपूर्ण है। निर्धारित मानकों में सौ फीसदी खरा उतरने के बावजूद भी जब समान काम के बदले समान वेतन नहीं मिले तब आंदोलन करना हीं पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब इसका बकायदा न्यायादेश है तब अनुपालन आखिर क्यों नहीं हो रहा है? संस्कृत व मदरसा स्कूलों में तो बिना दक्षता परीक्षा पास किये हीं अभ्यर्थियों की नियुक्ति 9300-34800 वेतमान पर की गई है जिससे सरकार का दोहरा चरित्र अब सबके सामने है। मुख्यमंत्री के नाम समर्पित पांच सूत्री ज्ञापन में समान काम के बदले समान वेतन देने, आंदोलन के दौरान शिक्षकों पर रघुवर सरकार में दर्ज हुए मुकदमा को वापस लेने, अनुकंपा का लाभ जिसमें 28 अगस्त 2024 के समझौते को लागू करने, सेवानिवृति की सीमा 62 वर्ष करने एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा करीब 17 सौ अध्यापकों के शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों को फर्जी का हवाला देकर कार्यमुक्त की कार्रवाई अविलंब निरस्त किये जाने की मांग शामिल हैं। इस मौके पर जिला महासचिव ध्रुव नाथ शर्मा, प्रखंड सचिव साकेत पांडेय,फणीश्वर यादव, रामकुमार यादव, विक्रम कुमार शर्मा व अभय सिंह मौजूद थे।

भारी बारिश से तीन बांध टूटे, घरों में घुसे पानी

नवीन मेल संवाददाता

बेतला। लातेहार बरवाडीह प्रखंड के छिपादोहर मे शाम शुक्रवार से शुरू हुई लगातार बारिश ने छिपादोहर क्षेत्र में कहर बरपा दिया। आधी रात को गम्हरिया के तीन तालाबों का बांध टूट गया और पानी का तेज वहाव से सड़क को बहा ले गया। इससे 100 से अधिक घरों में रहने वाले लोग बाहरी दुनिया से कट गए। आदिवासी बहुल यह क्षेत्र पूरी तरह संकट में है। ग्रामीण पगडंडी के सहारे आ-जा रहे हैं, जबकि चारों ओर पानी ही पानी है।

गम्हरिया और खैराही टोला में तालाब टूटने से 50 एकड़ में लगी धान और सब्जियों की फसल नष्ट हो गई। किसानों के लिए यह बारिश जीवन की सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। कई ग्रामीणों के कच्चे मकान भी गिर गए, जिससे लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही छिपादोहर के थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लिया और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी।

धीरज कुमार सिंह ने कहाः हम लोगों की सुरक्षा के लिए लगातार निगरानी कर रहे हैं। किसी को भी अनावश्यक खतरा उठाने की जरूरत नहीं है।

बारिश के कारण नावाडीह और लाभर नदी में बाढ़ आ गई। इसके चलते चुंगरू पंचायत का मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह कट गया है। शनिवार दोपहर तक भी हालात सामान्य नहीं हो पाए थे।

लाभर-लात रोड पर खतराब : लाभर-लात रोड पर कई जगह कटाव हो चुका है। लोग मजबूरी में जान जोखिम में डालकर यात्रा कर रहे हैं। प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन बारिश के चलते काम धीमा है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम पलामू, मेदिनीनगर

अति अल्पकालीन ई0निविदा आमंत्रण सूचना

ई0 पुर्ननिविदा संख्या–01/2025-26/RDD/NREP/PALAMAU, (Re-Tender)

1. कार्य का नाम :–

ग्रुप सं0	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्रा0राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आईडेन्टी फिकेशन संख्या
1	ग्राम पंचायत–पोखराहा कला में पी0डब्लूडी0 पथ से सरना स्थल तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	सदर मेदिनीनगर	24.921	50000.00	5000.00	3 माह मात्र	Re-Tender 01/2025-26/ EE/RDD/NREP/PALAMU
4	ग्राम–गबरलेटवा के उरावं टोला में शंकर उरावं के घर के सामने पुल निर्माण।	उंटारी रोड	24.265	50000.00	5000.00	3 माह मात्र	Re-Tender 04/2025-26/ EE/RDD/NREP/PALAMU

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :–28.07.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :–05.08.2025 up to 5.00 PM बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–07.08.2025 पूर्वाहण 11.00 बजे
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम कार्यालय, मेदिनीनगर, पलामू।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 –7004461384
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी जवाबदेही आपकी होगी।

09. प्राक्कलित राशि बढ़ या घट सकती है।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय, ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,
मेदिनीनगर, पलामू

PR 358300 NREP(25-26)#D

जिला अभियंता का कार्यालय जिला परिषद, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण–सूचना
निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 10 वर्ष 2025–26 अनाबद्ध निधि मद

1. विज्ञापन दाता का नाम : जिला अभियंता,जिला परिषद, लातेहार।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :02.08.2025 (अपराहन् 01:00 बजे तक)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : जिला अभियंता, जिला परिषद, लातेहार।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :04.08.2025 को 01:00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा प्राप्ति, का स्थान :जिला नियंत्रण कक्ष, (पुलिस अधीक्षक, लातेहार के कार्यालय के समक्ष)
6. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान:04.08.2025 को 03:00 बजे अपराहन्, कार्यालय जिला परिषद, लातेहार।
7. कार्य का विस्तृत विवरण :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	प्रखण्ड लातेहार पंचायत पाण्डेयपुरा के मेन रोड (पंचायत भवन के पास) से उत्क्रमित उच्च विद्यालय तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	20,06,400	40,500	5,000	02 माह

8. परिमाण विपत्र भारतीय स्टेट बैंक से निर्गत ही मान्य होगा जो जिला अभिंयता, लातेहार के पदनाम से देय होगा एवं भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार में भुगतेय होगा। परिमाण विपत्र का मूल्य लौटाया नहीं जायेगा।
9. अग्रधन की अंकित राशि (NSC) 05 वर्षीय / 03 वर्षीय / डाकघर सावधि जमा पत्र / 03 वर्षीय / 05 वर्षीय / बैंक सावधि जमा पत्र (F.D) 05 वर्षीय / 03 वर्षीय, कम्पनी के मामले में झारखण्ड राज्य के राष्ट्रीयकृत बैंक का B.G जो जिला अभियंता, लातेहार के नाम से प्रतिज्ञिप्त (प्लेज) कराते हुए निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
10. उक्त निविदा में जिला परिषद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संबंधित प्रखण्ड के संवेदक ही भाग ले सकेंगे।

जिला अभियंता
जिला परिषद, लातेहार

PR 358261 (Rural Development)25-26*D

अनदेखी
जनप्रतिनिधियों को कृषि क्षेत्र में सजग होने की जरूरत

संभावना अनंत फिर भी पिछड़े पंक्ति में खड़ा है मयूरहंड प्रखंड

नवीन मेल संवाददता

किसानों के हित में सिंचाई के अलावा अनेक संभावना है

प्रखंड में किसानों के हित में सिंचाई के अलावा अनेक संभावना है। क्षेत्र के चारों ओर नदी के अलावा अन्य विभिन्न स्थानों से नाला गुजरा हुआ है। प्रखंड के पूरब में बराकर नदी, पश्चिम में लेढईया नदि के अलावा करकरा नद , नाला गुजरा हुआ है। पूर्व की सरकारें और जनप्रतिनिधियों ने उक्त नदियों एवं नालों में चेक डैम के अलावा लिफ्ट एरिगेशन सिस्टम से किसानों के लिए सिंचाई की व्यवस्था की गई थी। जिससे किसानों की सैकड़ों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई सुचारु रूप से होती थी। लेकिन निवर्तमान सरकारें एवं जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से सिंचाई की उपर्युक्त सभी संसाधन उचित रख-रखाव के अभाव में या तो ध्वस्त हो चुके हैं या होने वाला है। जिसके कारण किसानों को सिंचाई की व्यवस्था निवर्तमान समय में चौपट हो गई है। उक्त सभी सिंचाई परियोजनाओं को सुदृढ़ करने की नितांत आवश्यकता है।

मयूरहंड (चतरा)। जैसे अपने पंखों के देखकर मोर नाच उठता है परंतु जैसे ही अपने पैरों पर पड़ती है तो मायूस हो जाती है। ठीक उसी प्रकार जिले के मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के लोगों की स्थिति मोर के सम्मान बनि हुई है। उक्त बातें प्रखंड क्षेत्र के किसानों का कहना है। चतरा जिले के मयूरहंड को प्रखंड का दर्जा वर्ष 2008 में मिला। उस समय लोगों को अलग प्रखंड बनने से कृषि से लेकर अन्य क्षेत्रों में विकास होने की खुशी के साथ उम्मीद जगी। परंतु 27 वर्ष के खंड काल में गली नली का विकास नहीं हो पाया। जबकि प्रखंड की कुल क्षेत्रफल 133.28 किमी और 2011 जनगणना के अनुसार जनसंख्या लगभग 58,925 है। अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है।

सरकार के माध्यम से क्षेत्र में प्रतिवर्ष विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अरबों रुपये खर्च केवल गली, नली, सडकों के अलावा अन्य क्षेत्रों में खर्च की जा रही है। फिर भी प्रखंड पिछली पायदान पर खड़ा है। निवर्तमान जनप्रतिनिधियों की स्थिति क्षेत्र को कृषि प्रधान बनाने से ज्यादा कुर्सी प्रधान में दिलचस्पी है।

जिसका प्रतिकूल असर पड़ने के साथ क्षेत्र को आर्थिक रूप से भी हो रही है। नीति आयोग द्वारा चिन्हित पिछड़े प्रखंड में सम्पूर्णता अभियान के दौरान क्षेत्र का भ्रमण माननीय राज्यपाल एवं केंद्रीय मंत्री से लेकर जिले के निवर्तमान एवं वर्तमान उपयुक्त कर चुके हैं। प्रखंड में उपरोक्त सभी सिंचाई सम्भावनाएं से आगंतुकों को अवगत कराया गया जिसमें आश्वासन भी दिया गया। परंतु आजतक उस क्षेत्र में कोई कदम सरकार एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा नहीं उठाया गया। प्रखंड में खुशहाली लाने के लिए जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को ईमानदारी पूर्वक कृषि क्षेत्र में सजग होने की जरूरत है। उक्त सिंचाई परियोजनाओं को सुदृढ़ बनाने से क्षेत्र के लाखों किसानों को लाभ मिलेगा और पेयजल समस्याओं से निजात मिलेगा।

न्यूज बॉक्स

अभय सिंह के राजद के राष्ट्रीय महासचिव बनने से संगठन को मिलेगी मजबूती : शकील

लोहरदगा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए झारखंड प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष अभय सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। इस घोषणा के बाद झारखंड भर में खुशी की लहर है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इस नियुक्ति से न केवल झारखंड में बल्कि पूरे देश में राष्ट्रीय जनता दल को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। झारखंड के 24 जिलों और 212 प्रखंडों में पार्टी संगठन को और सशक्त बनाया जाएगा। साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में कमेटियों का गठन कर आगामी चुनावों की तैयारी की जाएगी। यह निर्णय आने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में भी अहम भूमिका निभाएगा। श्री अभय सिंह के नेतृत्व में झारखंड के राजद कार्यकर्ता बिहार में जाकर पार्टी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। वे लालू प्रसाद यादव की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाएंगे और पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नेतृत्व को मजबूत करने में सहयोग करेंगे। इस ऐतिहासिक नियुक्ति पर पूर्व जिलाध्यक्ष शकील अख्तर (राजद, लोहरदगा) ने अभय सिंह को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व महासचिव कुर्शीद आलम, पूर्व प्रदेश महासचिव उपेन्द्र यादव, मंजूर अंसारी, जावेद खान, मुख्तार अंसारी, परवेज़ खान, अमानुल अंसारी, कामिल टोपनो, कयूम अंसारी आदि शामिल हैं।

कांवरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना

भंडरा। प्रखंड क्षेत्र के बस्ती से शनिवार को कांवरियों का एक जत्था बाबा नगरी देवघर के लिए रवाना हुआ। प्रस्थान से पूर्व सभी श्रद्धालुओं ने ऐतिहासिक अखिलेश्वर धाम में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद हर-हर महादेव के जयकारों के साथ जत्था देवघर की ओर कूच किया। जत्था का नेतृत्व कर रहे अनूप यादव ने बताया कि सभी कांवरिये पहले सुल्तानगंज पहुंचेंगे, जहाँ गंगा जल लेकर पैदल यात्रा प्रारंभ कर बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर पहुंचेंगे। जलाभिषेक के बाद बासुकीनाथ धाम में दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे और सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। जत्था में भंडरा के आकाश उरांव, शिव शंकर सिंह, दुर्गा यादव, अभिषेक कुमार, संजय महली, कृष्णा महली, अमर यादव, अनूप यादव, निथुन यादव, गुड्डू यादव, लालू यादव, अनोज यादव, सूरज यादव, शंकर लोहरा सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हैं।

सड़क निर्माण को लेकर आदिवासी समाज की हुई बैठक

भंडरा। भंडरा झखरा कुंबा भवन में शनिवार को बीडीओ प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में आदिवासी मसना जाने के लिए सड़क निर्माण को लेकर आदिवासी समाज के लोगों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें बड़का बगीचा स्थित आदिवासी मसना तक जाने वाली मुख्य सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने अपने विचार दिया। मौके पर पूर्व जिला परिषद सामिल उरांव ने कहा कि फिलहाल आदिवासी मसना जाने के लिए रैयती प्लॉट से होकर जाना पड़ रहा है। जहां जमीन मालिक अपना घेराबंदी कर दिया है। इससे आदिवासी समाज को मसना तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसपर ग्रामीणों ने मसना तक जाने के लिए टंगरा के उपर से होकर सड़क निर्माण कराने को लेकर विचार रखा। जहां गार्डवाल का निर्माण करते हुए आदिवासी समाज के लोग टंगरा के ऊपर से शव को मुक्तिधाम तक लें जा सकें। मौके पर बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण को लेकर प्रशासन सजग है। आदिवासी कुंबाटोली मसना तक जाने के लिए भंडरा-लोहरदगा मुख्य पथ झखरा भवन के समीप पझरा से गार्डवाल का निर्माण कर टंगरा के ऊपर से पीसीसी सड़क बनाने की सहमति बनी है। जिसे वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए योजना की स्वीकृति दी जाएगी। इससे ग्रामीणों को काफी सहूलियत मिलेगी। मौके पर जिला परिषद सदस्य राजमनी उरांव, कनीय अभियंता विवेक कुमार, मनुश्री, मुखिया इंद्रदेव उरांव, विजय उरांव, अंचल अमीन सुमित जायसवाल, फेकुआ उरांव सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

कारगिल विजय दिवस पर लोहरदगा में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, बोले उपायुक्त

स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करें

- भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा नगर भवन में कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट, लोहरदगा की ओर से शनिवार को नगर भवन में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. ताराचंद, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत समेत कई गणमान्य अतिथि, भूतपूर्व सैनिक और उनके परिजन शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों को नमन और दो मिनट के मौन के साथ की गई। इसके उपरांत कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने इस अवसर पर कहा, "कारगिल युद्ध 1999 में हमारे वीर सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में दुश्मन के नापाक इरादों को नाकाम किया और तिरंगा लहराया। आज जब हम घर में चैन की नींद सोते हैं, तब हमारे सैनिक सीमाओं की रक्षा में दिन-रात तैनात रहते हैं। हमें उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और हर परिस्थिति में साथ देना चाहिए। जिला प्रशासन हमेशा उनके साथ है। उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए अनेक सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। स्वतंत्रता के बाद भी जब-जब देश की सीमाओं पर संकट आया, सैनिकों ने जान देकर रक्षा की। शहीदों का सपना था कि देश में शांति और समृद्धि कायम हो। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे आयोजनों में सैनिक परिवारों की समस्याएं भी सुनी जाएंगी और प्रशासन उन्हें समाधान प्रदान करेगा। उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा, कारगिल में सैनिकों ने अद्भुत वीरता दिखाई। देश की सीमाओं के साथ-साथ अब हमें आंतरिक भेदभाव की दीवारें गिरानी होंगी, ताकि हमारा देश 'विश्वगुरु' बन सके। आजीवन संरक्षक डॉ. टी. साहू ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सैनिकों के योगदान की सराहना की और शहीद परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष धर्मराज महतो, आजीवन संरक्षक डॉ. टी. साहू सहित बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक और उनके परिजन उपस्थित थे। वक्ताओं ने सैनिकों की बहादुरी को नमन किया और कहा कि समाज को उनका ऋणी होना चाहिए।

उपायुक्त ने जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को किया सम्मानित

लोहरदगा। जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा-2023 में लिखित एवं साक्षात्कार के बाद अंतिम रूप से चयनित होनेवाले अनुराग मेरास टोप्पो को शनिवार को उपायुक्त डॉ ताराचंद ने सम्मानित किया। उपायुक्त ने श्री टोप्पो को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। विदित हो कि अनुराग मेरास टोप्पो को इस परीक्षा में 328 वां रैंक हासिल हुआ है और वर्तमान में वे लोहरदगा जिला में मण्डल कारा लोहरदगा में झारखंड प्रोबेशन सर्विस में सेवारत हैं। उपायुक्त ने उनके उज्ज्वल भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

पैसे के लेन-देन को लेकर मारपीट का आरोप, मामला दर्ज

कैरो/लोहरदगा। रांची जिले के टांगर बिजुपाड़ा थाना अंतर्गत चान्हो निवासी तबरेज अंसारी ने कैरो थाना में आवेदन देकर हनहट गांव के पांच लोगों पर चाचा-भतीजा के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। तबरेज अंसारी द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार, हनहट निवासी रिजवान अंसारी ने पैसे के लेन-देन का हिसाब करने के बहाने उन्हें और उनके भतीजे इमरान अंसारी को अपने घर बुलाया था। रात में जब वे वहां पहुंचे, तो पहले से घात लगाए बैठे रिजवान अंसारी, मनौवर अंसारी, जलील अंसारी, सद्दाम अंसारी और तोराब खान ने मिलकर दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि जलील अंसारी ने जान से मारने की नीयत से इमरान अंसारी के सिर पर कुदाल से तीन-चार बार वार किया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। हमलावर उसे मृत समझकर मौके से फरार हो गए।

हनहट व गुड़ी पंचायत कमेटी गठन के लिए बैठक, वक्ताओं ने कहा

कांग्रेस पार्टी को लोहरदगा में सशक्त बनाना उद्देश्य

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। झारखंड कांग्रेसी कमेटी के निर्देशानुसार संगठन सृजन वर्ष 2025 के तहत कांग्रेस कमेटी कैरो प्रखंड अध्यक्ष अनीश अहमद की अध्यक्षता में पंचायत कमेटी गठन को लेकर पंचायत गुड़ी में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी जिलाध्यक्ष हाजी सकील अहमद, जिसमें विधायक प्रतिनिधि सह किस्को कांग्रेस पर्यवेक्षक निशीथ जयसवाल, जिला प्रशिक्षिका अनामिका सरकार, संदीप कुमार गुप्ता, प्रखंड पर्यवेक्षक ऐनुल अंसारी मंडल अध्यक्ष महताब आलम, कुडू प्रखंड अध्यक्ष तनवीर गौहर ,की मौजूदगी में गुड़ी पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन किया गया। वहीं हनहट पंचायत कमेटी गठन को लेकर बैठक आयोजित हुई, जिसमें दूसरे दिन पुनः बैठक कर हनहट पंचायत कमेटी का गठन किए जाने हेतु रणनीति बनाई गई। मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी जिलाध्यक्ष हाजी सकील अहमद ने कहा कि लोहरदगा जिला में संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत अधिक लोगों को कांग्रेस पार्टी में शामिल कर संगठन को मजबूत करना खास मकसद है। वहीं निशीथ जायसवाल ने कहा कि संगठन सृजन वर्ष 2025 में कांग्रेस पार्टी लोहरदगा जिला समेत पूरे झारखंड प्रदेश और भारत देश में सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरेगी। कैरो प्रखंड पर्यवेक्षक ऐनुल अंसारी ने कहा कि कैरो प्रखंड समेत पूरे लोहरदगा जिला में संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को कांग्रेस पार्टी के विचारधारा से अवगत कराते हुए जोड़ने और बूथ स्तर से लेकर प्रखंड जिला एवं राज्य स्तर पर कांग्रेस पार्टी को सशक्त बनाने की दिशा में पार्टी का हर एक सिपाही पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी झारखंड प्रदेश के अलावा देश भर में दमदार प्रदर्शन करेगी और अत्यधिक सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर देश का प्रतिनिधित्व करने हेतु राहुल गांधी को कमान सौंपने का कार्य किया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,लोहरदगा
(E- Mail – ID – rdsd.lohardaga@rediffmail.com)

पत्रांक ..../लोहरदगा दिनांक ....

सूचना

अति अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या RDD/SD/LOHARDAGA/E-03/2025-26 जिसका पी0 आर0 सं0 **356831 Lohardaga (25-26)_D** के ग्रुप संख्या 01 एवं 02 में एकल निविदा प्राप्त होने के कारण वित्त विभाग, झारखण्ड सरकार के अधिसूचना संख्या 593/वि0 दिनांक 06.03.2007 के आलोक में रदद् की जाती है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
लोहरदगा

PR 358278 (Lohardaga)25-26*D

जनजातीय क्षेत्र के विकास को मिलेगा नया मार्ग : बिंदेश्वर

नवीन मेल संवाददाता

- बिंदेश्वर उरांव की पहल पर एनएचएआई ने दी सड़क परियोजना को सकारात्मक अनुशंसा

लोहरदगा। जनजातीय बहुल क्षेत्र में सड़क संपर्क और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक ऐतिहासिक पहल करते हुए, बिंदेश्वर उराँव प्रदेश महामंत्री, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा एवं शिक्षाविद द्वारा पत्र के माध्यम से भेजे गए प्रस्ताव को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सकारात्मक रूप से संज्ञान में लिया है। 22 जुलाई 2025 को एनएचएआई की परियोजना कार्यान्वयन इकाई, गुमला द्वारा जारी पत्र (क्रमांक एनएचएआई/पीआईयू-गुमला/2025/पीजी पोर्टल/2494) में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि श्री उरांव द्वारा सुझाया गया मार्ग – खूँटी, कर्रा, बेड़ो, चट्टी, भंडरा, लोहरदगा, पेशरार, लातेहार होते हुए पलामू तक – क्षेत्रीय विकास में अहम भूमिका निभा सकता है। यह मार्ग न केवल जनजातीय क्षेत्रों को जोड़ने में सहायक होगा, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, आपात सेवा, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में नए द्वार खोलेगा। प्राधिकरण के पत्र के अनुसार यह मार्ग एनएच-143एजी एवं एनएच-39 को जोड़ते हुए जनजातीय क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहायक सिद्ध होगा। प्रस्तावित सड़क रांची आउटर रिंग रोड और रांची-वाराणसी कॉरिडोर को जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग बन सकता है। इससे अमरेश्वर धाम, साईं मंदिर बेड़ो, लतरातू डैम, नेतरहाट जैसे पर्यटन स्थलों तक पहुंच में सुविधा होगी। बिंदेश्वर उराँव ने इस पत्र को जनहित की जीत बताया। उन्होंने कहा की यह केवल एक सड़क नहीं, बल्कि हमारे गांवों, हमारे युवाओं और हमारी आने वाली पीढ़ियों के सपनों को जोड़ने वाली विकास-धारा है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एवं एनएचएआई का आभार प्रकट करता हूँ कि उन्होंने हमारी आवाज को सुना और क्षेत्र की वास्तविक ज़रूरत को समझा। उन्होंने यह भी कहा कि इस सड़क के निर्माण से प्राकृतिक आपदा के समय राहत पहुँचाने में भी सुविधा होगी और पलायन की समस्या पर अंकुश लगेगा।

बारिश से मकान गिरा किसान परिवार परेशान

सेन्हा। प्रखंड क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। जिसके कारण प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत अन्तर्गत चंदवा और गढ़गांव में चार लोगों का कच्चा खपरैल मकान गिर कर क्षतिग्रस्त हो गया।जिसे गृहस्वामी किसानों को परिजनों के साथ रहने में काफी दिक्कत हो रही है। जानकारी के अनुसार बताया जाता है। शुक्रवार रात्रि में काफी तेज बारिश होने के कारण चंदवा ग्राम निवासी स्व. छेदु ठाकुर के पुत्र रामअयोध्या ठाकुर और चुईटा लोहरा का पुत्र ब्रजेश लोहरा और गढ़गांव निवासी स्व. बिहारु उरांव का पुत्र रंजीत उरांव तथा स्व. मंगलु उरांव की पत्नी गुंजरी उराइन का कच्चा खपरैल मकान गिर कर छतिग्रस्त हो गया है। जिसे इन लोगों को परिजनों के साथ रहने में काफी परेशानी हो रही है। वही मकान गिरने से किसी के हताहत होने की सूचना नही है। परन्तु घर मे रखा सामान और दैनिक उपयोग का वस्तु मिट्टी में दब कर नष्ट हो गया। साथ ही बताया जाता है। मकान गिरने से गुंजरी उराइन को हाथ और पैर में हल्की चोटें लगी है। वही मकान गिरने से गृहस्वामी किसानों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, चतरा।

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

चतरा जिला अन्तर्गत पिपरवार थाना कांड सं0-34/19, दिनांक-23.08.2019, धारा-341/323/ 384/307/34 भा0द0वि0, 27 आर्म्स एक्ट एवं 17(1)(2) सी0एल0ए0 एक्ट के फिरार अभियुक्त मनोज मुण्डा पे0-अजूर्न मुण्डा सा0-होसिर, टोला-नगडुआ, थाना-पिपरवार, जिला-चतरा के विरुद्ध निर्गत इस्तेहार का तामिला कराने के उपरान्त भी ये माननीय न्यायालय के आदेश का अवहेलना करते हुए फिरार है। यदि इस संबंध में किसी प्रकार की सूचना हो तो थाना प्रभारी पिपरवार/पुलिस निरीक्षक टण्डवा अंचल/अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, टण्डवा/पुलिस अधीक्षक, चतरा के कार्यालय के फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस अधीक्षक चतरा - 9431706359
अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, टण्डवा - 9771815777
पुलिस निरीक्षक टण्डवा अंचल - 8340584346
थाना प्रभारी पिपरवार - 7979987689

पुलिस अधीक्षक,
चतरा।

PR 358275 (Police) 25-26 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम पलामू, मेदिनीनगर

अति अल्पकालीन ई0निविदा आमंत्रण सूचना
ई0 पुर्ननिविदा संख्या–02/2025-26/RDD/NREP/PALAMAU

Re-Tender

1. कार्य का नाम :–

ग्रुप सं0	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्रा0राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आईडेन्टी फिकेशन संख्या
2	Estimate for the laying Flooring tiles and app waterproofing At SC Girl's Primary Residential School Dumri, chattarpur, Palamu for the Year 2024-25	छतरपुर	24.188	50000.00	5000.00	3 माह मात्र	02/2025-26/EE/RDD/NREP/PALAMU

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :–28.07.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :–05.08.2025 up to 5.00 PM बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–07.08.2025 पूर्वाहण 11.00 बजे
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम कार्यालय, मेदिनीनगर, पलामू।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 –7004461384
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी जवाबदेही आपकी होगी।

09. प्राक्कलित राशि बढ़ या घट सकती है।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय, ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,मेदिनीनगर, पलामू

PR 358298 NREP(25-26).D

महाविद्यालय में दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह आयोजित

एकल परिवार से टूट रही संस्कृति : शशिधर

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। कार्यक्रम में आए हुए दादा-दादी, नाना- नानी तथा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास ने भैया-बहनों को बताया कि दादा-दादी, नाना-नानी घरों में वट वृक्ष के समान होते हैं, वे बच्चों को हर बुराई से बचाते हैं और अपने जीवन अनुभव से बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की शिक्षा देते हैं। प्रीति कुमारी गुप्ता ने अतिथि परिचय तथा स्वागत कराया, इसके बाद नीतू दीदीजी के मार्गदर्शन में भैया-बहनों ने दादा-दादी, नाना-नानी पूजन किया जिसमें भैया बहनों ने अपने नाना- नानी, दादा -दादी के चरण धोए, तिलक लगाकर एवं प्रसाद खिलाकर उनकी आरती उतारी और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व प्रधानाचार्य के द्वारा सभी को अंग वस्त्र प्रदान किया गया। 12वीं विज्ञान एवं कला की बहनों के द्वारा स्वागत गीत और नृत्य प्रस्तुत किया गया। बहन नुसरत जहां ने दादा-दादी, नाना नानी के ऊपर एक कविता प्रस्तुत की।बहन अनन्या गोयल ने अपना अनुभव कथन रखा।उपाध्यक्ष विनोद राय ने कहा कि दादा-दादी,नाना-नानी से बच्चों का आत्मीय संबंध होता है, जो अमूल्य है। वह परिवार बहुत भाग्यशाली होता है जिनके घर में दादा-दादी, नाना- नानी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। बच्चों को दादा-दादी, नाना-नानी का सम्मान करना चाहिए और उनकी इच्छा पूर्ति करनी चाहिए। अध्यक्षीय आशीर्वचन में अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग एकल परिवार युग हो गया है तथा अन्य कारण से परिवार टूटता चला जा रहा है। एकल परिवार में चाचा-चाची, दादा-दादी नहीं मिलते हैं और संस्कृति हमारी टूटती चली जा रही है। संस्कार युक्त शिक्षा देने वाले विद्या भारती समय-समय पर भैया-बहनों में जीवन के विभिन्न रिश्ते संबंधों और अनुभव का विकास करने के लिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करते रहते है। उन्होंने आगे कहा कि "जिस घर में होते हैं, दादा-दादी, नाना- नानी उस घर की नींव होती है मजबूत"। कार्यक्रम का संचालन यशोदा कुमारी व धन्यवाद ज्ञापन रितेश पाठक ने किया। कार्यक्रम में सचिव अजय प्रसाद, भैया-बहनों के दादा-दादी, नाना- नानी, प्रीति कुमारी गुप्ता, रेणु कुमारी, रश्मि साहू, कविता कुमारी, सनोज कुमार साहू , युगेश कुमार साव,आरती भगत सहित एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पॉक्सो के मामले के आईओ की भूमिका अहम : जज अभिषेक कुमार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झालसा रांची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोहरदगा के मार्गदर्शन में 26 जुलाई 2025 को सिविल कोर्ट परिसर स्थित सभागार में एक दिवसीय मल्टी स्टेक होल्डर्स कंसल्टेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सिविल जज सीनियर डिविजन टू सह जेएम प्रथम क्लास अभिषेक कुमार, एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर सुमन कुमार, डिप्टी चीफ एलएडीसीएस नारायण साहू, मेडिकल ऑफिसर सदर अस्पताल दीप्ति मल्लिका कुजूर, सीडब्ल्यूसी चेयरपर्सन कुंती साहू उपस्थित रहे। साथ ही जिले में प्रतिनियुक्त विभिन्न थानों के पुलिस अधिकारी, एनजीओ प्रतिनिधि एवं अर्ध न्यायिक स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। वहीं कार्यशाला में सिविल जज सीनियर डिविजन टू सह जेएम प्रथम क्लास ने कहा कि पॉक्सो के मामले के आईओ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि पीड़िता की पहली मुलाकात आईओ से होती है। वहीं आईओ की पीड़िता के प्रति रवैया और व्यवहार केस को नई दिशा देती है। वहीं उन्होंने केस पर चिकित्सक, न्यायालय, लोक अभियोजक, डालसा सहित अन्य एजेंसियों की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सखी वन स्टॉप सेंटर काफी अच्छी विचार है। वहीं जांच के क्रम में पीड़िता को कई दिक्कतों से गुजरना पड़ता है। यदि सखी वन स्टॉप सेंटर में ही पीड़िता की जांच की सभी प्रक्रिया की जाए तो काफी अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि हमें पीड़िता के पुनर्वास के बारे में भी ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस तरह के राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें साल भर के किए गए कार्यों का डाटा तैयार किया जाता है। जिसे लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सभी राज्य से पदाधिकारी पहुंचते है। जहां सर्वोच्च न्यायालय के तत्वाधान में सभी विषयों पर विचार करते हुए चर्चा की जाती है कि पोक्सो एक्ट को कैसे अच्छी तरह से बेहतर कर सकते है। साथ ही जेजे एक्ट में कैसे अच्छी तरह से कार्य कर सकते है। वहीं डा दीप्ति मल्लिका कुजूर ने कहा कि घटना के तुरंत बाद यदि पीड़िता को चिकित्सीय जांच के लिए लाया जाता है तो अधिक से अधिक साक्ष्य एकत्र हो पाता है। वहीं किसी कारणवस चिकित्सीय जांच के लिए देर से लाने पर साक्ष्य सही से एकत्र नहीं हो पाता है। इसलिए प्रयास किया जाए कि पीड़िता को चिकित्सीय जांच के लिए जल्द से जल्द लाया जाए।

OFFICE OF THE CIVIL SURGEON-CUM-CHIEF MEDICAL OFFICER LATEHAR
OFFICE: SADAR HOSPITAL CAMPUS, LATEHAR, 829206

VERY SHORT E-TENDER NOTICE
Reference No: 02 (DMFT)

Notice Inviting Tender for Rate Contract for Selection of Agency for Work Related to Providing Human Resource and Tele-Consultation Facility for the Beneficiaries in Latehar District

The **Civil Surgeon Latehar**, invites bids (**online tender**) through the official website of **Latehar District Administration** and**Jharkhand procurement portal**https://jharkhandtenders.gov.infrom reputed & genuine **organizations** who are interested and eligible to provide human resource and tele-consultation facility for the beneficiaries in Latehar district.

Interested parties are requested to refer to the official tender documents for detailed specifications, terms, and conditions.

The tender shall be submitted in two stage and two parts, viz., technical bid and financial bid. All the pages of bid being submitted must be signed stamped by authorised signatory and sequentially numbered by the bidder irrespective of nature of content of the documents before uploading.

The bidders are required to regularly check the website to know about any/all such corrigendum(s) as only these bids, taking care of such corrigendum(s) shall be considered for finalisation of the tender.

The bid without EMD will be summarily rejected.

Note :- Further details can be seen on:
- https://jharkhandtenders.gov.in
- https://latehar.nic.in/.

Civil Surgeon,
Latehar

PR 358273 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)#D

भारी बारिश से चैनपुर-डूमरी-महुआडांड़ मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित, यात्रि रहे घंटों परेशान

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर, डूमरी और महुआडांड़ को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर कुंदई नदी पर बन रहे पुल के पास शुक्रवार देर शाम भारी बारिश के कारण आवागमन बाधित हो गया। पुल निर्माण के लिए बनाया गया डायवर्सन पानी के तेज बहाव के कारण डूब गया, जिससे घंटों तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।मिली जानकारी के अनुसार, कुंदई नदी पर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके लिए एक अस्थायी डायवर्सन बनाया गया था। शुक्रवार शाम हुई मूसलाधार बारिश के कारण डायवर्सन पूरी तरह से जलमग्न हो गया और पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि उसे पार करना असंभव हो गया। लातेहार निवासी सुगंति देवी ने बताया कि वह गुमला सदर अस्पताल से अपने पिता से मिलकर अपने गांव लातेहार जा रही थीं, तभी अचानक पानी का बहाव तेज हो गया और उन्हें कई घंटों तक फंसे रहना पड़ा। बरवेनगर निवासी आशीष खलखो ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह रास्ता उनके प्रखंड कार्यालय को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है और रात के समय पानी का तेज बहाव बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है यदि संवेदक इस पर ध्यान न दें। प्रखंड उप-प्रमुख प्रमोद खलखो ने बताया कि उन्होंने संवेदक को पहले ही सूचित किया था कि मॉनसून के अगले दो महीनों में भारी बारिश की संभावना है, इसलिए डायवर्सन को ऊंचा और मजबूत बनाया जाए ताकि आवाजाही में कोई समस्या न हो। उन्होंने संवेदक से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने का आग्रह किया ताकि लोगों को असुविधा न हो और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

जिला परिषद सदस्य मेरी ने भी इस घटना पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क निर्माण विकास की निशानी है, लेकिन छोटी सी चूक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने संवेदक से अपील की कि वे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराएं। घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी, एएसआई नंदकिशोर और थाना के जवान मौके पर पहुंचे। संवेदक ने जेसीबी की मदद से तत्काल डायवर्सन को सुधारने का प्रयास किया। कई घंटों बाद जब पानी का बहाव कम हुआ, तब जाकर फंसे हुए लोगों को नदी पार कराया जा सका और आवागमन सामान्य हो पाया।

टंगराटोली में भारी बारिश का कहर, परिवार बेघर व सरकारी मदद का इंतजार

डुमरी। डुमरी प्रखंड के टंगराटोली बस्ती में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसी का खामियाजा भुगत रही हैं पूजा कुमारी और उनका परिवार, जिनका कच्चा मकान अचानक बारिश के कारण ढह गया है। इस घटना में परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा है, और घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद यह परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है।पीड़िता पूजा कुमारी ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया, "हमारे घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं। इस बारिश के मौसम में खुले में रहना बेहद मुश्किल हो गया है। हमें डर है कि किसी भी वक्त बच्चों की तबीयत बिगड़ सकती है।" उन्होंने आगे कहा कि घटना के बाद से अभी तक उन्हें न तो कोई सरकारी सहायता मिली है और न ही किसी अधिकारी ने उनके हालचाल जानने की जहमत उठाई है ।पूजा कुमारी ने सरकार से जल्द से जल्द मदद की गुहार लगाई है।

बसिया में मंत्री ने किया पौधरोपण व साइकिल वितरण, कहा-

खेल व शिक्षा दोनों जरूरी हैं : चमरा लिंडा

- मंत्री ने बच्चों को दिया शिक्षा व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति, जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा शनिवार को गुमला जिले के बसिया प्रखंड स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पौधारोपण एवं साइकिल वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को प्रकृति संरक्षण, शिक्षा के प्रति समर्पण और खेलों में भागीदारी का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। छात्रों ने स्वागत गीत एवं पारंपरिक नृत्य की भी मनमोहक प्रस्तुति दी। मंत्री लिंडा ने अपने संबोधन में कहा की गुमला जिला खेल के क्षेत्र में झारखंड का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रौशन कर रहा है। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि बच्चों की बुद्धिमत्ता भी बढ़ाते हैं। उन्होंने विद्यालय में भविष्य में खेल मैदान निर्माण का आश्वासन भी दिया। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार जल्द ही दसवीं और बारहवीं के बाद कोचिंग सुविधा शुरू करने जा रही है। अगस्त से रांची में इसकी शुरुआत होगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मंत्री ने अपने हाथों से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और कहा की हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए। वृक्ष ऑक्सीजन देते हैं और जीवन की रक्षा करते हैं।" उन्होंने कहा कि झारखंड के सभी आवासीय विद्यालयों में अब पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जाएगा।

सरकार की ओर से स्कूल ड्रॉपआउट को रोकने के उद्देश्य से स्कूली बच्चों को साइकिलें वितरित की जा रही हैं। मंत्री ने कार्यक्रम में बच्चों को साइकिल सौंपी और खुद साइकिल चलाकर उसकी गुणवत्ता का निरीक्षण भी किया। विद्यालय के पासआउट छात्र सुधीर उरांव, जिन्हें बीआईटी सिंदरी में नामांकन मिला है, को मंत्री लिंडा ने सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपनाने की प्रेरणा दी और कहा कि शिक्षा ही जीवन को सकारात्मक दिशा देती है। उन्होंने विद्यालय में अस्पताल निर्माण एवं हॉस्टल में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित करने की बात भी कही। सिसई विधायक जिगा सुसारन होरो ने भी एकलव्य विद्यालय की प्रशंसा करते हुए बच्चों को शिक्षा में आगे बढ़ने की सलाह दी। कार्यक्रम में विभागीय सचिव कृपानंद झा, उपविकास आयुक्त दिलेश्वर महतो, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर शहीद विश्राम मुंडा को दी गई श्रद्धांजलि, परिजनों को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

भरनो। शनिवार को प्रखंड कार्यालय परिसर, भरनो में कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अरुण कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर कारगिल युद्ध में वीरगति प्राप्त करने वाले सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और भरनो प्रखंड के नवाटोली गांव निवासी शहीद सैनिक विश्राम मुंडा को विशेष रूप से स्मरण किया गया।

अपने संबोधन में बीडीओ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि देश सेवा से बड़ा कोई कर्तव्य नहीं होता, और जब भी अवसर मिले, प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में शहीद हुए 257 सैनिकों का बलिदान देश कभी नहीं भूलेगा, और उनका त्याग आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान शहीद विश्राम मुंडा की बहु संजू मुंडा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। बीडीओ ने आश्वस्त किया कि शहीद परिवार को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस सम्मान से भावुक हुए परिजनों ने प्रखंड प्रशासन के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शहीद विश्राम मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया, तथा दो मिनट का मौन रखकर कारगिल युद्ध में शहीद हुए सभी वीर सैनिकों को नमन किया। कार्यक्रम में सीआई शाहिद अनवर, सीडीपीओ नीलम केरकेट्टा, पंसस जहांगीर आलम, एई मोहम्मद वसीम, जेई ब्रजेश उरांव, अंसुमन सिंह, गणेश मुंडा, संदीप कुमार, अब्दुल्ला बक्स, रोहित सारंगी, उर्मिला जयसवाल, अर्जुन केशरी, ललन राम, सुमन देवी सहित प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कई कर्मी उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

बीडीओ ने की शिक्षा विभाग के कर्मियों के साथ बैठक, दिए कई दिशा निर्देश

घाघरा। घाघरा बीडीओ दिनेश कुमार के कार्यालय कक्ष में स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटी की बैठक शुक्रवार को हुई। इस दौरान मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में सुधार का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। बैठक में शिक्षा विभाग के सभी कर्मियों को मध्याह्न भोजन बनाने के क्रम में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने, बच्चों की ऊंचाई एवं वजन हर एक महीने के अंतिम सप्ताह में 100 प्रतिशत पूर्ण करने, स्कूल में कार्यरत रसोईया सह सहायिका जिनकी उम्र 50 वर्ष पूर्ण कर चुकी है उनको राज्य वृद्धा पेंशन योजना से आच्छादित करने, उनके उचित इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड बनवाने, जिन स्कूलों में चार दिवारी है उन स्कूलों में पोषण वाटिका मनरेगा के तहत निर्माण कार्य पूर्ण करने, मध्यान भोजन मेनू का दिवाला लेखन करने, बच्चों की स्वास्थ जांच एवं बच्चियों को समय पर आईएफए गोली देने का निर्देश दिया गया ।साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा जर्जर भवन की सूची तैयार कर उपायुक्त महोदय के समक्ष प्रस्तुत करने की बात कही गई ।स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर प्रत्येक विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच का कैंप आयोजन करने पर जोर दिया गया। साथ ही साथ सभी विद्यालयों में पंजी का संधारण करने को कहा गया। बैठक में शिक्षा विभाग के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी पुष्पा टोप्पो, अमित कुमार, सहित शिक्षा विभाग के कई कर्मी उपस्थित थे ।

मरम्मत कार्य के चलते चैनपुर, डुमरी व जारी में बिजली गुल

गुमला। गुमला के रायडीह क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चल रहे मरम्मत कार्य के कारण चैनपुर, डुमरी और जारी प्रखंडों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। इस व्यवधान से इन क्षेत्रों के हजारों उपभोक्ता प्रभावित हुए हैं। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रायडीह में बिजली आपूर्ति बाधित होने के चलते यह मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मरम्मत कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इसके तत्काल बाद, 33 हज़ार वोल्ट की लाइन का ट्रायल किया जाएगा ताकि प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सामान्य हो सके। विभाग ने उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि बिजली जल्द से जल्द बहाल कर दी जाएगी। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक चैनपुर, डुमरी और जारी में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई थी।

थाना दिवस चार मामलों का त्वरित निष्पादन

चैनपुर। चैनपुर थाना परिसर में शनिवार को अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता और थाना प्रभारी कुंदन चौधरी की अगुवाई में थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल चार मामले सामने आए, जिनका मौके पर ही त्वरित निष्पादन किया गया।चैनपुर के अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता ने बताया कि उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया जाना था। आज के थाना दिवस में प्राप्त अधिकांश मामले भूमि विवाद से संबंधित थे, जिनका तुरंत निपटारा कर दिया गया। इस अवसर पर सीओ दिनेश गुप्ता, थाना प्रभारी कुंदन चौधरी, एसआई अशोक कुमार, दिनेश कुमार सहित थाना और अंचल के कई कर्मी मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता के साथ वाहन चेकिंग अभियान, जुर्माना वसूला गया

गुमला। जिले में उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक गुमला के निर्देश पर पालकोट थाना क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष मोटरसाइकिल वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना कागजात व सुरक्षा उपकरणों के पाए गए वाहन चालकों से 17,000 की दंड राशि वसूली गई। इस अभियान में मोटरयान निरीक्षक रॉबिन अजय सिंह और सड़क सुरक्षा प्रबंधक कुमार प्रभास की देखरेख में कुल 25 वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया गया। सड़क पर बढ़ते हादसों को देखते हुए चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग और अन्य ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई। सड़क सुरक्षा काउंसलिंग के दौरान चालकों को बताया गया कि कैसे सुरक्षा नियमों का पालन करके न केवल वे अपनी जान की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों को भी सुरक्षित रख सकते हैं।

मासिक थाना दिवस का आयोजन

64 मामलों का हुआ त्वरित निष्पादन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि विवाद, आपसी तनाव और थाना स्तर की शिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शनिवार, 26 जुलाई 2025 को सभी थाना क्षेत्रों में मासिक थाना दिवस का आयोजन किया गया। यह विशेष अभियान उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसमें संबंधित अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, राजस्वकर्मी और अन्य विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। मासिक थाना दिवस का मूल उद्देश्य यह है कि ग्रामीण स्तर पर उत्पन्न छोटे-बड़े विवादों और शिकायतों को स्थानीय स्तर पर, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ त्वरित रूप से हल किया जाए, जिससे लोगों को जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता न हो।

आज के थाना दिवस में जिलेभर से कुल 115 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें भूमि विवाद, अवैध अतिक्रमण, रास्ते के झगड़े, पारिवारिक विवाद, वैवाहिक समस्या और अवांछित गतिविधियों से संबंधित मामले शामिल थे। इनमें से 64 मामलों का समाधान मौके पर ही आपसी सहमति, साक्ष्य और प्रशासनिक हस्तक्षेप से कर दिया गया, जबकि शेष 51 मामलों की जांच प्रक्रिया शुरू की गई है, जिनका निष्पादन निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाएगा। गुमला थानाः 18 में से 12 मामलों का समाधान, रायडीहः 7 में से 3, चैनपुरः 10 में से 5, डुमरीः 12 में से 9, जारीः 3 में से 2, घाघराः 8 में से 5, विशुनपुरः 12 में से 5, भरनोः 16 में से 4, पालकोटः 7 में से 3, बसियाः 15 में से 10, कामडाराः 7 में से 6 थाना दिवस के माध्यम से पूर्व में जन शिकायत निवारण दिवस में प्राप्त कुछ लंबित मामलों को भी थाना स्तर पर भेजा गया था, जिन पर आवश्यक कार्रवाई कर समाधान प्रदान किया गया। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि थाना दिवस के माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों को न्यायसंगत, समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से प्राथमिकता पर निपटाया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक माह की 26 तारीख को जिले के सभी थानों में नियमित रूप से थाना दिवस आयोजित किया जाए, ताकि नागरिकों को जिला मुख्यालय पर निर्भर न रहना पड़े और वे अपने निकटतम थाना स्तर पर ही न्याय प्राप्त कर सकें।

जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे भूमि विवाद, पारिवारिक तनाव, आपसी झगड़े, रास्ते की समस्या या अन्य थाना संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए हर माह की 26 तारीख को अपने थाना में पहुंचें और प्रशासनिक सहयोग के साथ अपनी समस्याओं का निवारण सुनिश्चित करें।

प्रखंड सह अंचल कार्यालय में मनाया गया 'अंचल दिवस'

288 में से 203 मामलों का त्वरित निष्पादन, लोगों को मिली राहत

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। प्रखंड सह अंचल कार्यालय के परिसर में शनिवार को उपायुक्त गुमला की अध्यक्षता में अंचल दिवस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों से कई मामलों का निपटारा किया गया। जिसमें भूमि विवाद, भूमि सत्यापन प्रतिवेदन, भू धारण प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, पारिवारिक सदस्यता, भूमि विवाद, पंजी 2 सुधार, दाखिल खारिज, विविध आवेदन जैसे मामलों में कुल आवेदनों की प्राप्ति 288, निष्पादन 203, वहीं 85 आवेदनों पर जांच का आदेश दिए गए। अंचल दिवस पर वितरण से संबंधित प्रतिवेदन में 19 दाखिल खारिज शुद्धि पत्र,13 पारिवारिक सूची,6 भू धारण प्रमाण पत्र, 23 किसान क्रेडिट कार्ड और 6 सामाजिक सुरक्षा पेंशन का वितरण किया गया। ग्राम पंचायत भदौली निवासी मालती देवी पति अनिल गोप का कच्चा मकान शुक्रवार रात को अति वर्षा होने के कारण ढह गया है मालती देवी एक गरीब व असहाय महिला है और आर्थिक रूप से बहुत कमजोर है एक पुत्र है वो भी पूरी तरह विकलांग है इनका कोई सहारा नहीं है घर घर जाकर दाई का काम कर अपनी व अपने विकलांग पुत्र का पेट पालती है मालती देवी को अबतक कोई भी आवास योजना तहत लाभ नहीं मिला है। फिलहाल इनके रहने का कोई आशियाना न होने के कारण इनके सामने रहने की मुसीबत पड़ गई है अंचल दिवस शिविर आकर लिखित आवेदन देते हुए प्रशासन से आशियाना की गुहार लगाई है। अब देखना यह है कि कब तक प्रशासन इस असहाय महिला को सर छुपाने के लिए छत मुहैया करा पाती है। साथ ही बाल विकास परियोजना कार्यालय में प्रखण्ड क्षेत्र के पांच गर्भवती महिलाएं शोभा मुडाईन , पति कमल लोहरा ग्राम कुदरा, निशु कुमारी पति जोसेफ एक्का ग्राम डाडहा, गुड़िया कुमारी पति सुदामा उरांव ग्राम बांस टोली, बिरसी कुमारी पति हरदेव उरांव ग्राम गुरुगांव, रुपनी उरांव पति प्रकाश उरांव ग्राम कुदरा को प्रखंड प्रमुख एवं बीडीओ के द्वारा गोद भराई का रस्म अदा किया गया। एवं अन्न प्रासन योजना अंतर्गत दो शिशु आकृति कुमारी माता आभा कुमारी और भाग्यश्री माता अनीता देवी का मुंह जूठी किया गया। तथा सहिजाना ग्राम के सुधा कुमारी व नगर दसई टोली की मरियम बाखला को सहायिका के पद पर चयन करते हुए नियुक्ति पत्र दिया गया। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के नहीं आने पर ग्रामीणों में खासा नाराजगी देखा गया। मौके पर उप समाहर्ता सचिंद्र बड़ाइक, अनुमंडल पदाधिकारी राजीव नीरज, प्रखंड प्रमुख मीना देवी, बीडीओ रमेश कुमार यादव, सीओ नितेश रोशन खलखो, सिसई थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह, पुसो थाना प्रभारी प्रकाश तिर्की, अंचल निरीक्षक चंदरू उरांव, कल्याण पदाधिकारी शैलेश प्रसाद यादव, प्रधान सहायक राकेश कुमार सुमन सहित प्रखंड व अंचल कर्मी उपस्थित थे।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

मछली–सह–बत्तख पालन हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या 10 रा0 (वि0) दिनांक 04.07.2025 के आलोक में गढ़वा जिले के मत्स्य कृषक/**RFF** समूह को समेकित मत्स्य पालन की ओर उन्मूख करने तथा उनकी आय में बढ़ोतरी हेतु निजी तथा सरकारी क्षेत्र के लिए राज्य योजनान्तर्गत समेकित मत्स्य पालन योजना के तहत मछली–सह–बतख पालन की योजना है, इस योजना अन्तर्गत गढ़वा जिले को प्राप्त भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	योजना का नाम	कोटि	भौतिक लक्ष्य (युनिट में)	इकाई लागत	अनुदान की राशि
1	2	3	4	5	6
1.	समेकित मत्स्य पालन (मछली–सह–बत्तख पालन)	सामान्य	03	153350/– प्रति 0.4 हे0 जलक्षेत्र।	अ0जा0/अ0ज0जा0/महिला कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंषदन 80% (अधिकतम 122680 रुपये होगी) एवं अन्य सभी कोटि के लाभुकों के लिए 70% (अधिकतम 107345 रुपये होगी) तथा शेष सभी राशि लाभुक द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा।
		अ0ज0जा0	01		
		अनु0जा0	01		
		कुल–	05		

नियम व शर्तें :–

1. एक एकड़ अथवा उससे बड़े जलक्षेत्र के तालाबों को प्राथमिकता दी जायेगी। किन्तु एक स्थल/लाभुक पर एक युनिट (160 डकलिंग) ही स्वीकृत किया जायेगा। 0.2 हे0 जलक्षेत्र पर मछली–सह–बत्तख पालन योजना के लिए राज्य सरकार के अंशदान की राशि समानुपातिक रुप से लागू होगी।
2. आर0एफ0एफ0 के लिए भी प्रति स्थल अधिकतम दो इकाई की परियोजना होगी एवं लाभुक अंशदान वहाँ कार्यरत लाभुक समूह/म0जी0स0स0 द्वारा वहन किया जायेगा।
3. लाभुक का अपना निजी तालाब अथवा वित्तीय वर्ष 2025–26 से तीन वर्षो के लिए लीज पर होना आवश्यक है।
4. प्रस्तावित स्थल आबादी के नजदीक हो एवं जिला मुख्यालय के नजदीक के आवेदकों को प्राथमिकता दी जायेगी।
5. लाभुक के अंशदान तथा अनुदान की प्रथम किस्त की राशि से बत्तख घर (Duck House) का निर्माण, Starter feed/Medicines तथा Duckling के क्रय किये जायेंगे। (Duck House) लाभुकों द्वारा स्थानीय स्तर पर बनवाया जायेगा।

उपर्युक्त विवरण एवं शर्तों के अधीन इच्छुक मत्स्य पालक/RFF समूह से विहित प्रपत्र में दिनांक 18.08.2025 अप0 5:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन का प्रपत्र कार्यालय में निःशुल्क उपलब्ध है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

PR 358277 (Fish) 25-26 (D)

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

आवेदन आमंत्रण सूचना।

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के विभागीय राज्यादेश संख्या–10 रा0 (वि0) दिनांक 04.07.2025 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना" अन्तर्गत निम्नांकित योजनाओं के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं जो निम्वत् है :–

क्र0	योजना इकाई का नाम	भौतिक लक्ष्य		इकाई लागत	अनुदान की राशि	लाभुक अंशदान	अहर्ताएँ
		101	789				
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गढ़वा जिले के निजी क्षेत्र के तालाबों में मत्स्य पालन से अच्छादन हेतु उत्पादित मत्स्य अंगुलिकाओं के क्रय में सहायता (एकड़ में)	80	30	1875 प्रति एकड	1875 प्रति एकड़	1875 प्रति एकड़।	1. आवेदक का निजी तालाब हों। 2. स्थानीय स्तर पर मत्स्य अंगुलिकाओं के क्रय में 50 प्रतिशत अनुदान अथात् 1.00 एकड़ जलक्षेत्र (5000 हजार बीज प्रति एकड) में 1875 रु0 सहायता राशि देय होगा। 3. वैसे आवेदक जो चालू वित्तीय वर्ष में झास्कोफीश/विभागीय फिश फीड मिल से फीड प्राप्त किये हों। को प्राथमिकता दी जायेगी। 4. विभाग द्वारा मत्स्य स्पॉन प्राप्त करने वाले मत्स्य बीज उत्पादक एवं उनके परिवार को यह लाभ देय नहीं होगा।
2	मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के लिए सामान्य नाव (सं0 में)	05	–	33000 रु0	30000 प्रति नाव	3000 प्रति नाव	1. सामान्य नाव मत्स्यजीवी सहयोग समिति अथवा समिति के सदस्यों को दिया जाना है।
3	मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के लिए मोटरचालित नाव (सं0 में)	01	01	414000 रु0	372000 रु0	41400 रु0	1. यह योजना जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति लाभुक समिति को यह योजना का लाभ देय है।
4	मत्स्यजीवी सहयोग समिति/सदस्यों के लिए गिलनेट (इकाई में) प्रति इकाई 05 कि0ग्रा0 (इकाई में) प्रति इकाई 05 कि0ग्रा0।	20	05	590 प्रति कि0ग्रा0	531 प्रति कि0ग्रा0	59 प्रति कि0ग्रा0	1. जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति/सदस्य एवं विस्थापित अथवा प्रवासी मजदूरों को यह योजना का लाभ देय है। 2. इस योजना में सरकार का 90 प्रतिशत् अनुदान एवं 10 प्रतिशत लाभुक अंशदान है। एक लाभुक को अधिकतम 5 कि0ग्रा0 गिल नेट देय है। 3. आवेदक को अपना अंशदन लगाने की लिखित सहमति एवं विगत दो वर्षो का मछली शिकारमाही का आँकड़ा लिखित रुप में आवेदन के साथ संलग्न करना है।
5	नये RFF का अधिष्ठापन (सं0में)	08 (40m X5m)	-	86000 रु0 इनपुट सहित	–	–	1. इस योजना का लाभ मत्स्यजीवी सहयोग समिति अथवा समूह को दिया जाना है। 2. मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक द्वारा योजना स्थल जॉचोपरांत चयनित किया जायेगा।

उक्त योजना हेतु इच्छुक मत्स्य पालक/मत्स्यजीवी सहयोग समिति/सदस्य एवं विस्थापित अथवा प्रवासी मजदूरों/केज मत्स्य पालक/एवं नये आर0एफ0एफ0 के लिए मत्स्यजीवी सहयोग समिति अथवा समूह से दिनांक 14.08.2025 तक जिला मत्स्य कार्यालय में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। मत्स्य पालन के क्षेत्र में प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिकता दी जायेगी। विशेष जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में आकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नोट :– आवेदन कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

PR 358279 (Fish) 25-26 (D)

जियो तो ऐसे जियो

आज सभी रामादेवी के जन्मदिन की पार्टी में सम्मिलित हुए थे। मोहल्ले के सभी बुजुर्गों ने अपना एक ग्रुप बनाया था। सभी एक दूसरे का ख्याल रखते थे, तथा मिल जुलकर हँसी-खुशी जीवन व्यतीत करते थे। लेकिन सभी को एक ही तकलीफ और शिकायत थी कि बच्चों को उनकी फ़िक्र नहीं है। जन्मदिन और शादी के सालगिरह पर केक और फूलों का गुलदस्ता भेज देते हैं। लेकिन मां-बाप से दो मिनट फोन पर बात कर उनका हालचाल नहीं पूछते हैं ।उनके मित्र मंडली में एक राधेश्याम थे, जो उनको हमेशा अपने बच्चों को कोसने पर, ऐसा करने से मना करते थे ।कहते,"आप लोगों ने इतना मेहनत करके उन्हें इस योग्य बनाया है कि वे लोग अपनी जिन्दगी खुशी से व्यतीत कर सकें। आज जब वे लोग खुश हैं ,तो आप लोगों को भी खुश होना चाहिए। " सभी उन पर ताना मारते कि उनकी कोई औलाद नहीं है, इसलिए वे इस तरह के उपदेश देते हैं। आज इसी बात पर चर्चा हो रही थी कि राहुल ने अपनी मां रमा देवी के जन्मदिन पर केक और फूलों का गुलदस्ता ऑनलाइन भेज दिया पर अभी तक उसने फोन करके अपनी मां को जन्मदिन की शुभकामना नहीं दी है ।तभी रामादेवी के फोन पर राहुल का फोन आया। सभी खुश होकर चिल्लाने लगे, फोन स्पीकर पर रखना। हमलोग भी सुनना चाहते हैं कि राहुल तुम को कैसे विश करता है। रामादेवी फोन स्पीकर पर रखकर बोली," रात होने को आई तुम्हें अब अपनी मम्मी को विश करने की फुर्सत मिली है। केक और फूलों का गुलदस्ता सुबह-सुबह भेजने से क्या होता है।" " केक और फूलों का गुलदस्ता मैंने तो नहीं भेजा।"..... राहुल बोला। "तो किसने भेजा??"..... सभी जोर से चिल्ला उठे। सब इधर उधर देखने लगे। राधेश्याम जी सर नीचा करके बैठे थे। "राधेश्याम जी ,आपने भेजा था?"..... सबकी निगाहें राधेश्याम जी पर टिक गयी। " हां ,मैंने भेजा था और मैं ही सब के जन्मदिन और शादी के सालगिरह पर भी केक और गुलदस्ता भेजता हूं।"..... राधेश्याम जी बोले," मुझे अच्छा लगता है, जब आप लोग इससे खुश हो जाते हैं।" सभी अभी भी राधेश्याम जी को अविश्वास के साथ उन्हें देख रहे थे।

रंजना वर्मा "उन्मुक्त"

कर्जा लेने का सुख

ललन शर्मा

बहुत सालों से कहता सुनता आया हूं कि अपने देश में कर्ज़ा बढ़ता जा रहा है। देश का कर्ज़ा आबादी की तरह बढ़ता जा रहा है। देश में लोग कर्ज़ा ले रहे हैं सरकार कर्ज़ा ले रही है, देश कर्ज़ा ले रहे हैं। व्यापारी, किसान, नौजवान, कंपनी कर्ज़ा ले रही है। हर महकमे, हर कार्यालय में,हर तरफ कर्ज़ा पर चर्चा चल रही है। इस बात पर मेरे कमजोर दिमाग को लगा की कर्ज़ा जरूर ही एक ममतामई अमृत है जो अमृत मंथन के समय उत्पन्न कुंभ से छलक कर पूरे पृथ्वी पर फैल गया होगा क्योंकि मुझे हर सुखद घटना पर शोध करने का सुख प्राप्त है तो लगे हाथों इस विषय पर खटाखट शोध कर ही लिया। मेरे हिसाब से क़र्ज़ लेना पृथ्वी वासियों का पारंपरिक और सांस्कृतिक हक है। ऊपर वाले ने इंसान को कर्ज लेने के लिए ही जिंदगी दी है। मेरे शोध के दौरान एक दैविक पुरुष ने बताया था कि क़र्ज़ लेकर घी पीने से तो एक मानसरोवरी सुख की प्राप्ति का योग बनता है। वह इंसान ही क्या जो बगैर क़र्ज़ लिए अपने मेहनत के पैसे से जीवन यापन करें। शोध के दौरान पता लगा की कर्ज़ लेने का वैश्वीकरण बहुत पहले से हो चुका है दुनिया में कर्ज़ देने वाली संस्था बनी हुई यह संस्था अमीर देश का पैसा लेकर गरीब देश को कर्ज देने का सुख प्राप्त करती है और तो और यह गरीब देश कर्जा लेकर अपने से ज्यादा गरीब देश को कर्ज बांटने का सुख प्राप्त करती है।

मेरे ख्याल से जब समाज में व्यापार जैसी व्यवस्था का पदार्पण हुआ होगा तो लोग अपने पैसे से ही व्यापार करते होंगे। व्यापारी में इतनी ईमानदारी होती होगी कि व्यापार लाभ से भारत सोने की चिड़िया कहलाने लगा होगा। बाद में व्यापार एक कला में बदल गई कुछ व्यापारियों में चतुर लिंगम टाइप का वायरस घुस गया होगा और उनके मन में यह आया होगा कि कर्ज लेकर धंधा करने में ज्यादा सुख है। इस सुख का विस्तार भी तेजी से हुआ है। और तो और कर्जा लेकर उसे न चुकाने, दूसरे देश भाग जाने का सुख तो और भी रोमांसकरी हो जाता है ।हमारे देश में तो सरकारी और बैंक व्यापारियों को बुला बुलाकर दर्जा देती है और कर्ज को बैंक के बट्टे खाते में डालने का सुख प्राप्त करती है। मेरे शोध के दौरान एक सज्जन से मुलाकात हुई थी। नाम था उधार नारायण, उनकी अपनी जिंदगी उधार मांग कर ही चलती है। उनका मानना है कि उधार लेना एक कला है इससे व्यक्ति शक्तिशाली होता है। उनका क़र्ज़ शब्द से आपत्ति है। उनके आदर्श है पड़ोसी देश। जो कर्जा मांग मांग कर अपना देश चला रहा है और रत्ती भर भी बेज्जती महसूस नहीं करता है। देने वाले के हिम्मत को भी वह सलाम करते हैं।

आजादी के बाद लोग कर्ज लेने के मामले में एकदम आजाद हो गये। सरकार भी कर्ज देने के मामले में उदार हो गई। बड़े लोग बड़े-बड़े कर्ज लेने लगे,छोटे लोग छोटे-छोटे कर्ज। छोटे लोग आदर्शवादी रह गए समय पर कर्ज चुका दिया करते थे। बड़े लोग पार्टीवादी ठहरे, पार्टी में चंदा देखकर कर्ज लेने और न चुकाने का परम सुख प्राप्त करने की अनुभूति करने लगे और तो और कर्जा लेकर विदेश भाग कर वहां स्वर्गमयी जीवन यापन योग का भी योग बनता है।

इस कर्जाकारण की विकास दर को देखते हुए सरकार ने इसका उदारीकरण कर दिया और कर्ज माफी योजना, कर्ज ले लो योजना, कर्ज लेकर घी पीयो योजना आदि को लागू कर दिया। आधुनिक युग में तो सरकारों ने इसका नवीनीकरण कर दिया अब सरकार कहती है कर्ज लेना अच्छी बात नहीं है, इस लोक लाज का भय रहता है। बैंकों के मैनेजर को, सरकार को जवाब भी देना पड़ता है। इसी सम्मान को बचाने के लिए अब सबकुछ फ्री कर दिया गया है। जैसे नगद राशि योजना, महिला सम्मान योजना, लाडली बहना योजना, अम्मा मैया योजना, फ्री बिजली योजना, फ्री राशन योजना, फ्री सरकारी शिक्षा, फ्री भोजनालय योजना। इस योजना से पैसा बांटने वाले और पैसा लेने वाले दोनों की बल्ले बल्ले होती है। ना कर्ज दिखाने का डर, न चुकाने का। कर्ज नहीं चुकाने पर इस परंपरा को तोड़ते हुए सरकारी क़र्ज़ को बट्टे खाते में डाल देती है।

इससे बैंक मैनेजर का और कर्ज लेने वाला का और पार्टी फंड का खाता स्विस बैंक में खुल जाता है। कर्ज लेने को आसान बनाने के लिए लोगों के आधार कार्ड को ही एटीएम कार्ड बना दिया गया है। किसी भी प्रज्ञा केंद्र पर जो अंगूठा लगाओ और कर्ज़ा सम्मान निधि पाओ। कर्ज लेने के इस अक्षर शाश्वत कला को आगे बढ़ाने के लिए हम सबको कर्ज लेने का सुख प्राप्त करना चाहिए ताकि हम सब देश को एक कर्जखोर मूल्क बनाने में योगदान दे सके।

मौत का सामान

मैं बालेश्वर चाचा से उनके शिकार खेलने और जंगल में भटकने की अनेक कहानियां सुनी थी। कैसे एक बार बाघ से बचते बचाते पेड़ पर लटक कर सारी रात बिताई थी? कैसे एक बार जंगली हाथी उनके गाड़ी को पलट कर उस पर चढ़ बैठा था ? कैसे एक बार घायल हिरनी के पैर से काँटा निकाल उसे नई जिंदगी दी थी ?

हम बच्चे डालेश्वर चाचा को सदा "डालेसर चा" कहते थे। अच्छी तरह से नाम लेने के संबंध में कभी नहीं सोचा। जब भी मिलते एक प्रश्न पूछना कभी नहीं भूलती कि ---"डालेसर चा, ये जो आपकी दाहिने हाथ की दो उंगली बची है यह कैसे बची? बाकी तीन उंगली तो बाघ के पेट में चली गई।" फिर हम बिना जवाब का प्रतीक्षा किए ही दूसरा प्रश्न दाग देते--- "डालेसर चा ,जब आप बाघ से लड़ रहे थे तो बाघ और आपके बीच कितनी दूरी थी?" वो हँसकर बोलते --- "उस समय क्या हम इंच टेप लेकर नापते कि बाघ और हमारे बीच कितनी दूरी है ? भई,हम घबराए थे और गुर्राते हुए बाघ को देख बचने की तरकीब सोच रहे थे।"

गीता सिन्हा गीतांजलि

हमारे गाँव में बेलतर सभी बड़े बुजुर्गों की जमावड़ा लगती थी। सब ठंडी छाँह का आनंद लेते और गाँव के आस पास घटी रोमांचक घटनाओं को सुनते सुनाते। अक्सर डालेसर चा वहीं भेंटाते थे। हम बच्चे ये कहानियाँ सुन रखे थे। फिर भी उनके मुख से, वही अंदाज , वही भय के माहौल का वर्णन सुनना चाहते थे, जिससे हम रोमांचित हो जाएँ। डालेसर चा कहते जाते थे-- "यही अगहन का महीना था ,हर जगह धनकटनी लगी थी। जंगल पेड़- पौधों की सरसराहट से और ठंड से कांपता सा लगता था। हमारे सिर पर शिकार का भूत सवार था। सो हम और मेरा मित्र बालेश्वर हाथों में दोनाली थामें बाघ की टोह लेते हुए ,जंगल के भीतर घुसते जा रहे थे। किसी जानवर की आवाज मिलते ही हम दोनों एक दूसरे को कनखियों से ताकते और किस जानवर की आवाज है यह पहचानने की कोशिश करते। जंगल में जहाँ जहाँ संभावना थी हम वहाँ वहाँ गए। एक खटका होते ही हम चौंक जाते "शायद बाघ हमारे आस पास ही है जो झाड़ियों के कारण दिखाई नहीं दे रहा है। "हमने ग्रामीणों से सुन रखी थी कि जंगल के बाद जो जतिया नदी बहती है उसमें दोपहर के समय बाघिन पानी पीने आती है।" दबे पाँव हम वहाँ भी पहुँचे तो कहीं नामोनिशान नहीं था।

दोपहर के तीन बज रहे थे ।हम सुबह से भटक रहे थे। गाड़ी सड़क पर छोड़ कर जब जंगल में घुसे थे तो सुबह के आठ बज रहे थे। अब भूख प्यास भी लग रही थी। पानी का बोतल गाड़ी में थी। हम सड़क पर लौटने का मन बना लिए। लगा आज का दिन शायद ऐसे ही व्यर्थ जाने के लिए ही आया था। अब हम लौट चलें।

सड़क पर पहुँचकर गाड़ी में घुसे, पानी पीकर थोड़ा सुस्ताने के लिए सीट पर लेटे ही थे। बालेश्वर अभी इसी ओर आ रहा था। बालेश्वर की चीखने की आवाज आई--- "डालेसर बाघ आ गया है......." मैं दरवाजा बंद करना भूल गया था। अब बाघ अपना दोनों पैर चढ़ा चुका था सीट पर। मैं घबराया, उठकर घुटनों के बल बाघ के पंजा पर अपना दोनों पंजा रख पूरी शक्ति से गाड़ी के बाहर धकेला। बाघ अपना मुंह खोल मुझ पर हमला कर दिया। उसने मेरी उंगलियां चबा डाली। रक्त की बूंदे सीट पर गिरीं ।मैं चीखा तभी बालेश्वर जो परिस्थिति का भयावहता समझ चुका था। उसने हवाई फायरिंग की। मैं मौत का सामान इतना निकट देख हक्का-बक्का था। बाघ आवाज सुनकर भागने को मुड़ा। बालेसर मेरी कटी उंगलियों को थाम, रुमाल से रक्त की धारा बंद करने का प्रयास करने लगा। मुझे अनुभव हुआ कि मेरी रूकीं सांसें अब चल रही है। हम बच्चे कहानी सुनकर भय का अनुभव कर रहे थे । बेलतर से घर भागने का बहाना ढूंढ रहे थे।

सैनिक का रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर्व सुहाना, याद बहुत आती है बहना;
मातृभूमि की रक्षा मे हूँ, वापस कैसे आऊँ अँगना!
सरहद पर संकट के बादल, रह-रह कर घिरते रहते हैं,
सुनो, 'पाक' पापी के करतब, विष ही नित उगला करते हैं।
धूर्त चीन का उसे समर्थन, गिद्ध-दृष्टि-द्वय से है बचना,
वापस कैसे आऊँ अँगना!
देश-विभाजन त्रासद निर्णय, अँग्रेजों की कुटिल चाल
थी, गद्दारों ने कपट किये
थे, मानवता इक छद्म
ढाल थी।
हिन्द अखंड न रह पाया
तब, 'जिन्ना' का सच था
अब सपना,
वापस कैसे आऊँ
अँगना!
'ड्रैगन' वार करे धोखे
से, तिब्बत-न्यारा निगल
गया है, तालिबान-आतंकी-लश्कर, विषधर बिल से
निकल गया है।
पर, भारत की जय ही होगी, सीना तान खड़ी है सेना,
वापस कैसे आऊँ अँगना!
थोपे गए समर हैं कितने, कितने खून बहे
सरहद पर, हिन्दी-सैनिक महाकाल-सा, नाज़ हमे
ताकत अनहद पर।
बगुलाभगतों की यारी से, हमे भला क्योंकर है डरना,
वापस कैसे आऊँ अँगना!
मान तिरंगे का ही करना, अगर लिपटकर मै घर आऊँ,
नीर बहाना मत, री! दृग से, जन्मभूमि
पर बलि-बलि जाऊँ।
अक्षत-रोली-तिलक लगाकर, राखी बाँध
विदा फिर करना,
वापस कैसे आऊँ अँगना!

मनोज कुमार झा 'मनु'

गजल

अभिनव अरुण

जतन हम लाख कर लें दु:ख के फेरे
आ ही जाते हैं।
सुनहरी धूप में बादल घनेरे आ ही जाते हैं।
सियासत के हरेक उत्सव में चंबल सा ही होता है,
बारात आने से कुछ पहले लुटेरे आ ही जाते हैं।
उन्हें मालूम हमने पाल रखे आस्तीनों में,
बजाते बीन अक्सरहा सपेरे आ ही जाते हैं।
ये माल असबाब रिश्ते और नाते फ़ानी हैं फिर भी,
जुबां पर सबके तेरे और मेरे आ ही जाते हैं।
अजब है दौर कि ज्योंही पतन का ज़िक्र आता है,
हमारे ज़हन में संतों के डेरे आ ही जाते हैं।
मछलियां तब समझती हैं कि उनको ख़तरा
किनसे था,
सुनहरे जाल लेकर जब मछेरे आ ही जाते हैं।
यूँ कुव्वत आज़माने का हरेक को मिलता है मौक़ा,
मुकाबिल जुगनू के अक्सर अँधेरे आ ही जाते हैं।
अजब रिश्ता है ये भी कि ज़रा सी खोंच लगते ही,
हमारे दरमियाँ वो सात फेरे आ ही जाते हैं।
ये कुदरत आसमां पर जैसे ही कोहबर सजाती है,
सितारे बाहों में चन्दा को घेरे आ ही जाते हैं।
तेरे खत कॉल या मैसेज भले मुझको नहीं मिलते,
आभासी दुनिया से अपडेट तेरे आ ही जाते हैं।

काव्य कोना

आहुत हूं

मौजों से कह दो
दूर रहे मुझ से अभी।
थका नहीं हूं यूं भी अब तक
हाँ, मंजिल से दूर हूं अभी।
आवाज देती है, हर मोड़ पर
कहां पहुंचे, कब आओगे
न हारा हूं, न डरा हूं
जिजीविषा हूं,
कामनायें जिंदी है अभी।
ठहर थोड़ी देर, और
आवाज लगाऊंगा तुम्हें फिर
मंजिल तू क्यूं परेशां है?
नयनों में छवि है तुम्हारी
मिलना है तुम से नियति
आहुत हूं, मैं तुम्हारा।
मौजों से कह दो
दूर रहें मुझ से अभी।
थका नहीं हूं यूं भी अब तक
हां, मंजिल से दूर हूं, अभी।

नाग मणि

'गीतों की सरिता बहाती' कल-कल रागिनी'

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

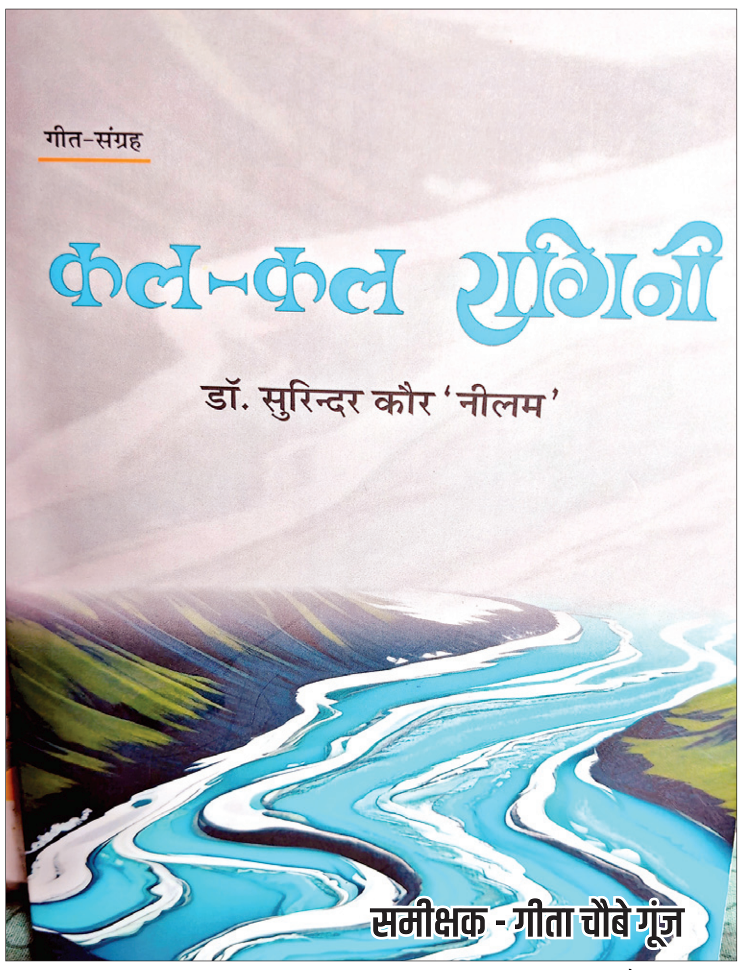

समीक्षक - गीता चौबे गूंज

एक नज़र डॉ. सुरिन्दर कौर नीलम की पुस्तक ' कल -कल रागिनी ' पर डालते हैं। सरस्वती वंदना के अतिरिक्त 65 रचनाओं से सजी इस पुस्तक में विविध विषयों पर लेखनी चलाई गई है। वर्तनी की शुद्धता से युक्त ये सभी रचनाएँ गीत के रूप में ढाली गयीं हैं जो अपनी गेयता में पूरी तरह से खरी उतरी हैं ।हाँ , कहीं-कहीं मात्राओं का विचलन है पर भावों की चादर इस तरह ओढ़ाई गयी है कि पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ जाती हैं।

कवयित्री की संवेदना इस पूरी पुस्तक में यत्र -तत्र सर्वत्र हमें बाँधकर रखती है। सरस्वती वंदना में भी इन्होंने बेटियों के प्रति हो रहे अत्याचार पर न केवल अपनी चिंता जताई है वरन् देवी माँ से इनकी सिसकियों को सुन कर उनकी दशा सुधारने की गुहार भी लगाई है...

बड़े संकट में हैं बेटियाँ, सहमी -सहमी सभी
तितलियाँ
क्यारियों में जहर, वासना की नजर
घुट रही कलियों की सिसकियाँ
कर दे इन भेड़ियों का दमन, खिलखिलाए ये
अपना चमन।

बेटियों के प्रति चिंतित होना इनके संवेदनशील मन की पहचान कराती है। जिंदगी से सवाल -जवाब करने से भी नहीं हिचकतीं

कभी फुर्सत में आना जरा पास जिंदगी
तुझसे बातें करूंगी मन उदास जिंदगी

अद्भुत बिंबों के प्रयोग में कवयित्री सिद्धहस्त है ।जब ये हवा और बादलों के बीच आँखों के अनुबंध की कहानी कहती हैं तो पाठक उन हवाओं में अपने प्रेम की सुगन्ध महसूस करने लगता है। कुंवारी घटा को चाँद से आँख-मिचौली करवा कर यौवन के तटबंध को तोड़ डालती हैं (पृष्ठ - 19) समय -चक्र के पहिए ने रिश्तों की आँच मद्धिम कर डाला है जिसे कवयित्री ने भी महसूस कर शब्दों में ढाल दिया है

प्रेम, मोहब्बत, भाईचारा घुट रहा बस्तों में
वो आँच नहीं रिश्तों में....

एक गीत जो मैंने उनके मुख से अनेक बार सुना है, हर बार नये वसंत की तरह नया ही लगता है...

आने से तेरे लगा आया वसंत है
गीतों में महक उठा महुआ बेअंत है।

पृष्ठ 22 पर अंकित इस गीत की हर पंक्ति एक अनूठे बिम्ब से सजी है जिसे पढ़कर पाठक स्वयं को वाह कहने से रोक नहीं पाता। कुछ आगे बढ़ने पर यूँ प्रतीत होता है कि कवयित्री के मस्तिष्क में जब जैसे विचार उत्पन्न हुए हैं, उन्होंने उसी क्रम में पुस्तक में रख दिए हैं। वसंत की बातें करते -करते वे पुनः बेटियों पर आ गई हैं। उन्हें ही नहीं शायद हर किसी को लगता है कि बेटियां किस्मत वालों के घरों में ही पैदा होती हैं। फिर भी बहुत -से लोग इस सत्य को स्वीकार करने में हिचकते हैं तभी तो बेटे और बेटियों में भेदभाव करने से नहीं चूकते। नीलम जी इस बात को पूरी शिद्दत से कहती हैं...

बाँधी न जाती जो मन्नत के धागों में
रखा न जाता जिन्हें बेटों के आगे में
चिंता में मगर सबके ,माथा हैं टेकती
भाई की कलाई पर सफलता लपेटती
नव संस्कार गढ़ती हैं बेटियाँ
किस्मत से मिलती हैं बेटियाँ।

देश को आजाद कराने वाले जवानों के प्रति इनकी श्रृद्धा को हम इनके गीतों में बखूबी देख सकते हैं...

जिन वीरों ने दिया देश को आजादी उपहार
ताबूतों में कफन तिरंगा बोले जय -जयकार

इसके गीतों से गुजरते हुए कभी हम मौसम के झूले पर पेंग चढ़ाते हैं तो कभी विविध पर्व -त्योहारों को मनाते हुए अपनी भारतीय संस्कृति को आत्मसात करते हैं। गोपालदास नीरज, अटल बिहारी वाजपेई, और बापू को याद करते हुए उनपर अपने शब्द सुमन चढ़ाने के साथ गुरु गोबिंद सिंह, देवों के देव महादेव जिन्हें इन्होंने'मेर भोले भंडारी ' शीर्षक गीत तथा' ' आ जा रघुराई ' आदि गीतों के द्वारा अपने भक्त - वत्सल हृदय का परिचय भी दिया है। अंत में दो माहिये गीत भी लिखे हैं ' आँखे रुत सावन की ' और ' जीवन की शाम ढले '। दोनों माहिये बहुत ही खूबसूरत बन पड़े हैं।

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम का यह गीत संग्रह पढ़ने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि सभी गीत मंचीय हैं जैसा कि कवयित्री ने भी ' अपनी बात ' में कहा है। मैं भी अनेक मंचों पर इनके गीतों को सुनकर मंत्रमुग्ध होती रही हूँ जब स्वयं कवयित्री इन गीतों को मंचों पर गाती हैं तो समां बँध जाता है जिसकी यादें मिठास बनकर कई दिनों तक श्रोताओं के मुँह में मिश्री की डली - सी घुलती रहती हैं।' कल -कल रागिनी ' डॉ कौर की तीसरी पुस्तक है। इसके पहले दो कृतियाँ ' नीलकमल ' और ' तुम आओगे न...?ः पाठकों का मन मोह चुकी हैं।आशा है यह तीसरी पुस्तक भी पाठकों के द्वारा हाथों-हाथ ली जाएगी। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ..

संयोजक : नरेश अग्रवाल

मरहम पट्टी

महीने भर के घाव थे
मैंने बांध रखा था
कपड़ो से,
मरहम पट्टी कर
लग गई फिर वही
उलझे कामों को सुलझाने।
कामों से सुलझी
तो देखा पैरो पर खून था
बिलकुल अमल
जैसे चोट लगे हो कल के
कल।
मैंने सुना था
"जख्म कुछ दिन में भर
आते हैं।"
सुनकर पट्टी खोली
बस देखती रही
कुछ न बोली
मौन धारे अधर ने
एक ही बोल लगाया
आह!!
पिया ये तुमने कैसा चोट लगाया।
घाव हरे हैं....
दर्द भी है
जलन भी थोड़ी,
सर्द भी है।
सूख जाते तो
इन घावों को भूल जाती
फिर दुबारा मन
खार पर नहीं लगाती।
ना इस चोट से आगे चली हूं
ना पीछे मुड़ने का साहस है
जख्म हरे हैं
हरे रहे
बस भूल जाने की आस है।

ऋषिका मिश्रा

चातक मन

जीवन नदिया की लहरों में
यादों के भंवर जब उठते हैं
मन चातक बन उड़ जाता है
तनहाई लिए हम जीते हैं ।
छोटी छोटी घटनाओं के कंकड़
मन के गहराई में बस
जाते हैं
अब उनतक मन पहुँचे
कैसे
जो अब गए वक्त के
अफसाने हैं
सामर्थ्य नहीं था खुद के भीतर
जो हर बाधा से लड़ भिड़ सकता
बेकस सूनी नजरों से उनको देखा
जो अब बने अतीत के नज़राने हैं
जीवन की पथरीली इन राहों पर
कभी तमन्नाओं के फूल थे
खिलतेनज़र लग गई जो दुनियां
वालों की अब जीते हम बस यादों
के सहारे हैं।

सुरेश चन्द्र झा

आज का दोहा

बहके से अंदाज से, बहके तीरंदाज।
इसीलिए शायद हुआ, बहुत गलत आगाज।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

नीतीश ने पत्रकारों की पेंशन 6 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपए की

● पेंशन ले रहे पत्रकारों की मौत होने पर उनके आश्रित पति/ पत्नी को जीवनपर्यन्त प्रतिमाह 3 हजार की जगह 10 हजार की पेंशन राशि मिलेगी

आरएनएम

पटना। नीतीश कुमार जब केंद्र में रेल मंत्री थे, तब से पत्रकारों के लिए कुछ न कुछ करते रहे हैं। जब भी पत्रकार उनके यहां कोई समस्या लेकर गये, उसका उन्होंने हर संभव कोशिश कर निराकरण किया। तब संसद व मंत्रालय कवर करने वाले पत्रकारों को ट्रेन में यात्रा के लिए आरक्षण कराने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन या दिल्ली रेलवे स्टेशन जाना पड़ता था।इस समस्या को लेकर कुछ पत्रकार उनसे मिले , तो उन्होंने कहा कि आप लोगों की सुविधा के अनुसार कोई जगह हो तो बताइये , वहां रेलवे का बुकिंग काउंटर खुलवा देता हूं। पत्रकारों ने रेल भवन से कुछ दूरी पर स्थित 'प्रेस क्लब आफ इंडिया' में रेलवे का काउंटर खुलवाने को कहा तो नीतीश कुमार ने उसकी मंजूरी दे दी। और कुछ दिन में 'प्रेस क्लब आफ इंडिया' में पश्चिम तरफ एक छोटे कमरे में रेलवे का टिकट बुकिंग काउंटर खुल गया। जो आज भी चल रहा है। अब नीतीश ने बिहार के विधानसभा चुनाव से पहले पत्रकारों की पेंशन बढ़ाए जाने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार 26 जुलाई को अपने ऑफिशियल X हैंडल के जरिये बताया है कि बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत अब सभी पात्र पत्रकारों को हर महीने 6 हजार रुपये की जगह 15 हजार रुपये पेंशन दी जाएगी और इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन ले रहे पत्रकारों की मौत होने पर उनके आश्रित पति/ पत्नी को जीवन पर्यन्त प्रतिमाह 3 हजार की जगह 10 हजार की पेंशन राशि दिए जाने का निर्देश दिया गया है।' मुख्य मंत्री नीतीश कुमार ने X पर कहा, 'लोकतंत्र में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकारों की सुविधाओं का हम लोग शुरू से ख्याल रख रहे हैं ताकि वे निष्पक्ष होकर अपनी पत्रकारिता कर सकें और सेवानिवृत्ति के उपरांत सम्मानजनक तरीके से अपना जीवन-यापन कर सकें।'

मालूम हो कि बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन व एनडीए के दलों में आमने-सामने का मुकाबला है। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, भाकपा, माकपा और भाकपा (माले) शामिल हैं जबकि एनडीए गठबंधन में बीजेपी, जेडीयू, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं।चुनाव से ठीक पहले नीतीश कुमार एक के बाद एक बड़े ऐलान कर रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने कहा था कि बिहार में 1 अगस्त से लोगों को हर महीने 125 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। इसके अलावा उन्होंने युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं के लिए भी कुछ बड़े ऐलान किए थे।इनमें कुटीर ज्योति योजना के तहत लोगों से सहमति लेकर उनके घर की छतों या नजदीकी जगह पर सोलर पैनल लगाना, सरकारी नौकरी और रोजगार की गारंटी देना, कर्पूरी ठाकुर के नाम पर कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना, बिहार में सरकारी व संविदा नियुक्तियों में केवल बिहार की मूल निवासी महिलाओं को 35% क्षैतिज आरक्षण देना, बिहार युवा आयोग का गठन करना, मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के जरिए युवाओं को कौशल विकास के लिए 4000 से 6000 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि, कलाकारों को 3000 रुपये मासिक पेंशन, बिहार युवा आयोग का गठन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत वृद्ध, विधवा और दिव्यांगों की पेंशन को 400 से बढ़ाकर 1100 रुपये करने जैसे बड़े ऐलान शामिल हैं।बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं।

> *मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत अब सभी पात्र पत्रकारों को हर महीने 6 हजार रु० की जगह 15 हजार रु० पेंशन की राशि प्रदान करने का विभाग को निर्देश दिया है। साथ ही बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे पत्रकारों की मृत्यु होने की स्थिति में उनके आश्रित पति/ पत्नी को जीवन पर्यन्त प्रतिमाह 3 हजार रु० की जगह 10 हजार रु० की पेंशन राशि दिए जाने का निर्देश दिया है। लोकतंत्र में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकारों की सुविधाओं का हम लोग शुरू से ख्याल रख रहे हैं ताकि वे निष्पक्ष होकर अपनी पत्रकारिता कर सकें और सेवानिवृत्ति के उपरांत सम्मानजनक तरीके से अपना जीवन-यापन कर सकें।*
>
> **नीतीश कुमार**

मंदिर में पूजा कर रही युवती को युवक ने मारी चार गोलियां आरोपी गिरफ्तार

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में शनिवार सुबह एक युवती को गोली मारने का मामला सामने आया है। युवती सुबह घर से मंदिर के लिए निकली थी। इसी दौरान उसे 4 गोलियां मार दी गईं। फिलहाल युवती की हालत गंभीर है और उसे सैफई पीजीआई रेफर किया गया है। पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मैनपुरी के कोतवाली थाना इलाके के मोहल्ला चौथियाना की रहने वाली 21 वर्षीय दिव्यांशी किला बजरिया स्थित रानी शिव मंदिर में पूजा करने गई थी। आरोप है कि उसी मोहल्ले का रहने वाले युवक राहुल दिवाकर पुत्र रतन दिवाकर रिवॉल्वर लेकर मंदिर गया। उसने अंदर से मंदिर का गेट बंद किया और इस दौरान शिवलिंग की पूजा कर रही युवती पर गोलियां चला दीं। आरोपी राहुल ने युवती को चार गोलियां मारीं। गोलियों की आवाज सुनकर स्थानीय लोग युवती को बचाने दौड़े, तब तक आरोपी घटनास्थल से फरार हो गया। यह भी सामने आया है कि आरोपी राहुल दिवाकर युवती से प्रेम करता था।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को अस्पताल में भर्ती कराया। युवती की हालत गंभीर बताई गई है। मैनपुरी सिटी के एएसपी अरुण कुमार ने इस घटना पर कहा कि कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती को गोली लगी।

देश में किसान से ज्यादा स्टूडेंट कर रहे आत्महत्या

कुछ तो गड़बड़ है? : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

"तुझे सूरज कहूँ या चंदा, तुझे दीप कहूँ या तारा, मेरा नाम करेगा रोशन जग में मेरा राज दुलारा" 70 के दशक में आई फिल्म एक फूल दो माली के गीत को सुनने पर वो इंस्पिरेशन दिखती है जो माता- पिता अपने बच्चों में देखते हैं। जब उन्हें लगता है कि बेटा बड़ा होगा या बेटी बड़ी होगी तो कुछ अच्छा, नया, इनोवेटिव करेगी। कुल का नाम रोशन करेगा। लेकिन हो क्या रहा है? देश की सर्वोच्च अदालत ने बकायदा संज्ञान लेकर कहा है कि कैंपस में कुछ तो ऐसा गलत चल रहा है, जिस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात ये है कि कोर्ट ने सुओ मोटो यानी स्वतः संज्ञान लिया है। क्या है पूरा मामला और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर क्या कहा तमाम मसलों पर बात करेंगे। एक तो आपने आईआईटी खड़गपुर की बात सुनी होगी जहां पर चतुर्थ वर्ग के अंडरग्रेजुएट लड़के ने सुसाइड कर लिया। दूसरा मामला ग्रेटर नोएडा की शादरा यूनिवर्सिटी से जुड़ा है। वहां पर बीडीएस यानी बैचलर ऑफ डेंटल सर्जन की स्टूडेंट ज्योति शर्मा ने हास्टल के कमरे में सुसाइड कर लिया। उसने दो फैकल्टी मेंबर का नाम आगे किया कि इनकी वजह से सुसाइड किया। आपको कुछ महीने पहले की एक घटना याद होगी जब नेपाल की एक लड़की ने एक लड़के की वजह से आत्महत्या कर लिया था। आत्महत्या जैसे विषयों की बात करें तो बहुत बार ये चर्चा में आता है। आखिर बच्चे अपने प्राण क्यों ले लेते हैं? कई बार ऐसी चीज हम नई जनरेशन पर थोप देते हैं कि नई जनरेशन ही ऐसी है कि जल्दी हार मान जाती है। वो परिवार जो बहुत आशाओं से अपने बच्चे को पढ़ने के लिए भेजता है। पैसा बचाकर, जुटाकर खुद सस्ते कन्वेंस के द्वारा ट्रैवल करता है।

धर्मांतरण केस में छांगुर के भतीजे के ठिकानों पर चला बुलडोजर

बलरामपुर। अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर बाबा उर्फ जमालुद्दीन पर प्रशासन का शिकंजा कसा हुआ है। इसी कड़ी में शनिवार को छांगुर के भतीजे सबरोज के ठिकानों पर प्रशासन का बुलडोजर गरजा और सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। गैडास बुजुर्ग थाना क्षेत्र के रेहरा माफी गांव में सबरोज का घर सरकारी (ग्राम समाज) जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। जिला प्रशासन ने पहले नोटिस दिया था, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। आज प्रशासन की टीम ने वहां पहुंचकर बुलडोजर से कार्रवाई की। सीओ राघवेंद्र प्रताप ने बताया कि पुलिस की निगरानी में अवैध निर्माण पर बुलडोजर कार्रवाई की है। ज्ञात हो कि छांगुर का गिरोह देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल था और देश भर में अवैध काम कर रहा था। इसमें कई लोग उसके साथ थे। छांगुर के कई राज सामने आ चुके हैं, लेकिन उसके संदिग्ध या प्रतिबंधित संगठनों से संबंध की जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि उसने दुबई, सऊदी, और तुर्की जैसे देशों में अपने संपर्क बनाए थे। छांगुर मुख्य रूप से धर्मांतरण के काम में लगा था। हाल ही में राज्य पुलिस ने बड़े धर्मांतरण गिरोहों का पर्दाफाश किया है। आगरा में दो लापता बहनों के मामले की जांच के दौरान पुलिस ने एक ऐसे नेटवर्क का खुलासा किया, जो छह राज्यों तक फैला था। बलरामपुर में जलालुद्दीन छांगुर के बहुराष्ट्रीय धर्मांतरण गिरोह की कहानी ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है।

कारगिल विजय दिवस पर देश ने वीर जवानों को किया नमन, पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। नई दिल्ली

राजनाथ सिंह और सेना प्रमुखों ने शहीदों को नेशनल वॉर मेमोरियल पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश भर में कारगिल विजय दिवस की वर्षगांठ को गर्व और सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को नमन करते हुए पुष्पचक्र अर्पित किया। इस अवसर पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी विशेष रूप से मौजूद रहे।

देशभर में 'कारगिल विजय दिवस' पर वीर सैनिकों को याद किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने भारतीय सेना के वीर जवानों के साहस और बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को हराकर विजय प्राप्त की थी और यह दिन उसी गौरवशाली जीत की याद दिलाता है। नेताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' के माध्यम से वीर जवानों के अदम्य साहस को नमन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, "कारगिल विजय दिवस पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन हमें उन वीर सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उनका साहस और बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरणा देता रहेगा। जय हिंद!" भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी कारगिल विजय दिवस पर भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम किया।

'आप की अदालत' में स्मृति ईरानी ने किया खुलासा

ऋषि कपूर ने ही मुझे एक्टिंग छोड़कर दिल्ली जाकर मंत्री बनने की सलाह दी थी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रजत शर्मा के शो 'आप की अदालत' में अपने अभिनय और राजनीतिक करियर के बारे में कई खुलासे किए। यह शो आज रात 10 बजे इंडिया टीवी पर प्रसारित होगा। रजत शर्मा ने जब स्मृति ईरानी से पूछा कि जब वह शिमला में ऋषि कपूर के साथ एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तब दिल्ली से फोन आने पर क्या हुआ, तो उन्होंने बताया: 'मैं शिमला में थी। ऋषि कपूर साहब के साथ एक फिल्म में काम कर रही थी, जब सुबह-सुबह फोन आया कि आपको दिल्ली आना है, दोपहर को शपथ लेनी है। तो मेरा अन्तिम जो क्षण था, जो मैंने कैमरा को फेस किया था, वह स्वर्गीय ऋषि कपूर जी के साथ था।'

रजत शर्मा: क्या ऋषि कपूर ने आपको कोई सलाह दी थी?

स्मृति ईरानी: 'उन्होंने कहा कि पलकें भी मत झपकाओ, समय भी मत बिताओ। बाकी लोग जो crew में थे उन सब ने इस बात की कहीं न कहीं खुशी जाहिर की और यह भी कहा जल्दी से बैग बांधो और दिल्ली जाओ क्योंकि राष्ट्र सेवा से बड़ी सेवा और ऐसा बड़ा सौभाग्य और कोई नहीं है।'

रजत शर्मा: अब कोई ऐसा मौका तो नहीं आ जाएगा कि आपको फिर फोन आएगा और फिर "क्योंकि..." के सेट से वापस दिल्ली में शपथ लेते हुए दिखाई देंगी?

स्मृति ईरानी: 'मौकों को मैं नहीं तलाशती। मौके मुझे तलाशते हैं, तो कौन सा मौका मुझे कब तलाश लेगा, यह मैं नहीं जानती। इतना जानती हूं कि जब मौका मुझे तलाशते हुए आए तो आप कहीं न कहीं न बेज़ार होंगे, न शर्मसार होंगे। मैं जो प्रतिभा लेकर पॉलिटिक्स में और मीडिया में आज जानी जाती हूं, उस बेंचमार्क से नीचे नहीं उतरूंगी। इतना आप की अदालत में मैं वादा करती हूं।' बिग बी, राजेश खन्ना, विनोद खन्ना और शत्रुघ्नसिन्हा पर जब रजत शर्मा ने स्मृति ईरानी को याद दिलाया कि मेगा स्टार अमिताभ बच्चन ने राजनीति को 'सेसपूल' (नाबदान) कहकर छोड़ दिया था।

बोधगया में एंबुलेंस के भीतर युवती से गैंगरेप

पटना। बिहार के बोधगया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद एक 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि चलती एम्बुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। बिहार के बोधगया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद एक 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि चलती एम्बुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पासवान ने आगे कहा, "यह घटना निंदा योग्य है - लेकिन असली सवाल यह है कि ऐसे अपराध बार-बार क्यों हो रहे हैं? अपराधों का एक सिलसिला चल रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह हो जाएगी - वास्तव में, यह पहले ही हो चुकी है।" उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोग इसे चुनाव से पहले सरकार को बदनाम करने की साजिश मान सकते हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का कर्तव्य है।

आज का राशिफल

मेष : आज के दिन आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। आपको किसी काम में उसके नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप जल्दबाजी के कारण कोई गलत निर्णय ले सकते हैं। आपको अपने भाई-बहनों से भी किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है।

वृष : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। आपकी किसी बात से माताजी नाराज हो सकती हैं। आपको किसी कानून मामले को लेकर सावधान रहना होगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको परिवार में किसी सदस्य की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आपको बड़ों का आदर और सम्मान करना होगा। पिताजी आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं।

कर्क : आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। आप अपने घर-परिवार में चल रही समस्याओं को भी काफी हद तक दूर करने की कोशिश करेंगे। आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाएंगे।

सिंह : आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। निजी मामलों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बनने में कामयाब रहेंगे।

कन्या : आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति का संकेत हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपकी कोई अटकी हुई डील थी, तो उसके भी फाइनल होने की संभावना है। राजनीतिक की तरफ कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहना होगा।

तुला : आज का दिन आपके लिए करियर के मामले में अच्छा रहने वाला है। सभी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। किसी काम को लेकर आप लापरवाही बिल्कुल ना करें। आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा।

वृश्चिक : आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। आपको कोई निर्णय जल्दबाजी में लेने से बचना होगा। कामकाज के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आप किसी से धन उधार लेने से बचें, नहीं तो बाद में समस्या खड़ी हो सकती है।

धनु : आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग का सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपकी धार्मिक कामों में काफी रुचि रहेगी।

मकर : आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने की कोशिश करें। यदि आपका कोई धन को लेकर काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको किसी पैतृक संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए पार्टनरशिप में काम करने के लिए बेहतर रहेगा। कानूनी मामलों में आपको एक नई राह मिलेगी। आपके घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही आपके लिए समस्या बन सकती हैं।

मीन : आज का दिन नौकरी में प्रमोशन के लिए बढ़िया रहेगा। आप अपने कामों से एक अच्छी जगह बनाएंगे, जिससे आपको तरक्की मिलेगी। आपके प्रभाव और प्रताप में वृद्धि होगी, लेकिन इससे आपके कुछ शत्रु भी उत्पन्न हो सकते हैं। आप अपने मन में किसी के प्रति नकारात्मक विचारों को न रखें।

आगरा धर्मांतरण केस: देहरादून की युवती ने खोले कई राज, बोली

प्रेमजाल में फंसा कराया धर्म परिवर्तन

एजेंसी। आगरा

आगरा धर्मांतरण मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इस मामले की एक पीड़ित ने पुलिस पूछताछ में धर्मांतरण गिरोह के बारे में अहम जानकारियां दीं। पुलिस ने इस युवती का कोर्ट में भी बयान दर्ज कराया है। देहरादून की रहने वाली युवती को आगरा पुलिस ने रेस्क्यू किया है।

पुलिस पूछताछ में युवती ने बताया कि पहले उसे सोशल मीडिया के माध्यम से एक व्यक्ति, अब्बू तालिब, ने संपर्क किया। तालिब ने भरोसा जीतने के बाद प्रेमजाल में फंसाकर उसे अपनी "फैमिली" से भी मिलवाया। इसके बाद तालिब ने युवती को आयशा नाम की महिला से मिलवाया, जिसने उसे अब्दुल रहमान नाम के व्यक्ति से मिलवाया। आगरा पुलिस के मुताबिक, अब्बू तालिब उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का निवासी है, जबकि आयशा और अब्दुल रहमान देहरादून के रहने वाले हैं।

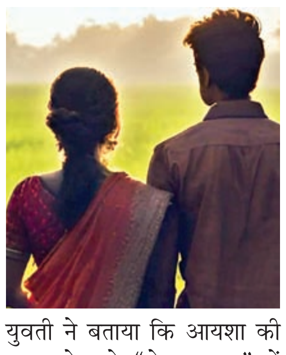

युवती ने बताया कि आयशा की तरफ से उसे "सेफ हाउस" में रहने और लग्जरी लाइफस्टाइल का लालच दिया गया। बदले में उसे इन्वेस्टमेंट करने की शर्त बताई गई, जिसका मतलब था कि उसे किसी की दूसरी, तीसरी या चौथी पत्नी बनना होगा। आरोप है कि आयशा और अब्दुल रहमान ने युवती पर धर्मांतरण का दबाव बनाया। धर्म परिवर्तन के बाद उसे एक नामों की सूची दी गई, जिसमें से उसे "मरियम" नाम चुनने को कहा गया।

कुछ दिन पहले युवती का फोन खराब होने पर उसे अब्बू तालिब ने नया फोन दिलाया, जिसके पैसे आयशा ने दिए।

अब्बू तालिब ही उसका मोबाइल रिचार्ज कराता था। गिरोह की सदस्य आयशा ट्रैक होने से बचने के लिए सेकेंड हैंड या कीपैड फोन का इस्तेमाल करती थी।

आरोप है कि पैसों का लालच देकर अब्बू तालिब, अब्दुल रहमान और आयशा ने युवती पर दबाव बनाया और व्हाट्सएप के जरिए कथित तौर पर कलमा पढ़वाया गया। उसका नाम भी बदलकर 'मरियम' रखा गया।

युवती ने यह भी बताया कि गिरोह में झारखंड निवासी एक व्यक्ति अयान भी शामिल है। अयान ने देहरादून के लड़के की जानकारी दी, जिसने उसे दिल्ली पहुंचाया। वहां से उसे किसी अन्य तरह ले जाया जा रहा था। इसी दौरान आगरा पुलिस ने पूरे गैंग का पर्दाफाश करते हुए युवती का रेस्क्यू किया। अब तक इस मामले में आगरा पुलिस 14 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस मुठभेड़ में ईनामी अपराधी घायल अस्पताल में भर्ती

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस दौरान पुलिस की गोली से एक अपराधी के घायल होने की खबर है। पुलिस ने घायल अपराधी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान 25 हजार रुपए के इनामी कुख्यात नट गिरोह के सदस्य अजय नट के रूप में हुई है। उसे पैर में दो गोलियां लगी हैं। इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल ले जाया गया। यह घटना मीरगंज थाना क्षेत्र के जिगना ढाला के पास हुई। घायल अजय नट सारण जिले के दाऊदपुर थाना क्षेत्र के बंगरा बिंदु टोली गांव के रामनाथ नट का बेटा है। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने बताया कि अपराधी अजय नट को घायल होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे पुलिस की निगरानी में इलाज के लिए भेजा गया है।

सीआरपीएफ का 87वां स्थापना दिवस आज

नई दिल्ली। 27 जुलाई केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के देश के प्रति समर्पण भाव और योगदान को याद करने का दिन है। आजादी से कई बरस पहले 27 जुलाई को 'क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस' के रूप में पुलिस बल की स्थापना हुई थी, जिसे आजादी के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) नाम मिला। समृद्ध विरासत का सम्मान करते हैं और भारत की सुरक्षा और स्थिरता के लिए इसकी अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। इस बार सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस का जश्न मनाया जाएगा। सीआरपीएफ का आदर्श वाक्य "सेवा और निष्ठा" है, जो कर्तव्य के प्रति बल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 27 जुलाई 1939 को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 'क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस' के रूप में अस्तित्व में आया। रियासतों के भीतर बढ़ती राजनीतिक उथल-पुथल और अशांति से निपटने के लिए 'क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस' की स्थापना की गई। इस पुलिस बल का निर्माण 1936 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मद्रास प्रस्ताव से काफी प्रभावित था, जिसमें एक मजबूत आंतरिक सुरक्षा तंत्र की जरूरतों पर जोर दिया गया।

रिटायरमेंट के बाद अग्निवीरों को यूपी पुलिस में मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण : योगी

● हमें अपने आसपास के उन जवानों को याद करना चाहिए, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान दी

सैनिकों ने बलिदान देकर देश की एकता-अखंडता को बरकरार रखा

लखनऊ। कारगिल विजय दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी के शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित एक कार्यक्रम में शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके परिजनों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत के वीर सैनिकों ने अपना बलिदान देकर भारत की एकता और अखंडता को बरकरार रखा। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान हमारे सैनिकों ने पलायन नहीं किया था, उसी का नतीजा है हमें विजय मिली। इस दिन भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाकर दुनिया को हैरान कर दिया था। सीएम योगी ने कहा कि हालिया ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य क्षमताओं का नवीन प्रतीक है और यह कारगिल युद्ध की गूंज को और बुलंद करता है।

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर अग्निवीरों को यूपी पुलिस में आरक्षण देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार रिटायर होने वाले अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देगी।

सीएम योगी ने सुझाव दिया कि हर जिले में सैनिकों के बलिदान को सम्मान देने के लिए युद्ध स्मारक बनाए जाएं, ताकि नई पीढ़ी को प्रेरणा मिले। इसके साथ ही, सैनिकों के सम्मान में सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने आगे कहा, "हमारी सरकार सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव रखती है। इसलिए, हमने फैसला किया है कि अग्निवीर के रूप में देश की सेवा करने वाले जवानों को रिटायरमेंट के बाद यूपी पुलिस में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।"

योगी ने देश सेवा में सर्वस्व अर्पित करने वाली सेना को नमन करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने अपनी ताकत और बहादुरी का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने मात्र 22 मिनट में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट कर उसे सबक सिखाया।"

मुख्यमंत्री ने 1965 और 1971 के युद्धों में सैनिकों के बलिदान को भी याद किया। उन्होंने कहा, "उन वीर सैनिकों की स्मृतियां आज भी हमें प्रेरित करती हैं। हमें अपने आसपास के उन जवानों को याद करना चाहिए, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान दी।" सभा को संबोधित करते हुए, सीएम योगी ने कहा, "कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, सभी परिवार, पूर्व सैनिक और सभी क्षेत्रों के नागरिक एक साथ आए हैं क्योंकि पूरा देश भारत माता की रक्षा करने वाले हमारे साहसी सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।" युद्ध की परिस्थितियों को याद करते हुए सीएम योगी ने कहा, "हम सभी जानते हैं कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान द्वारा थोपा गया था।

एपस्टीन मामले में डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक रणनीति क्यों हो रही नाकाम ?

ट्रंप का समय-सिद्ध तरीका – चाहे कुछ भी हो जाए, बस जवाबी हमला

जान-वर्नर मुलर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति की लंबे समय से चली आ रही कारगर रणनीति आखिरकार परीक्षा का सामना कर रही है – खासकर जब समय प्रबंधन की बात आती है। एक सफल रणनीति की समस्या यह है कि आप अंततः यंत्रवत् एक ही काम करते रहते हैं। एबीसी और सीबीएस को बेबुनियाद मुकदमों से डराने के बाद, डोनाल्ड ट्रंप रूपर्ट मर्डोक व वॉल स्ट्रीट जर्नल के उन पत्रकारों पर मुकदमा कर रहे हैं जिन्होंने जेफरी एपस्टीन के जन्मदिन पर दिए गए एक अश्लील संदेश की खबर प्रकाशित की थी। लेकिन, बड़े प्रसारकों पर लगे बेतुके आरोपों के विपरीत, यहाँ एक तथ्य स्पष्ट है- एक प्रामाणिक पत्र या तो मौजूद है या नहीं; और पता लगाने की प्रक्रिया में बहुत कुछ उजागर होना बाकी है। ट्रंप का समय-सिद्ध तरीका – चाहे कुछ भी हो जाए, बस जवाबी हमला – उसी खबर को जिंदा रखने की संभावना रखता है जिसे वह खत्म करना चाहते हैं। इस बीच, उनकी रणनीति के अन्य तत्व – इनकार करना, ध्यान भटकाना, ध्यान भटकाना – तभी काम करते हैं जब पत्रकार और डेमोक्रेट साथ दें। वे, न कि सर्व-महत्वपूर्ण ट्रम्प समर्थक, वे अभिनेता हैं जिन पर नज़र रखनी चाहिए। हम अभी भी इस बात पर बहस करते हैं कि ट्रम्पवाद एक ठोस विचारधारा है या नहीं; हम यह भूल रहे हैं कि ट्रम्पवाद, निश्चित रूप से, अमेरिकी राजनीतिक, कानूनी और मीडिया प्रणालियों की कमजोरियों का फायदा उठाने की युक्तियों का एक समूह है। इनमें से कुछ युक्तियाँ उन्हें उनके गुरु रॉय कोहन से विरासत में मिली थीं और कई अब ट्रम्प के अनुयायी अपना रहे हैं - किसी को कभी भी अपराध स्वीकार नहीं करना चाहिए; किसी को हमेशा पलटवार करना चाहिए; और किसी को हार को अस्वीकार करना चाहिए, या आदर्श रूप से पूरी तरह से दबा देना चाहिए (जैसे कि बॉब वुडवर्ड के खिलाफ ट्रंप का मामला और वुडवर्ड के प्रकाशक को हाल ही में बर्खास्त किया जाना)।लेकिन एक कम स्पष्ट तत्व भी है, और वह राजनीतिक समय के प्रबंधन से संबंधित है (सोचिए, यह सभी राजनेताओं के लिए एक चुनौती है)। मुद्दा केवल अवसरों का लाभ उठाना या विरोधियों की कमजोरियों का समय पर फायदा उठाना नहीं है; बल्कि, यह चीजों को अपने फायदे के लिए तेज या धीमा करने की कला के बारे में है। ज़रा सोचिए, हम ट्रंप के उन कामों और बातों से कैसे अभ्यस्त हो गए हैं जो पिछले राष्ट्रपतियों के कार्यकाल को खत्म कर देते (ठीक है, पिछले राष्ट्रपतियों के पास राजा या पोप के रूप में अपनी एआई-जनित छवियाँ उपलब्ध नहीं थीं, लेकिन फिर भी)। एक कारण यह है: एक प्रशासन जो चार साल की अवधि में एक या दो बड़े घोटालों का सामना करता है, वह इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकता है कि उसकी मरम्मत नहीं हो सकती; एक प्रशासन जो एक दिन में तीन बहुत बड़े घोटाले करता है, उसे चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं लगती क्योंकि कोई भी उसका हिसाब नहीं रख सकता। एक ही खबर पर टिके रहना मुश्किल है, क्योंकि नया आक्रोश पहले से ही बहुत बड़ा लगता है (कतर विमान घोटाला ऐसा लग सकता है जैसे वह वर्षों पहले हुआ हो)। निश्चित रूप से, सभी घोटाले जानबूझकर नहीं गढ़े जाते, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि ट्रंप द्वारा व्हाइट हाउस में बराक ओबामा की गिरफ्तारी का एआई-जनित क्लिप पोस्ट करना और ओबामा को चुनावी धोखाधड़ी के "सरगना" के रूप में बताना ध्यान भटकाने के लिए है - जिसका यह मतलब नहीं कि ये महाभियोग को उचित ठहराएँगे।जहाँ घोटालों की आवृत्ति को समाचार चक्र को प्रभावित करने के लिए अधिकतम किया जाता है, वहीं कानूनी व्यवस्था का इस्तेमाल चीज़ों को धीमा करने के लिए किया जाता है। एपस्टीन मामले में ग्रैंड जूरी की गवाही जारी करने में समय लगेगा, अगर अदालतें इस अनुरोध को पूरी तरह से खारिज नहीं करतीं (जैसा कि फ्लोरिडा में पहले ही हो चुका है)। अगर वे जारी भी हो जाएँ, तो उनमें ट्रंप से जुड़ी कोई भी प्रासंगिक बात होने की संभावना नहीं है। अनुमान यह है कि अब से कुछ हफ़्तों बाद, ये फाइलें भुला दी जाएँगी।इन सबका यह मतलब नहीं है कि ट्रंप एक महाधूर्त व्यक्ति हैं जो अमेरिकियों (या यहाँ तक कि अपने समर्थकों) को भी अपनी मर्ज़ी से बरगला सकते हैं। उनका तरीका आंशिक रूप से इसलिए कारगर है क्योंकि संस्थागत और सांस्कृतिक संदर्भ बदल गए हैं: समाचार चक्र छोटे हो गए हैं, और ध्यान अवधि भी। उनका व्यवहार धीरे-धीरे सामान्य और व्यापक होता जा रहा है: बेशर्मी जो कभी सिर्फ़ उनकी थी, अब रिपब्लिकन पार्टी के आवश्यक आचरण की नियमावली में शामिल हो गई है (मेडिकेड के बारे में सरासर झूठ के बारे में सोचिए)। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि घोटालों का लगातार पीछा कर उजागर करने वाले और धमकियों को नजरअंदाज करने वाले स्वतंत्र प्रेस को अब हल्के में नहीं लिया जा सकता; ख़ास तौर पर प्रसारणकर्ता, उन मूल कंपनियों के सामने कमजोर हो गए हैं जो मुनाफे को हर चीज़ से पहले रखती हैं। डेमोक्रेट्स, ज़ाहिर है, यह नहीं दिखाना चाहते कि वे मुख्य रूप से एपस्टीन की कहानी के घिनौने विवरणों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, इसलिए वे आगे बढ़कर "किचन-टेबल मुद्दों" से निपटने के लिए उत्सुक हैं। लेकिन उन्हें यह सोचकर थोड़ा रुकना चाहिए कि यह कहानी दूसरे पक्ष के लिए इतनी डरावनी है कि रिपब्लिकन किसी भी रूप में इससे निपटने के बजाय सदन को बंद कर देना पसंद करेंगे।क्या उनका घबराना सही है? निश्चित रूप से, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अपने फॉलोअर्स से आगे बढ़ने का आग्रह करके एक गलती की, जो "हाथी के बारे में मत सोचो" के बराबर था (साथ ही स्ट्रीसैंड प्रभाव का एक और सबूत भी पेश किया: सेंसरशिप उसी ध्यान को आकर्षित करती है जिससे बचना चाहिए)। ट्रंप द्वारा मर्डोक पर इस खबर को दबाने की पैरवी करने से उन सभी लोगों को थोड़ा झटका लगेगा जो अभी भी रिपब्लिकन को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रक्षक मानते हैं। अब तक, यह तथ्य कि केवल ग्रैंड जूरी की गवाही जारी करना अपेक्षाकृत निरर्थक है, समझ में आ गया है और - आधार की बात तो छोड़ ही दें - जिन्हें राजनीतिक वैज्ञानिक "कम जानकारी वाले मतदाता" कहते हैं, उन पर ट्रंप-एपस्टीन संबंध या कम से कम एक अराजक प्रशासन का एक स्थायी प्रभाव रहेगा। मुकदमे में, ट्रंप को अखबार की ओर से "वास्तविक दुर्भावना" साबित करनी होगी - एक कठिन बाधा जिसे पार करना है। रूस की जांच के विपरीत, ट्रंप स्वयं अपने राष्ट्रपति पद पर छाई एक लंबी प्रक्रिया के सूत्रधार हैं; उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के बीच हुई कई जाँचों के विपरीत, जब उनके वकीलों ने समय सीमा पार कर ली थी, समय वास्तव में उनके पक्ष में नहीं है। वास्तव में, यदि मामला तकनीकी आधार पर खारिज हो जाता है, तो वह भाग्यशाली हो सकते हैं - ऐसा प्रतीत होता है कि वह फ्लोरिडा के उस कानून का पालन करने में विफल रहे, जिसके तहत प्रतिवादियों को पाँच दिन पहले नोटिस देना अनिवार्य है।

-जान-वर्नर मुलर गार्जियन के अमेरिकी स्तंभकार और प्रिंसटन विश्वविद्यालय में राजनीति के प्रोफेसर हैं।(द गार्जियन से साभार)

डेमोक्रेट्स ने मांगी एपस्टीन की 'जन्मदिन की किताब' की प्रति

- **इसमें कथित तौर पर ट्रंप की अभद्र कामुक कविता व डूडल शामिल है**

लॉरेन गैम्बिनो

हाउस डेमोक्रेट्स ने शुक्रवार 25 जुलाई को जेफरी एपस्टीन की संपत्ति का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को एक पत्र भेजकर तथाकथित "जन्मदिन की किताब" की एक प्रति मांगी, जिसमें कथित तौर पर दिवंगत यौन अपराधी (जेफरी एपस्टीन) के 50वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में डोनाल्ड ट्रंप की एक अभद्र कविता व डूडल शामिल है। पत्र में, कैलिफोर्निया के कांग्रेसी रो खन्ना व रॉबर्ट गार्सिया ने कहा है कि किताब की सामग्री एपस्टीन विवाद से निपटने के ट्रंप प्रशासन के तरीके पर कांग्रेस की निगरानी के लिए "आवश्यक" हो सकती है। पत्र में, उन्होंने 10 अगस्त तक किताब की "पूरी और बिना संपादित" प्रति मांगी है। खन्ना ने कहा, "जनता सच्चाई जानने की हकदार है और पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय मिलना चाहिए।" उन्होंने एपस्टीन की फाइलें जारी करने के अपने द्विदलीय विधेयक पर मतदान किए बिना वाशिंगटन से जल्दी चले जाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।

जन्मदिन की किताब एक चमड़े की जिल्द वाली एल्बम है जिसे एपस्टीन की लंबे समय से सहयोगी घिसलीन मैक्सवेल ने संकलित किया है, जो एपस्टीन के साथ नाबालिगों की यौन तस्करी की साजिश रचने के लिए 20 साल की जेल की सजा काट रही है। यह कथित तौर पर एपस्टीन के दर्जनों दोस्तों और सहयोगियों के जन्मदिन की शुभकामनाओं से भरी है, जिसमें वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, ट्रम्प, बिल क्लिंटन और एलन डर्सोविट्ज़ सहित अन्य धनी और शक्तिशाली व्यक्तियों के संदेश शामिल हैं। बीते गुरुवार को, न्यूयॉर्क टाइम्स ने पुस्तक में मैक्सवेल के समर्पण की एक तस्वीर प्रकाशित की। ट्रम्प ने जर्नल पर उसकी प्रारंभिक रिपोर्ट को लेकर मुकदमा दायर किया है जिसमें कहा गया था कि उन्होंने "डोनाल्ड" और "जेफरी" के बीच एक काल्पनिक संवाद और एक नग्न महिला के रेखाचित्र वाला एक पृष्ठ लिखा था। अपने संघीय मुकदमे में, ट्रंप ने अपने नाम से लिखे गए पत्र को "नकली और अस्तित्वहीन" बताया। खन्ना और गार्सिया ने यह पत्र तब भेजा जब एपस्टीन के सैकड़ों पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा कि जन्मदिन की किताब उनकी संपत्ति का देखरेख करने वाले के पास है। वकील ब्रैड एडवर्ड्स ने एमएसएनबीसी के होस्ट लॉरेंस ओ'डॉनेल के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि उनका मानना है कि संपत्ति अनुरोध पर यह पुस्तक सौंप देगी। "मुझे पता है कि निष्पादकों के पास यह पुस्तक है," एडवर्ड्स ने साक्षात्कार में कहा। संपत्ति के वकीलों ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।हाउस ओवरसाइट कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेट गार्सिया ने कहा- "अमेरिकी लोगों को यह जानने का हक है कि एपस्टीन के तस्करी नेटवर्क में कौन शामिल था और क्या वे हमारी सरकार में सत्ता के पदों पर हैं," एपस्टीन की फाइलें ट्रंप व उनके मागा समर्थकों के बीच एक असाधारण दरार का केंद्र हैं, जो लंबे समय से बाल यौन अपराधी से संबंधित दस्तावेजों को जारी करने की मांग कर रहे हैं। व्हाइट हाउस उनके समर्थकों की ओर से अधिक पारदर्शिता की बढ़ती मांगों को दबाने में विफल रहा है, जबकि कांग्रेस में सत्ता से बाहर डेमोक्रेट इस मुद्दे को अपने फायदे के लिए उठा रहे हैं। 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में ट्रंप और एपस्टीन की दोस्ती जगजाहिर और अच्छी तरह से प्रलेखित थी। राष्ट्रपति ने कहा है कि उन्होंने 2004 में एपस्टीन से संबंध तोड़ लिए थे और उन पर एपस्टीन मामले में किसी भी तरह के गलत काम का आरोप नहीं लगाया गया है। इस हफ़्ते की शुरुआत में, जर्नल ने पहली बार बताया कि अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने मई में ट्रंप को बताया था कि जांच से जुड़ी फाइलों में उनका नाम कई बार आया है। इस मामले का सामना करने के लिए, ट्रंप ने बॉडी को एपस्टीन की जांच से संबंधित ग्रैंड जूरी की प्रतिलिपियाँ जारी करने का निर्देश दिया था। एक झटके में, फ्लोरिडा के एक न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, हालाँकि न्यूयॉर्क में एक ऐसा ही मामला अभी भी लंबित है। एपस्टीन की संपत्ति का देखरेख करने वाले को लिखे पत्र में, डेमोक्रेट्स लिखते हैं कि यह पुस्तक "न्याय विभाग द्वारा एपस्टीन की जांच व अभियोजन के संचालन की चल रही कांग्रेस की निगरानी के लिए, साथ ही एपस्टीन की फाइलों से केवल कुछ ही दस्तावेजों को सार्वजनिक करने और अन्य को जनता से छिपाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले के लिए भी प्रासंगिक है।" ट्रंप के पूर्व आपराधिक बचाव पक्ष के वकील, टॉड ब्लैंच, जो अब डिप्टी अटॉर्नी जनरल हैं, ने शुक्रवार को संघीय जेल में मैक्सवेल से मुलाकात की और शनिवार को उनसे फिर मिलने की योजना बना रहे हैं। मैक्सवेल अपनी सजा को पलटवाने की कोशिश कर रही हैं।

(द गार्जियन से साभार)

रेल यात्रियों को क्यों मिल रहा बेस्वाद और गंदा खाना?

ब्यूरो

एआई जेनरेटेड

- **रेलमंत्री ने बताया-5 साल में मिलीं 19 हजार शिकायतें, जुर्माने व चेतावनी के बावजूद सुधार नहीं**

नई दिल्ली। भारतीय रेल में सफर करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए महँगे टिकट वाले ट्रेनों में मिलने वाला खाने को लेकर अब ज्यादा शिकायतें मिलने लगी हैं। बीते 5 वर्षों में रेलवे को खराब व बेस्वाद भोजन को लेकर 19,427 शिकायतें मिली हैं। ये चौंकाने वाला आंकड़ा बीते शुक्रवार को राज्यसभा में पेश किया गया, जिससे यह साफ हो गया कि खाने की गुणवत्ता को लेकर रेलवे में गंभीर खामियां बनी हुई हैं।

राज्य सभा में माकपा सांसद जॉन ब्रिटास के सवाल पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2023-24 में 7,026 शिकायतें आईं, जबकि 2024-25 के अब तक के आंकड़ों में यह संख्या 6,645 रही है। हालांकि यह मामूली गिरावट है, लेकिन 2020-21 के मुकाबले यह भारी उछाल है, क्योंकि तब केवल 253 शिकायतें दर्ज हुई थीं। रेलवे का दावा है कि शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की गई। कुल 3,137 मामलों में जुर्माना लगाया गया, जबकि 9,627 बार संबंधित विक्रेताओं को चेतावनी दी गई। 4,467 मामलों में दुकानदारों को समझाया गया और सही तरीके से काम करने के लिए कहा गया। केवल एक बार (2021 में) किसी सेवा प्रदाता का लाइसेंस रद्द किया गया। वहीं, 2,195 शिकायतें ऐसी पाई गईं जिन्हें मौके पर ही निपटा दिया गया। खानपान सेवाओं की देखरेख करने वाली आईआरसीटीसी ने विभिन्न ट्रेनों के लिए 20 सेवा प्रदाताओं को ठेके दे रखे हैं। इनमें वंदे भारत व अन्य लंबी दूरी की ट्रेनें शामिल हैं। मंत्री वैष्णव ने बताया कि खाने की गुणवत्ता सुधारने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

इनमें बेस किचन में सीसीटीवी कैमरे लगाना, खाद्य सुरक्षा निरीक्षकों की तैनाती, ऑनबोर्ड सुपरवाइजर की नियुक्ति, औचक निरीक्षण और नियमित भोजन परीक्षण शामिल हैं।लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि जब इतने उपाय किए जा रहे हैं, तो यात्री अब भी खराब खाने की शिकायत क्यों कर रहे हैं? लगातार बढ़ती शिकायतों ने रेलवे की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों की उम्मीद है कि रेलवे सिर्फ आंकड़ों में नहीं, जमीनी स्तर पर भी सुधार दिखाए।देखिए आगे ऐसे ही चलता है या काग़ज़ पर नहीं बल्कि असल में कुछ सुधार होता है?

ईरान आतंकवादी हमला

ईरान के जाहेदान में बहुत बड़ा आतंकी हमला, 8 की मौत, 13 घायल

तेहरान । एजेंसी

दक्षिण-पूर्वी ईरान में एक घातक आतंकवादी हमला हुआ जब हथियारबंद आतंकवादियों ने सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी ज़ाहेदान में एक न्यायिक भवन पर धावा बोल दिया। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, इस हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए, जिनमें पाँच नागरिक और तीन हमलावर शामिल हैं। अशांत क्षेत्र में सक्रिय सुन्नी आतंकवादी समूह जैश अल-अदल ने अर्ध-सरकारी फ़ार्स समाचार एजेंसी द्वारा उद्धृत एक बयान के माध्यम से हमले की ज़िम्मेदारी ली है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अदालत के आसपास गोलीबारी और विस्फोटों की आवाज़ें सुनी गईं, और ऐसे संकेत हैं कि हमले में एक आत्मघाती हमलावर शामिल हो सकता है। समाचार पोर्टल मिज़ान ऑनलाइन के अनुसार, बंदूकधारियों ने मध्य ज़ाहेदान स्थित न्यायपालिका परिसर के अंदर न्यायाधीशों के कक्षों पर धावा बोल दिया। मेहर समाचार एजेंसी और ईरान की सरकारी समाचार सेवा इरना ने पुष्टि की है कि कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बलूच क्षेत्र पर नज़र रखने वाले मानवाधिकार संगठन हाल्वश ने बताया कि हमले के दौरान कई न्यायिक अधिकारी और सुरक्षाकर्मी मारे गए या घायल हुए।

अवामी लीग ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश की गिरफ्तारी को बताया 'अन्यायपूर्ण'

ढाका। बांग्लादेश की अवामी लीग पार्टी ने शनिवार को देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एबीएम खैरुल हक की गिरफ्तारी की निंदा की, जिन्होंने बंगबंधु हत्याकांड में ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। उन्होंने इसे मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत 'चल रहे दमन' का हिस्सा बताया। अवामी लीग ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए कहा, "एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश की गिरफ्तारी इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि सरकार कानून के शासन को बनाए रखने का कोई इरादा नहीं रखती है।

ताइवान सीमा पर चीन के 17 सैन्य विमान और 7 नौसैनिक पोत देखे गए

ताइपे (आईएएनएस)

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि चीन के 17 सैन्य विमानों और 7 नौसैनिक जहाजों की गतिविधियां ताइवान के आसपास देखी गई हैं। यह गतिविधियां शनिवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक दर्ज की गईं। मंत्रालय के अनुसार, 17 में से 8 चीनी सैन्य विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा पार की और ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। चीन की इस सैन्य गतिविधि के जवाब में ताइवान की सशस्त्र सेनाओं ने स्थिति की निगरानी की और अपने विमानों, नौसैनिक पोतों व तटीय रक्षा प्रणालियों को सक्रिय कर जवाबी कार्रवाई की।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी करते हुए कहा, "आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास पीएलए (चीन की सेना) के 17 सैन्य विमान और पीएलए नेवी के 7 पोत देखे गए।

फिलीपींस में चक्रवाती तूफान से मरने वालों की संख्या 30, सात लापता

मनीला । फिलीपींस में तीन उष्णकटिबंधीय चक्रवाती तूफान के चलते अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन में 30 लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी फिलीपींस की एक सरकारी एजेंसी ने शनिवार को दी है। नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट काउंसिल (एनडीआरआरएमसी) की रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल सात लोग लापता हैं। आशंका है कि यह लोग या तो अचानक आई बाढ़ में बह गए या फिर भूस्खलन का शिकार हो गए। भीषण बाढ़ और भूस्खलन के कारण 10 लोग घायल भी हुए हैं।

गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी की

अपनी आगामी फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी होने पर बेहद खुश दिलजीत दोसांझ ने पंजाब में बॉर्डर 2 के सेट पर मिठाइयां बांटीं। पंजाबी अभिनेता-गायक ने इंस्टाग्राम पर बॉर्डर 2 की शूटिंग के आखिरी दिन की एक झलक दिखाते हुए एक भावुक वीडियो शेयर किया और लिखा: "बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी।

दिलजीत दोसांझ ने बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी की इंस्टाग्राम पर, गायक-अभिनेता ने सेट पर सह-कलाकारों के साथ जश्न मनाते हुए एक भावुक वीडियो साझा किया और कैप्शन दिया, "बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी हुई। फिल्म में शहीद निर्मल जीत सिंह सेखों जी की भूमिका निभाने का मौका मिला। जिन लोगों को नहीं पता, उनके लिए बता दें कि फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों भारतीय सैन्य इतिहास में एक सम्मानित व्यक्ति हैं। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान श्रीनगर एयरबेस की वीरतापूर्ण रक्षा के लिए उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। सेखों ने अकेले ही दुश्मन के विमानों का मुकाबला किया और उन्हें उनकी बेजोड़ बहादुरी के लिए याद किया जाता है।

बॉर्डर 2 के बारे में : अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित, यह प्रोजेक्ट 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर का अगला भाग है, जिसमें देओल के साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, श्रॉफ और अक्षय खन्ना अभिनीत।

पाकिस्तानी टिकटॉक स्टार की हत्या, शादी से इनकार करने पर दिया गया जहर

करांची । पाकिस्तान से एक और दर्दनाक घटना सामने आई है, सिंध के घोटकी जिले के बागो वाह इलाके में एक टिकटॉक कंटेंट क्रिएटर अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। जियो न्यूज के अनुसार, मृतक की 15 वर्षीय बेटी ने बताया कि सुमीरा राजपूत को उन लोगों ने जहर दिया जो उस पर जबरन शादी करने का दबाव बना रहे थे। राजपूत की बेटी ने दावा किया कि संदिग्धों ने सुमीरा को ज़हरीली गोलियाँ दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। बेटी एक कंटेंट क्रिएटर भी है और टिकटॉक पर उसके 58,000 से ज़्यादा फ़ॉलोअर्स हैं। घटना के बाद दो लोगों को हिरासत में लिया गया है, हालाँकि अधिकारियों ने अभी तक उनके मकसद का खुलासा नहीं किया है।

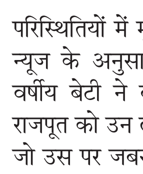

'अटल क्लीनिक' का नाम बदलने पर भाजपा नेता बाउरी ने सरकार पर बोला हमला, कहा

'मदर टेरेसा क्लीनिक' के नाम पर धर्मांतरण को बढ़ावा देने की तैयारी

- सीएम नाम परिवर्तन से सहमत, तो स्वयं करें घोषणा
- नाम परिवर्तन पर भाजपा सदन से सड़क तक करेगी आंदोलन
- वाजपेयी जनता के दिलों में अमर, मिटाने से नहीं मिटने वाले

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने शनिवार को राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य के झुग्गी-झोपड़ी, बस्तियों में राज्य सरकार द्वारा चलने वाले 'अटल क्लीनिक' का नाम बदलकर 'मदर टेरेसा क्लीनिक' करना एक बड़ी साजिश है। बाउरी आज प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

अमर बाउरी ने कहा कि मदर टेरेसा का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमेशा से सम्मान करती है। उनकी सेवा भावना और गरीबों, कुष्ठ रोगियों केलिए की गई सेवा को भुलाया नहीं जा सकता। भारत सरकार ने उन्हें कई बड़े अलंकरणों से सम्मानित भी किया है।

बाउरी ने कहा, लेकिन यह भी सच्चाई है कि मदर टेरेसा द्वारा स्थापित संस्थान 'निर्मल हृदय' पर बच्चा चोरी का आरोप भी लगा हुआ है। यह भी सच्चाई है कि ऐसी संस्थाएं सेवा के नाम पर लाखों गरीबों को स्वास्थ्य सुविधा, भोजन, वस्त्र, उपलब्ध कराकर उनकी पहचान, उनके धर्म, संस्कार को बदलने का कार्य भी किया है। कहा कि धर्मांतरण की समस्या राज्य की एक बड़ी समस्या है, जिसे मदर टेरेसा क्लीनिक के सहारे और तेज करने की साजिश राज्य सरकार द्वारा रची जा रही है।

अमर बाउरी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए अलग झारखंड राज्य का सपना भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर 2000 को साकार किया। जबकि, आज राज्य के सत्ताधारी दल कांग्रेस, राजद व झामुमो आंदोलन को बेचने-खरीदने में लगे हुए थे। दिखावा के लिए ऑटोनोमस काउंसिल पर ही सहमत हो गए थे, जबकि नीयत साफ रहती तो वर्ष 2000 से पहले ही अलग राज्य का गठन करा सकते थे। उन्होंने कहा कि झामुमो, कांग्रेस व राजद की नीयत कभी साफ नहीं रही। अलग झारखंड राज्य का नक्शा भी भाजपा के वनांचल राज्य का नक्शा है, जो अटल जी की देन है।

भाजपा नेता अमर बाउरी ने कहा कि अटल जी झारखंड के कण-कण में बसे हैं। और, तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 'अटल मोहल्ला क्लीनिक' की स्थापना की थी, जिसे हेमंत सरकार ने बदल कर 'मदर टेरेसा क्लीनिक' करने का निर्णय लिया है।

बाउरी ने कहा, हेमंत सरकार को बताना चाहिए कि मदर टेरेसा का झारखंड में क्या योगदान है। विश्वविद्यालय के नाम परिवर्तन में झारखंड से बाहर का उदाहरण देने वाली सरकार को मदर टेरेसा कैसे झारखंड की दिखने लगीं। उन्होंने कहा कि यह नाम परिवर्तन स्वास्थ्य सेवा को ठीक करने के लिए नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की आड़ में धर्मांतरण को बढ़ावा देने के लिए सरकारी संरक्षण है।

अमर बाउरी ने कहा कि यह आशंका है कि आने वाले दिनों में हेमंत सरकार 'मदर टेरेसा क्लीनिक' को स्वंयसेवी संस्थाओं के माध्यम से चलाने का निर्णय करेगी, जिसमें धर्मांतरण कराने वाली संस्थाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सरकार के मुखिया हैं। और, यदि राज्य सरकार का यह निर्णय उचित है, तो वे सार्वजनिक तौर पर मीडिया के माध्यम से नाम परिवर्तन पर अपनी सहमति व्यक्त करें।

भाजपा नेता अमर बाउरी ने कहा कि भाजपा इस साजिश को कामयाब नहीं होने देगी। एक सशक्त विपक्ष के नाते पार्टी सदन से सड़क तक कड़ा विरोध करेगी। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक व प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

भाजपा के मुख्य सचेतक बने विधायक नवीन जायसवाल

- सचेतक बनाए गए हैं राज सिन्हा एवं नागेंद्र महतो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक एवं सचेतकों के नामों की की घोषणा की। उन्होंने बताया कि हटिया विधायक नवीन जायसवाल को मुख्य सचेतक बनाया गया है। धनबाद के विधायक राज सिन्हा एवं बगोदर के विधायक नागेंद्र महतो सचेतक बनाए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह, उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, राकेश प्रसाद, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी सहित पार्टी के नेताओं ने नवनियुक्त मुख्य सचेतक और सचेतक को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मदर टेरेसा सेवा व करुणा का प्रतीक भाजपा का विरोध दुर्भाग्यपूर्ण : झामुमो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो के केंद्रीय सदस्य तनुज खत्री ने कहा कि राज्य

सरकार द्वारा मोहल्ला क्लिनिक का नाम "मदर टेरेसा क्लिनिक" किए जाने के फैसले पर भाजपा जिस प्रकार से आपत्ति जता रही है, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि उस मानवीय भावना का अपमान है जिसकी प्रतीक मदर टेरेसा थीं। मदर टेरेसा का जीवन समाज के सबसे वंचित और पीड़ित वर्ग की सेवा को समर्पित था। यही कारण है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार (1979) और भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न (1980) प्राप्त हुआ। ये सम्मान इस बात के प्रतीक हैं कि मानव सेवा किसी एक देश, धर्म या विचारधारा तक सीमित नहीं होती यह पूरी मानवता के लिए होती है।

कहा कि झारखंड में भी मदर टेरेसा और उनके संगठन 'मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी' का गहरा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि रांची, हजारीबाग, लोहरदगा, गुमला, चाईबासा, दुमका, बोकारो आदि कई जिलों में उनके द्वारा संचालित आश्रय गृह, सेवा केंद्र और चिकित्सा संस्थान आज भी जरूरतमंदों के लिए आशा की किरण हैं। वहां लावारिस मरीजों, बीमार बुजुर्गों, मानसिक रूप से अस्वस्थ महिलाओं और बच्चों को मुफ्त सेवा और देखभाल मिलती है, बिना किसी भेदभाव के।

ऐसे में यदि राज्य सरकार उनकी स्मृति में एक मोहल्ला क्लिनिक का नाम रखती है, तो यह राजनीति का नहीं, सम्मान का विषय होना चाहिए। भाजपा का यह विरोध राजनीति से प्रेरित और सेवा की भावना के विरुद्ध है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस नाम को पूरी दुनिया सिर झुका कर सलाम करती है, उसे झारखंड में राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनाया जा रहा है। हम हेमंत सोरेन सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हैं, क्योंकि यह हमें याद दिलाता है कि राजनीति का असली मकसद सेवा है, सत्ता नहीं।

राज्यपाल ने झारखंड माइक्रो वेलफेयर डेवलपमेंट सेंटर के कार्यक्रम में लिया भाग, कहा

महिलाएं उद्यमों के जरिए अब बन रहीं आत्मनिर्भर

नवीन मेल संवाददाता

रांची/जमशेदपुर। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को माइकल जॉन प्रेक्षागृह, जमशेदपुर में स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में संचालित स्वावलंबी झारखंड माइक्रो वेलफेयर डेवलपमेंट सेंटर (एसजेएमडीसी) द्वारा आयोजित 'तेरहवां वार्षिक लघु ऋण वितरण समारोह' में भाग लिया। मौके पर उन्होंने संस्था को महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में आए आत्मबल, आत्मनिर्भरता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि आज भी देश की लाखों महिलाएं, विशेषकर ग्रामीण और वंचित वर्ग की, परंपरागत बैंकिंग प्रणाली से दूर हैं। ऐसी स्थिति में इस प्रकार की संस्थाओं द्वारा उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान कर

ऋण प्राप्त करने वाली महिलाएं अपने परिवारों का संबल बनेंगी

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विश्वास व्यक्त किया कि आज ऋण प्राप्त करने वाली महिलाएं भविष्य में न केवल अपने परिवारों को संबल देंगी, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगी। उन्होंने स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी झारखंड माइक्रो वेलफेयर डेवलपमेंट सेंटर की संपूर्ण टीम को इस सामाजिक आंदोलन को निरंतर गति देने के लिए शुभकामनाएं दीं तथा सभी लाभार्थी महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आत्मबल, विश्वास एवं स्वावलंबन की राह दिखाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं अब लघु, लेकिन सशक्त उद्यमों के जरिए आत्मनिर्भर बन रही हैं और परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं। राज्यपाल गंगवार ने कहा कि उनका इस क्षेत्र में व्यक्तिगत अनुभव भी रहा है। उन्होंने कहा कि बरेली में 25 वर्ष पूर्व एक सहकारी बैंक की स्थापना की थी, जो आज मल्टी-स्टेट बैंकों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। यह बैंक वर्ष भर, सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक कार्य करता है। उन्होंने कहा कि वास्तव में छोटे ऋण देना आसान कार्य नहीं है, लेकिन उनका मानना है कि यदि महिला को ऋण दिया जाए, तो वह उसे अवश्य लौटाती हैं। इसी विश्वास पर यह प्रणाली सफल हो सकती है और यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।

राज्यपाल ने 'लखपति दीदी योजना' का भी उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड की महिलाएं आज आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं। बैंकिंग, विपणन, उद्यमिता और वित्तीय प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में वे दक्षता के साथ नेतृत्व कर रही हैं। यह परिवर्तन केवल आय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मसम्मान, निर्णय क्षमता और सामाजिक नेतृत्व का भी प्रतीक है।

जमशेदपुर एक आदर्श सामाजिक व औद्योगिक मॉडल : राज्यपाल

रांची/जमशेदपुर। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शनिवार को सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, जमशेदपुर के प्लेटिनम जुबिली समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने संस्था को 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल गंगवार ने कहा कि सिंहभूम चैंबर केवल एक संस्था नहीं, बल्कि झारखंड के औद्योगिक इतिहास की आत्मा रही है, जिसने दशकों से राज्य को दिशा भी दी है और दशा भी बदली है। उन्होंने संस्था की नींव रखने वाले संस्थापकों के दृष्टिकोण, परिश्रम और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने जमशेदपुर को एक आदर्श सामाजिक-औद्योगिक मॉडल बताते हुए कहा कि टाटा समूह की दूरदृष्टि ने इस नगरी को न केवल औद्योगिक, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और कौशल विकास के क्षेत्रों में भी अग्रणी बनाया है। उन्होंने शहर द्वारा स्वच्छता रैंकिंग में देश में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर नागरिकों को बधाई दी।

बोकारो में मिलन समारोह में आजसू में शामिल हुए हजारों युवा

झारखंड में चल रहा माफिया राज विस्थापितों के मुद्दे गौण : सुदेश

नवीन मेल संवाददाता

विस्थापितों पर ढाया जा रहा है जुल्म : चंद्रप्रकाश चौधरी

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि विस्थापितों की कुर्बानी पर कोयला खदान खड़े हैं। लेकिन उनपर ही जुल्म ढाया जा रहा है और कोयला की लूट हो रही है। बीसीसीएल और पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत से माफिया ने आतंक मचा रखा है। आजसू अब चुप होकर बैठने वाली नहीं। कोयलांचल से माफिया को खत्म करेंगे।

बोकारो/रांची। आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने बोकारो में आयोजित मिलन समारोह में कहा है कि झारखंड में माफिया राज चल रहा है। इसके विरुद्ध एकजुट एवं संगठित होकर संघर्ष करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में विस्थापितों के मुद्दे गौण कर दिए गए हैं। श्री महतो ने कहा कि हेमंत सरकार के आने के बाद कोयला, गिट्टी, बालू और अन्य खनिजों का अवैध कारोबार फल–फूल रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार अवैध खदानों में विस्थापित जनता दफन की जा रही है और बीसीसीएल तथा पुलिस–प्रशासन इसे संरक्षण दे रहा है।

श्री महतो ने कहा कि आजसू ने झारखंड की लड़ाई लड़ी है और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से वार्ता कर अलग राज्य लिया है। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल और बोकारो स्टील विस्थापितों को नौकरी में प्राथमिकता दे। स्थानीय नीति को परिभाषित किया जाए। श्री महतो ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्ट और माफिया तत्वों को संरक्षण दे रही है। माफिया तत्वों द्वारा गरीबों की लड़ाई लड़ रही आजसू पार्टी पर लगातार हमला करने का प्रयास किया जा रहा है।

मिलन समारोह में विभिन्न प्रखंडों से आए हजारों युवाओं ने आजसू पार्टी का दामन थामा और राज्य के नवनिर्माण का संकल्प लिया। सुदेश महतो और चंद्रप्रकाश चौधरी ने नए सदस्यों का स्वागत माला एवं पट्टा पहना कर किया।

समारोह को मांडू विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, महासचिव यशोदा देवी, रामगढ़ जिलाध्यक्ष दिलीप डांगी, धनबाद जिलाध्यक्ष मंटू महतो, बोकारो जिला अध्यक्ष सचिन महतो, बोकारो जिप उपाध्यक्ष बबीता कुमारी, काशी नाथ सिंह, अजय सिंह, राजेश महतो, नवीन महतो, टिकेत महतो और संतोष महतो आदि ने भी संबोधित किया।

30 लाख के गहने की चोरी का खुलासा, सहेली गिरफ्तार

- भरोसेमंद सहेली ने सहेली के घर से चुराए लाखों के गहने, पुलिस ने किया बरामद
- सहेली को देकर गई थी चाभी, उसी ने जेवरात पर डाला डाका
- उद्भेदन में शामिल सभी पुलिस पदाधिकारियों को किया जाएगा सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई कर्मी के घर हुए चोरी का रांची पुलिस ने शनिवार को उद्भेदन किया। दरअसल रांची के सीएमपीडीआइ में कार्यरत महिला क्लर्क रानी कुमारी के घर से 30 लाख रुपये से अधिक के आभूषणों की चोरी के मामले में रांची पुलिस ने टीम का गठन कर रानी कुमारी की करीबी दोस्त कविता शर्मा को इस चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके पति विकास बहादुर को भी गिरफ्तार किया गया है। कविता ने चोरी के आभूषण आफिस में छिपा कर रखे थे। जांच के दौरान पुलिस ने कविता के कार्यालय सीएमपीडीआइ के फाइनेंस डिपार्टमेंट से 22 तोला सोने और हीरे के जेवरात बरामद किया। आठ तोला सोना उसने अपने पति के पास हैदराबाद भेज दिया था, जिसे पति ने मुथूट फाइनेंस में गिरवी रखकर पांच लाख रुपये का लोन भी ले लिया था। चोरी की आरोपित कविता शर्मा सीएमपीडीआइ में चपरासी के पद पर कार्यरत है, जबकि उसका पति विकास बहादुर हैदराबाद के एक होटल में काम करता है।

डीआईजी सह एसएसपी ने बताया कि छह मई को सीएमपीडीआइ कर्मी रानी कुमारी अपने पति के साथ देवघर गई थी। घर की सुरक्षा के लिए उन्होंने चाबी अपनी भरोसेमंद सहेली को दी जिसने चोरी की घटना को अंजाम दिया। वहीं, अगले दिन कविता ने फोन कर रानी को बताया कि उसके घर में चोरी हो गई है। रांची लौटने पर रानी ने देखा कि घर से सभी जेवरात और कीमती सामान गायब थे। इसके बाद उन्होंने गोंदा थाना में मामले की प्राथमिकी दर्ज कराई।

वहीं इस ब्लाइंड चोरी के मामले को गोंदा थाना पुलिस पुलिस के द्वारा सुलझाया गया। उद्भेदन करने में शामिल पुलिस पदाधिकारी को एसएसपी सम्मानित करेंगे।

आईपीएच नामकुम में हुई योग व प्राकृतिक चिकित्सा पर कार्यशाला

- आरसीएच कैम्पस में कल तक है स्वास्थ्य मेला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आयुष कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को विभिन्न चिकित्सा प्रणाली जैसे आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होम्योपैथी पर कार्यशाला का आयोजन आईपीएच नामकुम रांची के ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यशाला में राज्य स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी के साथ ही राज्य के 24 जिलों से आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारीयों को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला में लगभग 300 से अधिक लोग शामिल हुए। कार्यशाला में आयुष कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न चिकित्सा प्रणाली जैसे आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होम्योपैथी पर लोगो को जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में डॉ अशोक पासवान, डिप्टी डायरेक्टर, होम्योपैथी, डॉ साकेत कुमार, जिला आयुष मेडिकल अफसर, रांची, डॉ अनुज कुमार मंडल, कोऑर्डिनेटर आयुष, हेमंत कुमार महतो एसएफएम, शुभम कुमार राज, डॉ अर्चना कुमारी, योगा ट्रेनर ने प्रशिक्षण दिया।

ज्ञात हो कि राज्य भर में आयुष प्रक्षेप के अंतर्गत 745 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) संचालित हैं, जिसमें 502 आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी संविदा के आधार पर अपनी सेवा दे रहे हैं और शेष आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयुष सामुदायिक पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।

आयुष कार्यक्रम पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्य में एकीकृत करने का एक व्यापक प्रयास है जिससे लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। ज्ञात हो कि मेले में कुल 43 स्वास्थ्य संबंधी स्टॉल लगाए गए हैं। स्वास्थ्य मेला में राष्ट्रीय किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 185 किशोर-किशोरियों का बीएमआई टेस्ट किया गया। इन लोगों के बीच क्विज कंपीटीशन भी कराया गया एवं 90 प्रतिभागियों में पुरस्कार वितरण किया गया। इसके अंतर्गत 150 किशोर-किशोरियों का स्वास्थ्य संबधित मुद्दों एवं विषय जैसे स्वास्थ्य जागरूकता इत्यादि पर काउंसलिंग की गई।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के द्वारा कुल 77 बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई। मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से पीड़ित 80 लोगों की काउंसलिंग की गई। साथ ही, 2 ड्रग एडिक्ट व्यक्ति का नशा विमुक्तिकरण थेरेपी दिया गया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मिलती हैं ये सुविधाएं

- गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के समय देखभाल।
- नवजात और शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं।
- बचपन और किशोर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत संक्रामक रोग का प्रबंध।
- एक्यूट सरल बीमारी एवं मामूली बीमारी के लिए सामान्य रोगी देखभाल।
- गैर संक्रमित रोगों की पहचान रोकथाम एवं नियंत्रण।
- सामान्य नेत्र एवं ईएनटी समस्याओं की देखभाल।
- सामान्य मुख समस्याओं के देखभाल।
- बुजुर्ग एवं उपशामक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं।
- दाह एवं ट्रॉमा समित आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं।
- मानसिक स्वास्थ्य रोग की जांच एवं बुनियादी सुविधा प्रबंधन एवं योग।

सीसीएल में एचआर पेशेवरों के लिए हुआ इंटरएक्टिव सत्र का सफल आयोजन

रांची। सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र के नेतृत्व में शनिवार को एचआर पेशेवरों के लिए एक विशेष इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में मध्य-स्तरीय अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रबंधकों ने भाग लिया और अपने दिन-प्रतिदिन के आधिकारिक कार्यों में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों पर खुलकर चर्चा की। इस सत्र का उद्देश्य एचआर से जुड़ी चुनौतियों पर खुलकर संवाद करना और बेहतर संवाद, आपसी समझ व कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए सार्थक सुझाव प्राप्त करना था। इस सत्र के दौरान निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि इस तरह के इंटरएक्टिव सत्र न सिर्फ हमारे एचआर पेशेवरों को नई सोच और दृष्टिकोण से लैस करते हैं, बल्कि संगठन की कार्य संस्कृति को भी और अधिक सशक्त बनाते हैं। इंटरएक्टिव सत्र के दौरान, एचआर निदेशक ने प्रमुख एचआर चुनौतियों पर चर्चा की और टीमों के बीच बेहतर संचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक समाधान पेश किए। इस आयोजन का उद्देश्य एचआर पेशेवरों को अपनी भूमिकाओं को अनुकूलित करने और संगठन की वृद्धि में योगदान करने के लिए आवश्यक उपकरण और अंतर्दृष्टि से अवगत करना था।

परिचर्चा — रांची विवि के पत्रकारिता विभाग के 'जोसारु' के सम्मेलन में बोले राधाकृष्ण किशोर

सभी के दुख-तकलीफों के साथ खड़ी है झारखंड सरकार

- संजय द्विवेदी ने कहा, पत्रकारिता में विकास की अवधारणा पर ध्यान दिया जाए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के संगठन 'जोसारु' के तृतीय सम्मेलन का आयोजन शनिवार को हुआ। इसे संबोधित करते हुए झारखंड के संसदीय कार्य सह वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पत्रकारिता समाज से लेकर राजनीति तक पर नजर रखने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि वास्तव में समाचार गांवों और पहाड़ों में होते हैं।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पूर्ववर्ती छात्र अनुज सिन्हा की बात की चर्चा करते हुए कहा कि यह धारणा बदलनी चाहिए कि सरकार के सहयोग के बिना ही हम अच्छा कर सकते हैं। झारखंड सरकार सभी के दुख-तकलीफों के साथ खड़ी है। हम प्रयास कर रहे हैं कि अप्रैल के अंत में ही बजट की राशि आवंटित कर दी जाए।

पत्रकारिता विभाग में स्थायी शिक्षकों की कमी पर उन्होंने कहा कि रांची में बैठने वाले शिक्षा सचिव को इस पर ध्यान देना चाहिए। सोमवार तक इन्हें प्रस्ताव भेजा जाए, हमारी सरकार पूरा सहयोग करेगी। इसके पूर्व, भोपाल से आए माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलपति संजय द्विवेदी ने कहा कि आज पश्चिमी मॉडल की ऋणात्मक पत्रकारिता को छोड़ विकास की अवधारणा पर ध्यान दिया जाए। मौके पर जोसारु के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार चंदन मिश्रा, पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष बीके झा, ऋता शुक्ल उपस्थित थे। विभाग के शिक्षक मनोज शर्मा सहित पूर्व विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में है असली पत्रकारिता

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि आजादी के अमृत वर्ष में भी हम जाति-धर्म की बातों से ऊपर क्यों नहीं उठ पाए, इस पर पत्रकारों को ध्यान रखना चाहिए। हमें आज खास तौर पर पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान देना चाहिए कि 49 प्रतिशत कुपोषित बच्चों को ऊपर कैसे लाया जा सकता है। असली पत्रकारिता ग्रामीण क्षेत्रों में ही है।

37 गेंदों में टी20 शतक, टिम डेविड ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (आईएएनएस)। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में टिम डेविड ने तूफानी शतक जड़ते हुए इतिहास रच दिया। टिम डेविड ने सेंट किट्स में महज 37 गेंदों में शतक पूरा किया। इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए। यह टिम डेविड का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला शतक रहा। वार्नर पार्क में टिम डेविड ने 16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसके साथ वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज टी20 फिफ्टी जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड मार्कस स्टोइनिस के नाम था, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप-2022 में श्रीलंका के खिलाफ 17 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। इसके बाद टिम डेविड ने 37 गेंदों में शतक जड़ते हुए जोश इंग्लिस के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

बुमराह जल्द ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं: कैफ

> कैफ ने कहा, "बुमराह के जज्बे और समर्पण को लेकर कोई शक नहीं, लेकिन अब उनका शरीर जवाब देने लगा है। इस टेस्ट में खराब प्रदर्शन साफ दिखाता है कि आगे जाकर उन्हें टेस्ट मैच खेलने में दिक्कत होगी

नई दिल्ली, (आईएएनएस)

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ के मुताबिक इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में अपना शत-प्रतिशत देने में नाकाम रहने के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। जसप्रीत बुमराह ने ओल्ड ट्रैफर्ड में तीसरे दिन के खेल तक इंग्लैंड के खिलाफ 28 ओवर फेंके, जिसमें 95 रन देकर सिर्फ एक ही विकेट अपने नाम कर सके। उन्होंने शुक्रवार को खेल के आखिरी सेशन में जेमी स्मिथ का विकेट अपने नाम किया।

बुमराह इस दौरान ज्यादातर गेंदें 130-135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक रहे थे, जो हेडिंग्ले में सीरीज के पहले मैच की तुलना में काफी कम है। लीड्स और लॉर्ड्स दोनों टेस्ट मैचों में, 31 वर्षीय बुमराह ने 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की थी। मोहम्मद कैफ ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, "मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। वह शायद संन्यास भी ले लें। वह अपने शरीर के साथ संघर्ष कर रहे हैं। इस टेस्ट मैच में उनकी गति कम हो गई है। बुमराह एक ईमानदार इंसान हैं, अगर उन्हें लगता है कि वह देश को अपना शत-प्रतिशत नहीं दे पा रहे, तो वह खुद को इस फॉर्मेट से अलग कर लेंगे। विकेट न मिलना एक अलग बात है, लेकिन उनकी गेंदों की गति भी 125-130 किमी प्रति घंटे तक सिमट गई है। जसप्रीत बुमराह दूसरे सेशन में अपना टखना पकड़े नजर आए थे, जिसे देखकर फैंस चिंतित हो गए। हालांकि, बाद में वह गेंदबाजी के लिए वापस लौटे। ऐसे में पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ का मानना है कि फैंस को अब इस सच्चाई के लिए खुद को तैयार करना चाहिए कि भविष्य में वह बुमराह को लंबे फॉर्मेट में कम ही खेलते देखेंगे।

कैफ ने कहा, "बुमराह के जज्बे और समर्पण को लेकर कोई शक नहीं, लेकिन अब उनका शरीर जवाब देने लगा है। इस टेस्ट में खराब प्रदर्शन साफ दिखाता है कि आगे जाकर उन्हें टेस्ट मैच खेलने में दिक्कत होगी। शायद वह टेस्ट क्रिकेट से ही दूर हो जाएं। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बाद अब भारतीय फैंस को बुमराह के बिना खेल देखने की आदत डालनी होगी। मैं चाहता हूं कि मेरी यह भविष्यवाणी गलत साबित हो, लेकिन जो देखा, वही कह रहा हूं।

डीसी ओपन : सेमीफाइनल में एम्मा राडुकानू और लेयला फर्नांडीज

वाशिंगटन (आईएएनएस)

मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में एम्मा राडुकानू ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए तीन साल बाद किसी डब्ल्यूटीए हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने मारिया सक्कारी को दो घंटे दस मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-4, 7-5 से हराया, हालांकि मैच की शुरुआत में वह पिछड़ गई थीं। यह वॉशिंगटन में राडुकानू का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके साथ ही सक्कारी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 4-0 हो गया है। अब राडुकानू का सामना रूस की अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। डब्ल्यूटीए में, कनाडा की लेयला फर्नांडीज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराया। फर्नांडीज ने दूसरे सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की और एक सेट प्वाइंट बचाकर 2021 यूएस ओपन में उपविजेता रहने के बाद अपने सबसे बड़े हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मैग्डेलेना फ्रेच को सीधे सेटों में आसानी से हराया। पुरुष वर्ग में मुबाडाला सिटी डीसी ओपन का दिन भी जबरदस्त एक्शन से भरा रहा, जहां दो खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री की। बेन शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने एक जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए फ्रांसेस टियाफो को 7-6(2), 6-4 से शिकस्त दी।

आईपीएल ने सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि हर क्रिकेटर की मदद की : ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अपने करियर और आधुनिक क्रिकेट के स्वरूप को बदलने वाला एक शानदार मंच बताया है। अपनी आईपीएल जर्नी को याद करते हुए ब्रावो ने कहा कि यह लीग न केवल उन्हें, बल्कि दुनियाभर के क्रिकेटर्स को आर्थिक रूप से और स्किल्स को डेवलप करने के लिहाज से जबरदस्त फायदा पहुंचा चुकी है। आईपीएल ने पेशेवर क्रिकेट की दुनिया को एक नया आयाम दिया है। ब्रावो ने आईएएनएस से कहा, "आईपीएल ने सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि आज के हर क्रिकेटर की मदद की है, चाहे वह आर्थिक रूप से हो, या स्किल के स्तर पर। मुझे गर्व है कि मैंने दो सबसे सफल फ्रेंचाइजी के लिए खेला और मुझे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता है। ब्रावो ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन किया।

दिल्ली सरकार की 'खेल नीति' से खिलाड़ी खुश बोले- अब हमें दूसरे राज्य जाने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (आईएएनएस)

दिल्ली सरकार की नई खेल नीति की देश के खिलाड़ियों ने जमकर सराहना की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में लागू हुई इस नई नीति को 'खेलों के लिए ऐतिहासिक कदम' बताया जा रहा है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में रेसलिंग में रजत पदक जीतने वाले रवि दहिया ने कहा कि यह नीति खिलाड़ियों के लिए बेहद प्रोत्साहन देने वाली है। इससे न सिर्फ खेलों में उत्साह बढ़ेगा, बल्कि दिल्ली को खेलों का एक बड़ा केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली सरकार ने उच्चस्तरीय खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण सहायता राशि 20 लाख रुपये तक बढ़ाई है, जिसमें 10 लाख रुपये तक का मेडिकल इंश्योरेंस भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता मिलेगी। ओलंपिक मेडलिस्ट रेसलर रवि दहिया ने दिल्ली सरकार का आभार जताते हुए कहा, "सरकार ने खिलाड़ियों के बारे में इतना सोचा, इसके लिए धन्यवाद। खिलाड़ियों के लिए इंश्योरेंस बेहद जरूरी है, क्योंकि कभी भी इंजरी हो सकती है। दिल्ली सरकार ने ऐसा किया है। उन्होंने कहा, "भारत सरकार 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है। मुझे उम्मीद है कि भारत को यह मेजबानी मिलेगी। सरकार जिस तरह से सक्रिय है, उससे हमें उम्मीद है कि हम टॉप-5 में जरूर आएंगे। दिल्ली सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए दिल्ली के लिए नकद पुरस्कार राशि में भारी इजाफा किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार के इस निर्णय को 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' अभियानों से प्रेरित बताया है।

मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना' के तहत अब ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं को गोल्ड मेडल जीतने पर 3 के बजाय 7 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं, सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को 2 के बजाय 5 करोड़ रुपये, जबकि ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को 1 के बजाय 3 करोड़ रुपये की प्राइज मनी मिलेगी। इसके साथ ही एशियन गेम्स और पैरा एशियन गेम्स में मेडल जीतने वालों के लिए भी इनामी राशि में इजाफा किया गया है। एशियाई खेलों के विजेताओं को 3 करोड़ (स्वर्ण), 2 करोड़ (रजत) और 1 करोड़ (कांस्य) मिलेंगे। वहीं, कॉमनवेल्थ और पैराकॉमनवेल्थ खेलों के विजेताओं को 2 करोड़ (स्वर्ण), 1.5 करोड़ (रजत) और 1 करोड़ (कांस्य) की राशि दी जाएगी।

सीमा अंतिल पुनिया

17 की उम्र में छिना मेडल, फिर चार बार ओलंपिक में किया देश का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत की डिस्कस थ्रोअर सीमा अंतिल पुनिया ने चार बार ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया हैं, लेकिन उनके लिए यहां तक पहुंचने का सफर आसान नहीं रहा। वह लड़कियों के लिए एक रोल मॉडल रही हैं। 27 जुलाई 1983 को सोनीपत में जन्मीं सीमा पुनिया खिलाड़ियों के परिवार से आती हैं। उनके भाई आनंदपाल सिंह कुश्ती खिलाड़ी रहे, जबकि अमितपाल सिंह ने हॉकी में नाम कमाया। इस पारिवारिक बैकग्राउंड के बीच, सीमा महज 11 साल की उम्र में एथलेटिक्स की दुनिया में कदम रख चुकी थीं। यूं तो, सीमा को दौड़ने और कूदने का शौक था। उन्हें हर्डल्स और लॉन्ग जंप में रुचि थी, लेकिन कोच की सलाह पर सीमा अंतिल पुनिया ने 'डिस्कस थ्रो' में करियर बनाने का फैसला किया। महज 17 साल की उम्र में सीमा पुनिया ने वर्ल्ड जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत लिया था, लेकिन डोपिंग विवाद में फंसने के बाद उनसे पदक छिन गया। तब सीमा पुनिया ने जो ड्रग ली थी, उसे जुकाम के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

टिम डेविड ने 37 गेंदों में जड़ा सबसे तेज टी20 शतक पावर-हिटिंग के पीछे की मेहनत को दिया श्रेय

बैसेटेरे (आईएएनएस)

टिम डेविड सबसे तेज टी20 शतक जड़ने वाले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बन गए हैं, जिन्होंने महज 37 गेंदों में यह कारनामा किया। मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद उन्होंने पावर-हिटिंग के पीछे की कड़ी मेहनत को श्रेय दिया है। टिम डेविड ने 37 गेंदों में 11 छक्कों और छह चौकों की मदद से 102 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी तूफानी पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 16.1 ओवरों में 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीरीज में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में जब टिम डेविड से पूछा गया कि क्या उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर बल्लेबाजी करनी चाहिए, तो उन्होंने कहा, "बिल्कुल नहीं, मैंने मध्यक्रम में अच्छा समय बिताया और बल्ले से हर मौके का पूरा फायदा उठाना चाहा। पिच अच्छी थी और बाउंड्री छोटी थी। मैंने बस अपने शॉट खेलने के लिए खुद पर भरोसा किया। यहां खेलने का अनुभव हमेशा काम आता है, जो मेरे लिए अच्छा रहा। मैंने अपनी पावर-हिटिंग पर काफी काम किया है, लेकिन मैं एक स्ट्रोक-मेकर के तौर पर अपनी रेंज का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। सेंट किट्स में खेले गए तीसरे टी20 मैच में वेस्टइंडीज ने चार विकेट खोकर 214 रन बनाए। कप्तान शाई होप ने 102 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि ब्रैंडन किंग ने 62 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 87 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन यहां से टिम डेविड ने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 128 रन की अटूट साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को शानदार जीत दिलाई। 3-0 की बढ़त के साथ, ऑस्ट्रेलिया की नजरें पांच मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप करने पर होंगी।

व्यापार/लाइफ व साइंस

निरंतर मजबूत होता हमारा ऊर्जा क्षेत्र राष्ट्र की प्रगति का शुभ संकेत : हरदीप

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि देश में तेल का बहुत बड़ा भंडार उपलब्ध है। ऑयल एंड गैस सेक्टर में एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन ऐसा क्षेत्र होता है, जिसके लिए किसी भी देश को आने वाले 5 से 10 वर्षों के लिए योजना बनाने की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, "ऊर्जा आत्मनिर्भरता में कई पहलों के साथ पीएम मोदी ने 'नो गो एरिया' पर साहसिक फैसला लेकर देश को गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ाया। इससे पहले इन नो गो एरिया में किसी भी प्रकार की खोज नहीं की गई।

तेल-गैस कुओं की रिकॉर्ड खुदाई

- ओएनजीसी ने 578 कुएं खोदे, जो 35 वर्षों में सबसे ज्यादा हैं।
- यह भारत की खुद की तेल-गैस खोज क्षमता का संकेत है।

निवेश के लिए खुले नए द्वार

- पेट्रोलियम खोज क्षेत्र में नए निवेशकों के लिए अवसर बढ़े।
- एक्सप्लोरेशन, उत्पादन और सप्लाई चेन में निजी भागीदारी को प्रोत्साहन।

उन्होंने आगे कहा कि ओएएलपी IX राउंड के तहत प्राप्त हुईं बिडिंग में 38 प्रतिशत क्षेत्र ऐसा है, जो पहले 'नो गो' एरिया के तहत आता था। ओएएलपी X राउंड में यह आंकड़ा और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। वर्तमान सरकार की उपलब्धियों को गिनवाते हुए केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि इसके साथ खनन क्षेत्र में पेट्रोलियम क्षेत्र को अलग कर ऑयल फिल्ड्स अमेंडमेंट बिल 2025 लागू किया गया, जो एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन की दिशा नई उम्मीदों के साथ अनंत अनंत संभावनाएं लेकर आया। साथ ही, निवेशकों के लिए नए द्वार खुले। केंद्रीय मंत्री पुरी ने वीडियो पोस्ट कर जानकारी दी कि तेल व गैस की खोज के लिए इस वर्ष ओएनजीसी ने 578 कुएं खोदे, जो 35 वर्षों में सबसे अधिक हैं। भारत ओएएलपी 10 राउंड के तहत लगभग 2 लाख स्कायर किलोमीटर में खोज करने जा रहा है। ये कदम भारत की ऊर्जा शक्ति को एक नए क्षितिज पर पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि ये पहल भारत की ऊर्जा शक्ति को एक नए क्षितिज पर पहुंचाएगी।

पहली तिमाही के कमजोर नतीजों के बीच इस सप्ताह भारतीय बाजार मामूली गिरावट के साथ हुए बंद

मुंबई (आईएएनएस)

विश्लेषकों ने शनिवार को कहा कि पहली तिमाही के कमजोर नतीजों और सतर्क ग्लोबल सेंटीमेंट के कारण भारतीय शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जो लगातार चौथे सप्ताह गिरावट दर्शाता है। निफ्टी 50 ने शुक्रवार को बाजार बंद होने पर 24,837 पर था। पिछले पांच सत्रों से विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार शुद्ध बिकवाली कर रहे हैं, जो व्यापक बिकवाली दबाव को दर्शाता है। मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांकों में भारी गिरावट देखी गई, जो बेंचमार्क से कमतर प्रदर्शन कर रहे हैं। चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के मंदार भोजने ने कहा, "तकनीकी रूप से, निफ्टी अपने 20- और 50-डे ईएमए से नीचे कारोबार कर रहा है, जो एक बियरिश शॉर्ट टर्म ट्रेंड का संकेत देता है। अगला तत्काल समर्थन 24,750 पर है और अगर यह लेवल ब्रेक होता है तो आगे की गिरावट सूचकांक को 100-डे ईएमए के पास 24,580 तक धकेल सकती है, जो एक महत्वपूर्ण तकनीकी समर्थन क्षेत्र है। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका का स्टेबलकॉइन पर नया कानून जीनियस एक्ट, भारत, चीन और अन्य अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी प्रवाह को नया रूप देने की धमकी दे रहा है, जहां बैंकों को सहायक कंपनियों के माध्यम से स्टेबलकॉइन में लेनदेन की अनुमति देने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

ग्लोबल कंपनी जेबिल भारत में 2,000 करोड़ से अधिक का कर रही निवेश : अश्विनी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी जेबिल का गुजरात के साणंद स्थित प्लांट लगभग पूरा हो चुका है। यह प्लांट देश में सिलिकॉन फोटोनिक्स और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स का निर्माण करेगा। जेबिल के 25 से अधिक देशों में 100 से अधिक स्थानों पर 1,40,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "जेबिल भारत में सिलिकॉन फोटोनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग सर्विस के विनिर्माण में 2,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, "साणंद स्थित प्लांट लगभग पूरा हो चुका है। जेबिल के ग्राहकों की सूची में स्वास्थ्य सेवा, पैकेजिंग, स्मार्टफोन और क्लाउड इक्विप्मेंट से लेकर ऑटोमोटिव और घरेलू उपकरणों तक, हर बाजार में दुनिया के 300 सबसे बड़े ब्रांड शामिल हैं।

पिछले 6 वर्षों में भारत के फार्मा निर्यात में 92 प्रतिशत की वृद्धि हुई : अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली (आईएएनएस)

संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए केंद्र द्वारा लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं के परिणामस्वरूप भारत के दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स निर्यात में 92 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो वित्त वर्ष 2018-19 में 1,28,028 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 2,45,962 करोड़ हो गया है। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक प्रश्न के लिखित जवाब में लोकसभा को बताया कि इन योजनाओं में प्रमोशन ऑफ रिसर्च एंड इनोवेसन इन फार्मा-मेडटेक (पीआरआईपी) योजना, फार्मास्यूटिकल्स के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, बल्क ड्रग्स के लिए पीएलआई योजना, बल्क ड्रग पार्कों को बढ़ावा देने की योजना और फार्मास्यूटिकल उद्योग को मजबूत करने की योजना शामिल है। भारत के फार्मा और मेडटेक सेक्टर को लागत-आधारित से इनोवेशन-आधारित विकास में बदलने के लिए 5,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ पीआरआईपी योजना शुरू की गई है।

सेल ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 273 प्रतिशत की शानदार वृद्धि की दर्ज

नई दिल्ली (आईएएनएस)। महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान असाधारण मदों और कर-पूर्व लाभ में 273 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले विक्रेय मात्रा, प्रचालन से कारोबार, विक्रेय योग्य एवं कच्चे इस्पात उत्पादन में बढ़ोत्तरी हासिल की है। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने कहा, "सेल का वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही का प्रदर्शन बेहतर परिचालन दक्षता, बेहतर नकदी प्रवाह और घरेलू बाजार में बिक्री की मात्रा में मजबूत वृद्धि दर्शाता है। जिसे सरकारी सुरक्षा शुल्कों का समर्थन प्राप्त है।